हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 11

खेल

[बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ वह गलत है, बीसीबी के भारत से टी20 डब्लूसी शिफ्ट...]

Page 10

देश

[शिक्षा नीती में बड़े बदलाव करेगी सुक्खू सरकार, स्पेशल इंस्ट्रक्टर की होगी नियुक्ति]

मूल्य ₹ 2.00

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • मंगलवार • 06 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 322 • पृष्ठ 12

हिंदुओं पर हिंसा के खिलाफ अब 'संघ' होगा हमलावर

• बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर नाराजगी

दुनियाभर में मोहम्मद यूनुस को घेरने की तैयारी शुरू

वृंदावन (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पावन नगरी वृंदावन के केशव धाम में सोमवार से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दो दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक में संघ के शीर्ष नेतृत्व सहित देशभर के बड़े पदाधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश की वर्तमान परिस्थितियों और संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना है। बैठक में संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और सभी 6 सह-सरकार्यवाह प्रमुख रूप से उपस्थित हैं। इसके अतिरिक्त बैठक में संघ की कार्यकारिणी के विभिन्न प्रांतों के वरिष्ठ प्रचारक और प्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं। केशव धाम परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और बैठक को पूरी तरह आंतरिक रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, बैठक का एक प्रमुख एजेंडा 'हिंदू सम्मेलन' है। संघ का लक्ष्य अब देश के प्रत्येक गांव तक अपनी पहुंच बनाना है। इसके लिए गांव-गांव में हिंदू सम्मेलनों के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की जा रही है। संघ चाहता है कि सामाजिक समरसता और हिंदू एकता का संदेश निचले स्तर तक पहुंचे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हुआ हमला

• कई खिड़कियों के शीशे टूटे, पुलिस ने एक को पकड़ा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के ओहायो वाले घर पर हमला हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। इस मामले की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि हमले के वक्त उपराष्ट्रपति वेंस का परिवार घर पर नहीं था।

शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का मानना है कि हमलावर व्यक्ति उपराष्ट्रपति के घर में नहीं घुसा था। स्थानीय समाचार आउटलेट्स की तस्वीरों में जेडी वेंस के घर की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा हुआ दिखा, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में क्या हुआ था। एजेंसी ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या कोई व्यक्ति वेंस या उनके परिवार को निशाना बना रहा था। व्हाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस भी इस घटना पर जानकारी देगा। व्हाइट हाउस की वेबसाइट के मुताबिक जेडी वेंस अपने परिवार के साथ ओहियो के

सिनसिनाटी शहर में रहते हैं। उनका जन्म 2 अगस्त 1984 को अमेरिका के ओहियो राज्य में एक स्कॉट-आयरिश फैमिली में हुआ था। जेडी अपनी मां बेवर्ली एकिंस के दूसरे पति डोनाल्ड बोमन की संतान हैं।

एसआईआर के आंकड़े लेकर पीएम मोदी से मिले योगी

• एक घंटे सर्द धूप में की चर्चा केशव-पाठक भी दिल्ली में

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी सोमवार को दिल्ली दौरे पर हैं। यहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। योगी ने मोदी को राम मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट किया। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई। बैठक के दौरान योगी के पास एक फाइल दिखी। माना जा रहा है कि इसमें यूपी में एसआईआर के आंकड़े थे। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच एसआईआर और प्रदेश सरकार के आगामी कामकाज को लेकर बात हुई। योगी ने पीएम को एसआईआर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पीएम को जेवर एयरपोर्ट और गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण समारोह और अगले महीने संभावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का न्योता भी दिया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य पहले से ही दिल्ली में हैं। पाठक ने भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष और राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह मुलाकात की। तीनों दिग्गजों का दिल्ली में जमावड़ा होने से सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

बीएमसी ने चुनाव ड्यूटी पर कोर्ट-स्टाफ बुलाया, हाइकोर्ट ने फटकारा

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई नगर निगम के कमिश्नर भूषण गगरानी ने 22 दिसंबर को लेटर जारी कर निचली अदालतों के स्टाफ को चुनाव ड्यूटी पर बुलाया था। इस आदेश पर बॉम्बे हाइकोर्ट ने पिछले हफ्ते स्वत: संज्ञान लेते हुए रोक लगा दी थी। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बीएमसी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि कमिश्नर के पास किस प्रावधान से ये अधिकार हैं? आप उन्हें नहीं बुला सकते। आपके पास वे अधिकार नहीं हैं। इस पर कमिश्नर की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि कमिश्नर की ओर से वे लेटर जारी करना एक

गलती थी। उन्हें वापस ले लिया गया है। चीफ जस्टिस श्री चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम की बेंच ने इस पर कहा कि अब आप खुद को बचाएं। मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी। हम चुनाव के बाद आपकी बात सुनेंगे। 22 दिसंबर, 2025 को कमिश्नर ने शहर की सभी निचली अदालतों के स्टाफ को एक लेटर जारी कर उन्हें चुनाव ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने का निर्देश दिया था। उसी दिन, चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने कमिश्नर और मुंबई शहर के कलेक्टर को सूचित किया कि हाई कोर्ट ने निचली अदालतों के स्टाफ सदस्यों के बारे में प्रशासनिक फैसला लिया है।

राजस्थान में तैयार हुई सेना की 'स्पेशल फोर्स'

जयपुर (एजेंसी)। सुरक्षा और आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय सेना ने नसीराबाद में एक विशेष फोर्स (सैन्य बल) तैयार की है। नसीराबाद की सैनिक छावनी में तैयार हुई इस फोर्स का नाम 'भैरव बटालियन' रखा गया है। भैरव बटालियन 15 जनवरी को जयपुर में होने वाली आर्मी डे परेड में शामिल होगी। इस बटालियन के साथ ही ड्रोन ऑपरेटर्स भी तैयार किए गए हैं। इन ऑपरेटर्स को ड्रोन उड़ाने से

लेकर दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाने एवं असली ऑपरेशन में इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। इससे सेना की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। जानकारी के अनुसार आधुनिक दौर में युद्ध के तरीकों में तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए भैरव फोर्स के जवानों को तैयार किया गया है। माना जा रहा है कि भैरव फोर्स सेना को नई एवं आधुनिक तकनीक से लैस करने के साथ ही दुश्मन पर अत्याधुनिक तरीके से निगरानी रखते हुए वार करने में सक्षम होगी। भैरव बटालियन को नई सोच, नई तकनीक और नई आपरेशनल जरूरत के हिसाब से तैयार किया गया है। रेगिस्तानी इलाकों में कई चुनौतियों का जवानों को सामना करना पड़ता है।

उमर खालिद-शरजील को लगा 'सुप्रीम' झटका

● दिल्ली दंगा केस में सर्वोच्चा न्यायालय ने नहीं दी जमानत ● दिखाया आईना, एक साल अपील करने पर भी रोक लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। हालांकि 5 अन्य आरोपियों को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर और शरजील एक साल तक इस मामले में जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते हैं।

दरअसल, उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद दिल्ली दंगों के आरोप में 5 साल 3 महीने से तिहाड़ में हैं। इन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में उन्हें गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत जमानत देने से इनकार किया गया था। उमर जमानत के लिए निचली अदालत से सुप्रीम कोर्ट तक 6 बार याचिका लगा चुका है। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हिंसा भड़की थी। इसमें 53 लोगों की मौत हुई थी। 250 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। 750 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गईं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद ने फैसला सुनाया।

● **अभियोजन और सबूतों, दोनों के लिहाज से स्थिति अलग-**
अदालत ने कहा कि अभियोजन और सबूतों, दोनों के लिहाज से उमर खालिद और शरजील इमाम की स्थिति अन्य 5 आरोपियों की तुलना में अलग है। कथित अपराधों में इन दोनों की केंद्रीय (मुख्य) भूमिका रही है। इन दोनों की हिरासत (ज्यूडिशियल कस्टडी) की अवधि भले ही लंबी रही हो, लेकिन यह न तो संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करती है और न ही संबंधित कानूनों के तहत लगे वैधानिक प्रतिबंधों को निष्प्रभावी करती है। बहस के दौरान लंबे समय तक जेल में रहने और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता के बारे में दलीलें दी गईं।

पांच अन्य आरोपियों मिली जमानत

5 अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, मोहम्मद समीर खान, शादाब अहमद और शिफाउर रहमान को जमानत मिलने से उनके खिलाफ लगे आरोपों में कोई नरमी नहीं आती। उन्हें करीब 12 शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाएगा। यदि शर्तों का उल्लंघन होता है, तो ट्रायल कोर्ट आरोपियों की सुनवाई के बाद जमानत रद्द करने के लिए स्वतंत्र होगा। खालिद और इमाम की जमानत याचिका पर एक साल रोक रहेगी। यानी इस मामले में संरक्षित गवाहों की गवाही पूरी हो जाएगी, या इस आदेश को एक साल पूरा हो जाएगा। इन दोनों में से जो पहले हो, तब आरोपी जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। उमर खालिद की साथी बानो ज्योत्सना लाहिरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उमर ने उनसे बातचीत में कहा- जिन लोगों को जमानत मिली है, उनके लिए मैं बहुत खुश हूं। मुझे राहत है। अब तो जेल ही मेरी जिंदगी बन गई है। बानो ने यह भी लिखा कि जब उन्होंने उमर से कहा कि वह अगले दिन मुलाकात के लिए आएंगी, तो उमर ने कहा- ठीक है।

नासिर के लिए 'नूर' बनी सरबजीत पाक में अरेस्ट

भारत किया जाएगा डिपोर्ट, सिख जत्थे के साथ गई थी पाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब से पाकिस्तान जाकर निकाह करने वाली महिला सरबजीत कौर को पाकिस्तान में गिरफ्तार कर लिया गया है। सरबजीत के

साथ उसके पाकिस्तानी पति नासिर हुसैन को भी हिरासत में लिया गया है। कौर को अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत डिपोर्ट किया जाएगा। पाकिस्तान शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष और पाकिस्तानी पंजाब सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने यह पुष्टि की। अरोड़ा ने कहा कि 4 जनवरी 2026 को ननकाना साहिब के गांव पेहरे वाली में इंटेलिजेंस ब्यूरो और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने सरबजीत कौर को गिरफ्तार किया और उसके पाकिस्तानी पति हुसैन को भी हिरासत में लिया गया है। पाकिस्तान सरकार ने सरबजीत को भारत डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक सरबजीत कौर को आज भारत डिपोर्ट किया जा सकता है। निकाह के लिए सरबजीत ने मुस्लिम धर्म अपनाकर अपना नाम भी नूर हुसैन रख लिया था। 48 वर्षीय सरबजीत पाकिस्तान गई थी।

अब बोरिंग के पानी में भी घुला 'जहर'

● इंदौर में 69 में से 35 सैंपल हो गए फेल ● पानी में फीकल कोलिफार्म बैक्टीरिया मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का सबसे साफ शहर कहा जाने वाला इंदौर पिछले कुछ दिनों से जानलेवा पानी को लेकर चर्चा में है। दूषित पानी पीने से कई लोगों की जान चली गई है। वहीं, कुछ लोग अभी भी अस्पताल में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। पानी के सैंपल टेस्ट में पता चला है कि फीकल कोलिफार्म बैक्टीरिया के कारण लोग हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। वहीं, अब यह बैक्टीरिया बोरिंग के पानी तक भी पहुंच चुका है। इंदौर के भागीरथीपुरा में गंदे पानी की सप्लाई के बाद पूरे शहर में हाहाकार मच गया है। नर्मदा जल के सैंपल में मल-मूत्र की पुष्टि होने के बाद जब नगर निगम ने बोरिंग के पानी के सैंपल लिए, तो वो भी जांच में फेल हो गए। इंदौर के कलेक्टर शिवम वर्मा के अनुसार, बोरिंग के पानी के कुल 69 सैंपल लिए गए थे, जिसमें से 35 सैंपल पास नहीं हुए हैं। सैंपल की जांच नगर निगम की मूसाखेड़ी स्थित लैब में हुई। 35 सैंपलों में भी फीकल कोलिफार्म बैक्टीरिया पाए गए हैं। जो बेहद खतरनाक हैं।

इंदौर में अब तक 17 लोगों की मौत

इंदौर के भागीरथपुरा में 17वीं मौत हुई है। दूषित पानी पीने से मरने वालों की संख्या रविवार तक 16 थी। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने भागीरथपुरा में महामारी फैलना स्वीकार किया है। वहीं, कलेक्टर शिवम वर्मा ने सोमवार को समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि एपिडेमिक (एक क्षेत्र में संक्रमण) कैसे फैला, इसकी जांच एम्स भोपाल और आईसीएमआर की टीम कर रही है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने कहा- महामारी घोषित नहीं की गई है। सिर्फ डायरिया है, जिससे संक्रमित माना है।

'ठंड' और 'कोहरे' की चपेट में आधा देश

● दिखाए सबसे खतरनाक तेवर, शीतलहर ने कंपकंपाया ● एमपी के 20 जिलों में स्कूल बंद ● आगरा-मुजफ्फरनगर में 9 गाड़ियां टकराईं, 5 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी राज्यों में ठंड बढ़ गई है। मध्य प्रदेश, राजस्थान में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाया है। सोमवार सुबह मध्य प्रदेश में इस सीजन का सबसे घना कोहरा रहा। एमपी की राजधानी भोपाल में विजिबिलिटी 20 मीटर से भी कम रही। राज्य के 20 जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। भोपाल और धार में ठंड के चलते स्कूलों का समय सुबह 9.30 बजे से कर दिया गया है। यूपी में कोहरे के कारण सोमवार को मुजफ्फरनगर और आगरा में सड़क हादसों में 9 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इनमें 5 लोगों की मौत हुई, जबकि 10 से ज्यादा घायल हैं। लखनऊ समेत 10 शहरों में बादल छाए हैं और 10-15 किमी/घंटा की रफ्तार से सर्द हवाएं चल रही हैं। लद्दाख के लेह में सोमवार को भारी बर्फबारी के कारण सभी फ्लाइट ऑपरेशन अस्थायी रूप से रोक दिए गए। पिछले 24 घंटों में 0.6 सेमी बर्फबारी हुई, जबकि न्यूनतम तापमान -9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां रोजाना 10-15 फ्लाइट्स आती-जाती हैं। राजस्थान में रविवार को सीजन की सबसे सर्द दिन-रात रहे।

माउंट आबू में लगातार तीसरे दिन पारा शून्य

राजस्थान में पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं ने सर्दी बढ़ा दी है। प्रदेश में रविवार को सीजन का सबसे ठंडा दिन और ठंडी रात रही। हिल स्टेशन माउंट आबू में लगातार तीसरे दिन तापमान शून्य पर दर्ज हुआ। सात शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। कोटा-बारां में दिन का अधिकतम तापमान 14 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने कहा कि राज्य में अगले एक सप्ताह तक कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। जयपुर संभाग के जिलों में 4 दिनों तक शीतलहर का असर रहेगा।

बिहार में बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई सर्दी

बिहार की राजधानी पटना समेत सभी जिलों में भीषण सर्दी और घने कोहरे का असर जारी है। राज्यभर में 12 से 15 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सर्द हवाएं चल रही हैं। सर्दी के कारण 8 जिलों में 8वीं क्लास तक के सभी स्कूल बंद हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को 28 जिलों में कोल्ड डे और घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की जाएगी। कोहरे के कारण रविवार को पटना से 12 फ्लाइट कैंसिल रही, जबकि 14 लेट रहीं। 16 ट्रेनें भी लेट रहीं। हरियाणा में भीषण सर्दी का दौर जारी है। पूरे प्रदेश में अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

अतिक्रमण हटेगा, लगाए जाएंगे पौधे, पहाड़ी मंदिर के 27 एकड़ क्षेत्र को खोजेगा निगम

रांची, एजेंसी। शहर की सबसे ऊंचाई पर स्थिति पहाड़ी मंदिर की जमीन की खोज अब तेज हो गई है। पहाड़ी मंदिर के चारों ओर किए गए अतिक्रमण और अवैध निर्माण खोजने के लिए निगम मंदिर परिसर की मापी कराएगा। करीब 27 एकड़ में फैले पहाड़ी मंदिर अतिक्रमण की वजह से सिकुड़ते जा रहा है। अब निगम के नक्शा से पूरी जमीन की मापी की जाएगी। यह निर्देश निगम प्रशासक सुशांत गौरव ने रविवार को मंदिर परिसर के निरीक्षण के दौरान दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि मंदिर के मुख्य द्वार के दोनों ओर अतिक्रमण है और श्रद्धालुओं के वाहन बेतरतीब तरीके से खड़े हैं। इससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में समस्या होती है। साथ ही मंदिर तक जाने वाले रास्ते में कई गोदाम है जहां दिन में भी बड़े मालवाहक वाहन लगाकर माल की लोडिंग-अनलोडिंग की जाती है। यह देख प्रशासक ने मंदिर के चारों ओर किए गए अवैध कब्जा को चिह्नित करने का निर्देश दिया। पूजन सामग्री की दुकानें भी सड़क पर लगी हुई हैं, उन्हें भी हटाने के लिए कहा गया। माल वाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने और श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग स्थल बनाने का निर्देश दिया गया। अवैध रूप से चल रहे गोदाम की भी जांच करने का निर्देश दिया गया है। अगर ऐसे गोदाम का नक्शा पास नहीं है तो उन पर भी कार्रवाई होगी। मंदिर के पीछे अवैध रूप से बनी झोपड़ियों को भी हटाया जाएगा। उक्त क्षेत्र में मिट्टी का भराव कर पौधे लगाएं जाएंगे, ताकि पहाड़ी मंदिर की मजबूती बनी रहे। राजधानी बनने के बाद पहाड़ी मंदिर की जमीन पर अवैध निर्माण बढ़ने लगा। मंदिर के पीछे वाले हिस्से में धार्मिक स्थल के लिए जमीन पर कब्जा कर लिया गया। इसके बाद करीब 100 अवैध झोपड़ियां बन गई। हाईकोर्ट के आदेश के बाद दो बार झोपड़ियों को हटाया गया, लेकिन इस पर राजनीति होने की वजह से फिर कब्जा हो गया। अतिक्रमण रोकने के लिए मंदिर की जमीन की घेराबंदी कराई गई। पुरानी दीवार के बाहर फिर 45 लाख की लागत से बाउंड्री कराई गई। लेकिन यह तरकीब भी काम नहीं आई। आईटीआई बस स्टैंड के सामने खाली पड़ी जमीन पर बहुत जल्द वेंडरों के लिए मार्केट बनेगा। जल्द ही उक्त खाली जमीन की मापी होगी।

कोयल नदी पुल में दरार से रांची-टोरी रेल लाइन ठप, लोहरदगा की लाइफलाइन पर संकट

लोहरदगा, एजेंसी। रांची-लोहरदगा-टोरी रेलखंड लोहरदगा और आसपास के इलाकों के लिए लाइफलाइन माना जाता है। इस रूट पर चलने वाली लोहरदगा-रांची और रांची-लोहरदगा मेमू पैसेंजर ट्रेनों से हर दिन लगभग आठ हजार यात्री सफर करते हैं। इसके अलावे सासाराम एक्सप्रेस और राजधानी का लाभ यात्रियों को मिलता है। ट्रेन परिचालन ठप होने के बाद इन यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अचानक ट्रेन रुकने की सूचना मिलते ही लोहरदगा स्टेशन और आसपास के इलाकों में यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। मजबूरी में लोग बसों और अन्य निजी वाहनों की ओर दौड़ पड़े, जिससे बस स्टैंड और सड़कों पर भीड़ उमड़ पड़ी। लोहरदगा रेलवे स्टेशन पर सन्नाटा पसर गया। वहीं, लोहरदगा बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ लग गई। रांची-लोहरदगा-टोरी रेल लाइन पर कोयल नदी पर बने रेलवे पुल संख्या 115 के पिलर संख्या चार और पांच में दरार पाई गई। रेलवे के इंजीनियरिंग स्टाफ ने रविवार सुबह करीब 10.10 बजे इस पुल से ट्रेन का परिचालन रोक दिया। बताया जा रहा है कि एक पिलर में पहले से ही दरार थी, लेकिन उसकी मरम्मत या गहन जांच नहीं की गई। बाद में दूसरे पिलर में भी दरार आने के बाद मामला गंभीर हो गया और ट्रेन संचालन पूरी तरह से रोकना पड़ा। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि पुल के क्षतिग्रस्त होने की आशंका के बावजूद राजधानी एक्सप्रेस और सासाराम एक्सप्रेस को उसी मार्ग से गुजारा गया। यह रेलवे प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। हालांकि बाद में रांची-लोहरदगा मेमू तीन ट्रेन को पुल से पहले ही रोक दिया गया, जिससे एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। अब नगजुआ रेलवे स्टेशन तक ही मेमू का परिचालन होगा। लोहरदगा तक फिलहाल कोई ट्रेन नहीं आएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे ने कई अहम फैसले लिए हैं। रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को फिलहाल अपने नियमित मार्ग लोहरदगा के बजाय मेसरा-बरकाकाना-टोरी होकर चलाने का निर्णय लिया गया है।

रेलवे के एसएमएस ने बढ़ाई परेशानी, अंतिम समय में राजधानी ट्रेन का रूट डाइवर्ट

रांची, एजेंसी। रांची लोहरदगा टोरी रेलखंड पर तकनीकी खराबी के कारण ट्रेनों के परिचालन में हुए बदलाव का सबसे बड़ा खामियाजा रेलयात्रियों को उठाना पड़ा। राजधानी एक्सप्रेस का रूट बदले जाने की सूचना ट्रेन चलने से ठीक पहले मिलने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। किसी को डर था कि ट्रेन छूट जाएगी तो किसी को यह समझ ही नहीं आ रहा था कि आखिर किस स्टेशन पर जाकर ट्रेन पकड़नी है। आखिरी समय में मिले एसएमएस के बाद यात्री भागमभाग करते हुए कभी रांची तो कभी डाल्टनगंज स्टेशन पहुंचे और जैसे-तैसे ट्रेन पकड़ पाए। रेलवे की इस अंतिम समय की सूचना व्यवस्था ने यात्रियों को भारी मानसिक तनाव और परेशानी में डाल दिया। रांची रेल मंडल के अंतर्गत रांची लोहरदगा टोरी रेलखंड पर नागजुआ एवं लोहरदगा स्टेशन के बीच कोयल नदी पर स्थित पुल संख्या 115 के पिलर संख्या चार और पांच के बीच दरार पाए जाने के बाद रेल परिचालन प्रभावित हो गया। इस कारण कई ट्रेनों को रद किया गया, कई के मार्ग बदले गए और कई ट्रेनों का आंशिक समापन किया गया। ट्रेन संख्या 12453 रांची नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को अपने निर्धारित मार्ग रांची लोहरदगा टोरी के बजाय परिवर्तित मार्ग रांची टाटीसिलवे मेसरा बरकाकाना टोरी होकर चलाया गया।

प्लस 2 में अपग्रेड होंगे 10वीं तक के 1711 हाई स्कूल

खर्च होंगे 2000 करोड़ रूपए, शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग केंद्र को भेजेगा प्रस्ताव

रांची, एजेंसी। राज्य में 10वीं तक के 1711 हाई स्कूल अब प्लस टू में अपग्रेड होंगे। इस पर लगभग 2000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होंगे। इन स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, शौचालय और अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण किया जाएगा। नए शिक्षकों की नियुक्तियां भी होंगी। राज्य के विभिन्न जिलों में अभी 1158 प्लस टू स्कूल चल रहे हैं। ऐसे में 10वीं तक के 1711 हाई स्कूलों के अपग्रेड होने के बाद राज्य में प्लस टू स्कूलों की संख्या 2869 हो जाएगी।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग यह प्रस्ताव बना रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में राज्य सरकार की ओर से केंद्र को यह प्रस्ताव भेजा जाएगा। अपग्रेडेड प्लस टू स्कूलों में विज्ञान, कला और कॉमर्स तीनों संकाय की पढ़ाई होगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने पूर्व में केंद्र सरकार को झारखंड के हर जिले के 15 हाईस्कूलों को प्लस टू में अपग्रेड करने का प्रस्ताव भेजा था।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में स्पष्ट उल्लेख है कि नौवीं से 12वीं तक की पढ़ाई एक साथ होगी। चूंकि डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद हो चुकी है। ऐसे में 10वीं पास करने वाले बच्चे 12वीं तक उसी स्कूल में पढ़ाई करें, इसके लिए हाई स्कूलों का अपग्रेडेशन जरूरी है। इन अपग्रेडेशन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अपने ही इलाके में उच्च शिक्षा जारी रखने का अवसर देना, स्कूल छोड़ने की दर को कम करना और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच को बढ़ाना भी है।

प्लस टू स्कूलों में 20-22 शिक्षकों की नियुक्ति होती है। पूर्व से हाई स्कूलों में जितने शिक्षक हैं, उनके अलावा जितने शिक्षकों की आवश्यकता हो, उन सबकी नियुक्ति करनी होगी। झारखंड में माध्यमिक आचार्य बनने के लिए, संबंधित विषय में स्नातकोत्तर की डिग्री (कम से कम 45-50% अंकों के साथ) और बीएड की डिग्री भी होनी चाहिए। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा पास होना भी आवश्यक है। यह योग्यताएं माध्यमिक (कक्षा 9-12) शिक्षकों के लिए है।

डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद कर दी गई है। ऐसे में इंटर के छात्रों को इस बार एडमिशन और फिर रजिस्ट्रेशन के लिए काफी चक्कर लगाना पड़ा। राज्य के 40 वित्त रहित स्कूलों में इस बार निर्धारित सीट से अधिक एडमिशन लेना पड़ा। जैक से अनुमति नहीं मिलने के कारण इनका रजिस्ट्रेशन नहीं हो रहा था। भारी दबाव के बाद सीट में वृद्धि करने की अनुमति दी गई है। हाई स्कूलों के प्लस टू में अपग्रेडेशन के बाद यह समस्या समाप्त हो जाएगी।

पांच साल में तैयार होंगे सभी अपग्रेडेड प्लस टू स्कूल

यदि इन सभी 1711 हाईस्कूलों को अपग्रेड करने की स्वीकृति मिलती है, तो भी इसे तैयार होने में कम से कम पांच साल लगेंगे। अगर समय पर पैसे उपलब्ध नहीं हुए, तो फिर अवधि और आगे बढ़ सकती है। अपग्रेडेड प्लस टू स्कूलों में कम से कम 6 और अधिकतम 10 वर्ग कक्षों का और निर्माण किया जाएगा। प्रयोगशाला, पुस्तकालय और शौचालय का निर्माण भी कराया जाएगा। इसके अलावा हर क्लास के लिए बेंच-डेस्क की भी आवश्यकता होगी।

गिरिडीह के बगोदर में तेज रफ्तार का कहर, स्विफ्ट- पिकअप की सीधी टक्कर

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बगोदर बस स्टैंड चौक के पास तेज रफ्तार से आ रही एक स्विफ्ट कार और हजारीबाग की ओर से आ रही पिकअप माल वैन के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन सड़क पर ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद चौक पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि उस समय चौक पर ज्यादा भीड़ होती तो यह हादसा जानलेवा साबित हो सकता था।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्विफ्ट कार काफी तेज रफ्तार में थी, जबकि पिकअप माल वैन भी गति में थी। दोनों वाहन जैसे ही बस स्टैंड चौक के पास पहुंचे, अचानक आमने-सामने टकरा गए। टक्कर के बाद दोनों वाहनों के अगले हिस्से पूरी तरह चकनाचूर हो गए। सड़क पर बिखरे मलबे और क्षतिग्रस्त वाहनों को देखकर हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दुर्घटना में पिकअप वाहन का चालक घायल हो गया, जिसे वाहन के अंदर फंसा देख स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े।हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल चालक को काफी मशक्कत के बाद वाहन से बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के बाद उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। लोगों ने बताया कि घायल की हालत गंभीर नहीं है, लेकिन उसे सिर और शरीर में चोटें आई हैं। इसी दौरान घटना की सूचना बगोदर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस के पहुंचने तक स्थानीय लोग सड़क पर यातायात को संभालने में जुटे रहे।सूचना मिलते ही बगोदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

जमशेदपुर में ब्राउन शुगर के सौदे पर खून-खराबा

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के बिरसानगर जोन नंबर-6 स्थित टेल्को कंपनी की बाउंड्रीवाल के भीतर जंगल में ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार को लेकर दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में जुगसलाई निवासी सोहेल अहमद (22) की नृशंस हत्या कर दी गई, जबकि उसका साथी अब्दुल सूफियान गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार विनीत नामक युवक ने सोहेल को नशा कारोबार से जुड़ी बातचीत के बहाने जंगल में बुलाया था। सोहेल अपने दोस्त सूफियान के साथ बाइक से मौके पर पहुंचा। जंगल के भीतर नाले के पास सौदे को लेकर बातचीत शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद और फिर हिंसा में बदल गई।

विवाद बढ़ते ही आरोपियों ने सोहेल पर पीछे से चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने उसका गला रेत दिया। एक हथेली काटकर अलग कर दी। गंभीर रूप से घायल सोहेल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि आसपास खून फैल गया। बीच-बचाव करने पहुंचे सूफियान पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। उसके सिर और पीठ पर चापड़ के गंभीर वार किए गए। इसके बाद हमलावर जंगल के भीतर फरार हो गए।

गंभीर चोटों के बावजूद अब्दुल सूफियान ने अपनी बाइक घटनास्थल पर ही छोड़कर टेल्को की बाउंड्रीवाल कूदकर मुख्य सड़क पर पहुंचा। वहां से उसने एक टेंपो पकड़ा और सीधे साकची थाना पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सूफियान को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया।

खरमास के बाद झारखंड में कैबिनेट विस्तार, स्वास्थ्य और कृषि मंत्रालय में फेरबदल की संभावना

रांची, एजेंसी। झारखंड में हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल का एकबार फिर से विस्तार की संभावना बन गई है और यह खरमास के बाद हो सकती है। 2026 का वर्ष झारखंड सरकार में हेल्थ और एग्रीकल्चर विभाग के लिए अशुभ होने वाला है। इस दोनों विभाग के मंत्री में फेरबदल की संभावना है।

हेमंत सोरेन पार्ट-2 की सरकार अब फूल कॉन्फिडेंस के साथ आगे बढ़ रही है। तमाम कथित आर्थिक क्राइसिस के बाद भी राज्य सरकार अपनी विकास योजनाओं को फूल स्पीड में गति देने की कोशिश में है। इसी बीच सरकार अपनी स्थिति जनता के बीच और मजबूत करने के लिए अपने मंत्रिमंडल में थोड़े बहुत चेंज करने जा रही है। इसमें वैसे विभाग हैं जिसके परफॉर्मेंस बेहतर नहीं है और जनता के बीच निराशा है,ऐसे विभाग के मंत्री को बदलने की तैयारी है।

इसमें सबसे अधिक स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का नाम आ रहा है। उनके बयानबाजी से कांग्रेस पार्टी के अंदर भी सबकुछ ठीक नहीं है। साथ ही सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन भी उनके कार्यों से खुश नहीं है। स्वास्थ्य विभाग में लगातार शिकायतें मिल रही है। प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बदतर है। मरीजों की समस्याओं पर कोई निदान नहीं हो रहा है।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की जगह पार्टी के अंदर पाकुड़ विधानसभा सीट से निर्वाचित अल्पसंख्यक महिला विधायक पूर्व मंत्री आलमगीर अलाम की पत्नी निशित आलम का नाम चर्चा में है।

उनको मंत्री बनकर सरकार अल्पसंख्यकों के बीच मजबूत स्थिति बनाते हुए महिलाओं में भी पकड़ बेहतर हो जाएगी। दूसरा नाम कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की चर्चा है। उनके जगह पर कांग्रेस में तीन चार नाम चर्चा में है। इसमें रामचंद्र सिंह,सोनाराम सिंकु,नमन विक्सल कोंगाड़ी और राजेश कच्छप का नाम चर्चा में है। इसी में से किसी एक को मंत्री का पद मिल सकता है।

मंत्रिमंडल विस्तार में सिर्फ कांग्रेस ही नहीं झामुमो और राजद में भी फेरबदल होने की संभावना है। पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद घाटशिला सीट से निर्वाचित उनके पुत्र सोमेश सोरेन को मंत्री बनाया जा सकता है। वहीं राजद कोटे में संजय प्रसाद यादव की जगह राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान को मंत्री बनाया जा सकता है। यानी 2026 के नूतन वर्ष में पहले महीने में हेमंत सोरेन सरकार का कैबिनेट नए रूप में दिखेगी।

पत्नी बना रही थी खाना, पीछे से पति ने लगा दी आग, बोकारो में दहेज के लिए विवाहिता को जलाकर मार डाला

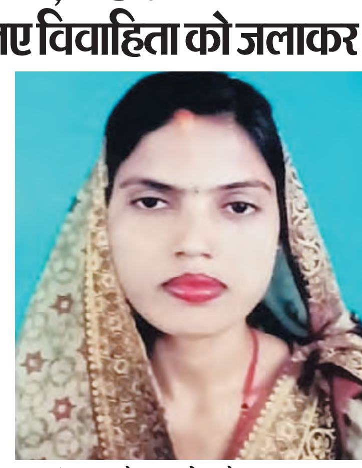

पेटरवार, एजेंसी। पेटरवार थाना क्षेत्र के अंगवाली गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है।

मृतका के भाई के आवेदन पर पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के बाद हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पति और सास के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि पूरे मामले की जांच जारी है।

मांडू थाना क्षेत्र के बड़गांव निवासी मृतका के भाई रामबिलास राम ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उसकी 29 वर्षीय बहन नीतू की शादी अंगवाली गांव निवासी बिनोद रविदास से हुई थी।

शादी के दिन ही मोटरसाइकिल की मांग को लेकर विवाह मंडप में विवाद हुआ था। शादी के दो माह बाद से ही नीतू के साथ पति द्वारा मारपीट शुरू कर दी गई।

पंचायत के हस्तक्षेप के बाद कुछ समय तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन बाद में टीवी, फ्रिज और नगद रुपये की मांग को लेकर पुनः प्रताड़ना शुरू हो गई।

गर्भावस्था के दौरान भी नीतू को ससुराल में भोजन नहीं दिया जाता था और सास तेतरी देवी तथा पति द्वारा लगातार मारपीट की जाती थी। मायके पक्ष के अनुसार, प्रताड़ना से तंग आकर नीतू को मांडू लाया गया, जहां उसने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक बच्ची को जन्म दिया।

सूचना के बावजूद पति और सास उसे देखने तक नहीं पहुंचे। कुछ माह बाद पति नीतू को पुनः ससुराल ले गया, जहां उसके साथ फिर अत्याचार शुरू हो गया। आरोप है कि 18 दिसंबर को खाना बनाने के दौरान पति ने पीछे से नीतू पर आग लगा दी।

गंभीर रूप से झुलसी नीतू को पहले रीजनल अस्पताल बेरमो और फिर बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान एक जनवरी की रात उसकी मौत हो गई।मायके पक्ष ने नीतू की जलाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पति बिनोद रविदास को गिरफ्तार कर तेनुघाट उपकारा भेज दिया है, वहीं अन्य आरोपितों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लोहरदगा-रांची-टोरी रेलखंड के रेलवे पुल में दरार

गुमला, एजेंसी। लोहरदगा-रांची-टोरी रेलखंड पर कोयल नदी पर बने रेलवे पुल संख्या 115 में दरार आने से रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। पुल के पिलर संख्या 4 और 5 के बीच गंभीर दरार की पुष्टि होते ही रांची रेल मंडल में हड़कंप मच गया।

यह दरार पहले से मरम्मती पिलर संख्या 5 के पास और बढ़ गई। जब पिलर संख्या 4 में भी क्रैक नजर आया। गनीमत रही कि रविवार सुबह इसी क्षतिग्रस्त पुल से राजधानी एक्सप्रेस, सासाराम एक्सप्रेस और मेमू पैसेंजर ट्रेनें गुजर चुकी थीं। कोई हादसा नहीं हुआ। इंजीनियरिंग स्टाफ की नजर पड़ते ही सुबह 10:10 बजे तत्काल प्रभाव से पुल पर ट्रेनों का आवागमन रोक दिया गया।

सासाराम एक्सप्रेस रद्द 8 जनवरी तक रद्द : पुल की स्थिति को देखते हुए रेलवे ने कई अहम ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है। ट्रेन संख्या 12453 रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 4 जनवरी को अपने निर्धारित मार्ग रांची-लोहरदगा-टोरी के बजाय परिवर्तित मार्ग रांची-बरकाकाना-टोरी होकर चलाई गई।

इस दौरान टोरी स्टेशन पर ठहराव दिया गया। वहीं, ट्रेन संख्या 18635 रांची-सासाराम एक्सप्रेस को 7 जनवरी तक रांची से रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा सासाराम-रांची एक्सप्रेस भी 6 से 8 जनवरी तक रद्द रहेगी। रेलवे के अनुसार 7 जनवरी तक लोहरदगा स्टेशन पर किसी भी ट्रेन का आगमन नहीं होगा।

नगजुआ स्टेशन तक ही मेमू पैसेंजर : लोहरदगा-रांची सेक्शन पर चलने वाली सभी मेमू पैसेंजर ट्रेनों को आंशिक रूप से सीमित कर दिया गया है। ये ट्रेनें अब लोहरदगा के बजाय नगजुआ स्टेशन तक ही जाएंगी और वहीं से वापस रांची के लिए खुलेंगी।

अचानक ट्रेनें रोके जाने से कई यात्रियों को पुल पार कर पैदल सफर करना पड़ा। ठंड के मौसम में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। यात्रियों का कहना है कि समय रहते सूचना नहीं मिलने से अफरातफरी की स्थिति बन गई।

इरगांव तक ट्रेन बढ़ाने और बस सुविधा पर मंथन : रांची रेल मंडल यात्रियों की सुविधा को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार कर रहा है। मंडल का प्रयास है कि लोहरदगा की ओर जाने वाली मेमू ट्रेनों को नगजुआ के बजाय इरगांव स्टेशन तक बढ़ाया जाए, क्योंकि इरगांव से लोहरदगा की दूरी केवल 8 किमी है, जबकि नगजुआ से 20 किमी।

साथ ही इरगांव से लोहरदगा तक बस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए झारखंड सरकार से अनुरोध किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी टीम पुल का निरीक्षण करेगी और मरम्मत पूरी होते ही परिचालन बहाल करने का प्रयास किया जाएगा। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य लें।

दुमका में एक पक्ष को रिक्शा में बिठाया तो दूसरे ने ड्राइवर को मार डाला, विरोध में एनएच114 जाम

दुमका, एजेंसी। जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित चौंक पर एक ई रिक्शा चालक की हत्या के विरोध में सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर एनएच 114 को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी हत्या में शामिल लोगों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। जाम से यात्री और माल वाहक वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के शिमला ढाका गांव में दो पक्षों के बीच में जमीन विवाद चल रहा था। इसे सुलझाने के लिए रविवार को एक पक्ष का सफ़ारुद्दीन मियां के ई रिक्शा से थाना जा रहे थे।

रास्ते में दूसरे पक्ष के द्वारा ई-रिक्शा को रोक लिया गया और उसके चालक सफ़ारुद्दीन मियां से उलझ पड़े कि तुम इन लोगों को अपने रिक्शा में क्यों बैठाया, तुम इसकी तरफदारी करते हो।

विवाद बढ़ने लगा तो दूसरे पक्ष के लोगों ने ई रिक्शा चालक सफ़ारुद्दीन मियां की लाठी से पिटाई कर दी। घायल अवस्था में उसे चालक को शिकारीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

बाद में बेहतर इलाज के लिए शाम में दुमका मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। वहां से भी चिकित्सकों ने वर्धमान रेफर कर दिया,जहां उसकी मौत हो गई।

सोमवार की सुबह जैसे ही शव घर पहुंचा तो परिजन और अन्य ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने शव को सीधे उठाकर शिकारीपाड़ा थाना से कुछ ही दूर पर स्थित बीच चौक पर रखकर एनएच114, दुमका रामपुरहाट मार्ग को जाम कर दिया है। मृतक के भगिना मोइन अंसारी का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और मृतक के परिवार वालों को उचित मुआवजा दिया जाए।

उन्होंने बताया कि मृतक की छह पुत्री है, इनका लालन-पालन अब कैसे होगा मोइन ने इस मामले में करीम मियां, कोबाद मियां जलील अंसारी अब्दुल मियां, रमजान अंसारी और बशीर मियां का हाथ बताया।

वाहनों की लंबी कतार लग गई है। जाम की वजह से यात्री वाहन के साथ-साथ मालवाहक वाहन भी फंस गए हैं। खास तौर पर तारापीठ जाने वाले श्रद्धालुओं के कई वाहन जाम में है। शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित लकड़ा लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास कर रहे हैं।

आम बगान के बीच में गेंदा फूल की खेती, जामताड़ा की किसान शेफाली मरांडी की पहल

जामताड़ा, एजेंसी। कुंडहित प्रखंड के बरमसिया गांव की महिला किसान ने आम बागवानी के साथ अंतरवर्तीय फसल के रूप में गेंदा फूल की खेती कर एक नई मिसाल पेश की है। आठ किसानों के समूह ने मिलकर 25 एकड़ बंजर भूमि पर बिरसा मुंडा आम बागवानी योजना के तहत बागवानी की है। इसी बागान के दो एकड़ क्षेत्र में गेंदे, ब्रोकली और फुलगोभी की खेती की जा रही है। इस खेती में किसानों ने मिलकर करीब डेढ़ लाख रुपए की लागत लगाई है।

आम के पौधों के बीच खाली जगह देखकर विष्णुप्रिया मंडल ने उसमें अंतरवर्तीय फसल लगाने का निर्णय लिया। गेंदा कम समय में तैयार होने वाली और अधिक मुनाफा देने वाली फसल है। इससे खरपतवार भी कम होता है और बाग का वातावरण सुंदर बना रहता है। खेती शुरू करने से पहले उन्होंने कृषि विभाग व कृषक मित्रों से सलाह ली।

जैविक खाद, सिंचाई और बीज चयन पर विशेष ध्यान : जैविक खाद, सिंचाई और बीज चयन पर विशेष ध्यान दिया। नतीजा यह हुआ कि कुछ ही महीनों में बागान गेंदे के सुनहरे फूलों से महक उठा। इतना ही नहीं, गेंदे के पौधों से कीट-पतंग भी नियंत्रित रहते हैं और आम के पौधों को कोई नुकसान नहीं हुआ। गेंदे के फूलों की मांग शादी-विवाह, पूजा-अर्चना और कार्यक्रमों में काफी रहती है। प्रतिदिन ग्राहक सीधे बगीचे से फूल खरीदने पहुंचते हैं। इससे गांव में रोजगार भी बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दो एकड़ में हर सीजन लाखों रुपए की आमदनी संभव है।

किसान बताती हैं कि पिछले वर्ष भी गेंदा फूल से अच्छी आमदनी हुई थी। इस बार उन्होंने नर्सरी भी तैयार की है, जिससे अलग से कमाई हो रही है। विष्णु प्रिया के साथ शेफाली मरांडी, बीरबल मरांडी, संतोष मरांडी, सुहागिनी मरांडी, आनंद मरांडी, अनिता मरांडी और यशोमती मरांडी भी खेती कर रहे हैं।बरमसिया सहित आसपास के किसान अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ विविध खेती की ओर बढ़ रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक भी अंतरवर्ती खेती को आय बढ़ाने का सफल मॉडल मानते हैं।

अनुभव, सामूहिक प्रयास व समूह शक्ति से मिला हौसला : कुल आठ किसानों ने डेढ़ लाख खर्च किए। इसमें दो एकड़ इंटरक्रॉपिंग में खर्च में बीज, खाद, मजदूरी शामिल है। हर सीजन 50 हजार की आमदनी संभव हो रही है। फूलों की नर्सरी से भी अतिरिक्त कमाई होती है। फूलों की बिक्री से साल भर तीस हजार आय होती है। कृषि विभाग की सलाह लिया।अन्य सफल किसानों के अनुभव,सामूहिक प्रयास और समूह शक्ति से हौसला मिला। कहा कि भविष्य में गुलाब, रजनीगंधा की खेती,फूल प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की योजना है।

कौन हैं शेफाली मरांडी

शेफाली मरांडी के दो संतान है 17 साल का एक पुत्र एवं 14 साल की एक पुत्री वर्तमान में दोनों पढ़ाई कर रहे हैं। उनके पति भी खेती-बागवानी में सहयोग देते हैं। जब से आम की बागवानी के बीच में सीजन में गेंदा फूल की व्यवसायिक खेती शुरू की, आमदनी बहुत बढ़ी है। वे क्षेत्र की दूसरे किसान और महिला कृषकों को बागवानी के फायदे के बाद में बताती रहती हैं। उनके बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ अपनी मां से खेती में प्रयोग करना सीख रही हैं। उनका मानना है कि मेहनत व सलाह देने वाले अच्छे हो तो काम आसान हो जाता है।

GPL सीजन-8: कोटालपोखर पंचायत ने मधुआपाड़ा को 10 विकेट से रौंदा, शान से फाइनल में मारी एंट्री

सचिन चिवा की घातक गेंदबाजी और ओपनर्स की तूफानी बल्लेबाजी के आगे मधुआपाड़ा ने टेके घुटने; अमित मंडल बने 'मैन ऑफ द मैच'

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा। श्रीकुंड स्थित मिल्लत हाई स्कूल के मैदान में खेले जा रहे 'गुमानी प्रीमियर लीग (GPL) सीजन-8' के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में कोटालपोखर पंचायत की टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की है। कोटालपोखर ने मधुआपाड़ा को 10 विकेट के भारी अंतर से पराजित कर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। मैच की शुरुआत में कोटालपोखर पंचायत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, जो बिल्कुल सही साबित हुआ। कोटालपोखर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए मधुआपाड़ा की टीम को 15.3 ओवर में महज 93 रनों पर ऑलआउट कर दिया।

मधुआपाड़ा की बल्लेबाजी: अमीर ने सर्वाधिक 38 रन और अशफाक ने 23 रनों की पारी खेली। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज कोटालपोखर के आक्रमण का सामना नहीं कर सका।

गेंदबाजी का जलवा: कोटालपोखर के सचिन चिवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके। वहीं अमित मंडल और अभिजीत शर्मा (बाबू) ने 2-2 विकेट लेकर मधुआपाड़ा की कमर तोड़ दी। 94 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोटालपोखर की टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। ओपनर इंद्रजीत शर्मा ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 51 रन (अर्धशतक) जड़े। उनका बखूबी साथ निभाते हुए अमित मंडल ने भी 40 रनों की नाबाद पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों के तूफानी प्रदर्शन की बदौलत कोटालपोखर ने मात्र 8.1 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 95 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। गेंदबाजी में 2 विकेट लेने और बल्लेबाजी में 40 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलने वाले अमित मंडल को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कोटालपोखर टीम के कप्तान मृत्युंजय कुमार उर्फ गुनी ने जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, "हमारी टीम इस बार बेहद संतुलित है और सभी खिलाड़ी फॉर्म में हैं। पिछले सीजन में हम उपविजेता रहे थे, लेकिन इस बार हमारा लक्ष्य चैंपियन बनकर ही लौटने का है।" इस जीत के साथ कोटालपोखर की टीम ने फाइनल का टिकट कटा लिया है। मंगलवार को होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम के साथ कोटालपोखर का मुकाबला 11 जनवरी को होने वाले भव्य फाइनल में होगा। मैच के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही और पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

साहिबगंज: राहुल रौशन मरांडी ने संभाला सदर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी का पदभार, बोले- "जरूरतमंदों तक राशन पहुँचाना प्राथमिकता"

संवाददाता

साहिबगंज। सदर प्रखंड कार्यालय में सोमवार को नए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (BSO) के रूप में राहुल रौशन मरांडी ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने अंचलाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी (सीओ-सह-बीडीओ) बासुकीनाथ टुडू के समक्ष अपना योगदान दिया। पदभार ग्रहण कार्यक्रम के दौरान सीओ-सह-बीडीओ बासुकीनाथ टुडू ने नए आपूर्ति पदाधिकारी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के आने से विभाग से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता आएगी और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्षेत्र की जनता को अब आपूर्ति विभाग से संबंधित कार्यों के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। कार्यभार संभालने के बाद नवनियुक्त प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी राहुल रौशन मरांडी ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर जनवितरण प्रणाली (PDS) का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "आम जनता से जुड़ी राशन और आपूर्ति संबंधी हर समस्या का त्वरित समाधान निकाला जाएगा। मेरा प्रयास रहेगा कि सरकार द्वारा मिलने वाला खाद्यान्न हर जरूरतमंद परिवार तक बिना किसी बाधा के और समय पर पहुँचे।" इस अवसर पर प्रखंड कार्यालय के कर्मी और कई स्थानीय लोग उपस्थित थे। नए अधिकारी के आने से क्षेत्र के राशन कार्ड धारकों और आम जनता में समस्याओं के निष्पादन की नई उम्मीद जगी है।

» **सीओ-सह-बीडीओ बासुकीनाथ टुडू की मौजूदगी में संभाली जिम्मेदारी; सरकारी कार्यों में आएगी तेजी**

साहिबगंज-पाकुड़ में रेल विकास के लिए 'आर-पार' की जंग: पंकज मिश्रा का अल्टीमेटम—16 जनवरी से पत्थर दुलाई होगी पूरी तरह ठप

संवाददाता

साहिबगंज। साहिबगंज और पाकुड़ जिलों में रेल सुविधाओं के विस्तार और विकास की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने अब 'आर-पार' की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि रेलवे प्रशासन ने उनकी जायज मांगें नहीं मानीं, तो आगामी 16 जनवरी से दोनों जिलों से होने वाली पत्थर की रेल ढुलाई (रैक लोडिंग) को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। इस आंदोलन को धार देने के लिए पंकज मिश्रा ने सोमवार को पाकुड़ जिले के पत्थर व्यवसायियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में व्यवसायियों ने एक स्वर में आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि लंबे समय बाद क्षेत्र को ऐसा नेतृत्व मिला है जो दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विकास के लिए खड़ा है। इससे पहले 23 दिसंबर को साहिबगंज के व्यवसायियों ने भी इस मुहिम को अपना समर्थन दिया था।

» **झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता ने पाकुड़ के व्यवसायियों के साथ की बैठक; बोले- "रेलवे यहाँ से मलाई खा रहा है, पर सुविधाओं में कर रहा उपेक्षा"**

पंकज मिश्रा ने कड़े लहजे में कहा कि साहिबगंज और पाकुड़ से पत्थर के रैक लोड होने से रेलवे को प्रतिदिन लगभग 10 करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है। इसके बावजूद रेलवे इन क्षेत्रों की बुनियादी सुविधाओं और ट्रेन सेवाओं की उपेक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा, "रेलवे यहाँ से मलाई खा रहा है और लाभ दूसरे जिलों को दे रहा है। जनता अब यह अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी।"

पंकज मिश्रा ने मालदा रेल डिवीजन के डीआरएम को सौंपे ज्ञापन में निम्नलिखित मांगें रखी हैं:

साहिबगंज के पूर्वी और पश्चिमी रेलवे गेट पर आरओबी (रेल ओवर ब्रिज) का निर्माण।

भागलपुर से खुलने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का विस्तार साहिबगंज तक करना।

कोरोना काल से बंद अपर इंडिया एक्सप्रेस को पुनः शुरू करना।

दिल्ली के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ाना।

साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी में एसी कोच और वनांचल एक्सप्रेस में फर्स्ट क्लास एसी की सुविधा।

बेंगलुरु, सूरत और मुंबई के लिए सीधी ट्रेन सेवा।

प्रमुख मांगें: पाकुड़ के लिए

पाकुड़ से पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा।

शताब्दी एक्सप्रेस, वंदे भारत और बेंगलुरु जाने वाली ट्रेनों का पाकुड़ स्टेशन पर ठहराव (Stoppage)।

पंकज मिश्रा ने साफ किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत स्वार्थ या पार्टी विशेष का नहीं, बल्कि आम जनता का है। उन्होंने कहा कि मार्च-अप्रैल तक रेल विकास की मांगें पूरी होनी चाहिए, वरना 16 जनवरी से आर्थिक नाकेबंदी के रूप में रैक लोडिंग ठप कर दी जाएगी। पत्थर व्यवसायियों ने भी आश्वासन दिया है कि वे विकास की इस लड़ाई में जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

बरहरवा: नगर निकाय चुनाव में देरी और अफसरशाही के खिलाफ भाजपा का हल्ला बोल; पूर्व विधायक अनंत ओझा बोले- "लोकतंत्र को कमजोर कर रही सरकार"

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा। बरहरवा नगर पंचायत में व्याप्त जन-समस्याओं और तीन सूत्री मांगों को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), साहिबगंज जिला इकाई द्वारा एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा विशेष रूप से उपस्थित रहे। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा ने राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "झारखंड में नगर निकाय चुनाव समय पर नहीं कराना सरकार की जनविरोधी नीति को दर्शाता है। जनप्रतिनिधियों के न होने से आज लोकतांत्रिक व्यवस्था पूरी तरह कमजोर हो गई है। नगर निकायों में पूरी तरह से 'अफसरशाही' (ब्यूरोक्रेसी) हावी है, जिसके कारण आम जनता की कोई सुनने वाला नहीं है।" उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही चुनाव नहीं कराए गए और जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन को और तेज करेगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत के कामकाज में पारदर्शिता लाने, लंबित विकास योजनाओं को पूर्ण करने और जल्द से जल्द नगर निकाय चुनाव बहाल करने की तीन सूत्री मांगों को पुरजोर तरीके से उठाया। नेताओं ने कहा कि पार्षदों और अध्यक्षों के अभाव में विकास कार्य ठप पड़े हैं और छोटे-छोटे कामों के लिए जनता को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा रहा, जिनमें मुख्य रूप से: प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कमल कृष्ण भगत, जिला महामंत्री कुसमाकर तिवारी व गौतम कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष रामानंद साह व ललिता पासवान, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष श्यामल दास, निवर्तमान नगर पंचायत उपाध्यक्ष लोकेश कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष राजकुमार भगत, अजित साह, बप्पी निर्मल साह और मंजू देवी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में राज्य सरकार को आगाह किया कि जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

» **तीन सूत्री मांगों को लेकर बरहरवा नगर पंचायत में भाजपा का एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन; कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी**

बोरियो: विधायक धनंजय सोरेन ने दी विकास योजनाओं की सौगात, कई सड़कों और मांझी स्थान का किया शिलान्यास

संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो। बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन इन दिनों अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने में जुटे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को विधायक ने बोरियो प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और करोड़ों की लागत से बनने वाली कई महत्वपूर्ण सड़कों तथा धार्मिक स्थलों के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। विधायक धनंजय सोरेन ने बोरियो प्रखंड स्थित शिबू सोरेन डिग्री महाविद्यालय से इंटर महाविद्यालय तक मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें शिक्षा के प्रसार में सहायक होती हैं और इससे छात्रों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।

क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था को सम्मान देते हुए विधायक ने चासगामा के लीलाटांड़ में मांझी स्थान के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीण कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से:

जेटके कुम्हरजोरी के जीतपुर में सड़क निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

पथरा जंवाई टोला में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नई सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

शिलान्यास कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक धनंजय सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "सड़कें गांव की जीवनरेखा होती हैं। हमारा लक्ष्य है कि बोरियो विधानसभा का हर गांव और टोला मुख्य सड़क से जुड़े। साथ ही, हमारी संस्कृति और परंपरा के प्रतीक मांझी स्थानों का संरक्षण भी हमारी प्राथमिकता है।" इस अवसर पर विधायक के साथ झामुमो जिला सचिव सुरेश टुडू, जिला उपाध्यक्ष रहमान अंसारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रिजवान अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष जेठा मरांडी, प्रखंड सचिव गफ्फार, प्रखंड कोषाध्यक्ष निताय मंडल, मो. एजाज अंसारी, फरहाद अंसारी, रमेश हांसदा, हेमलाल हेंब्रम, लक्ष्मण बेसरा, सुरेश, मुरसलीन अंसारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे। सड़क निर्माण और मांझी स्थान के शिलान्यास से स्थानीय ग्रामीणों में काफी हर्ष का माहौल देखा गया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: 246_2025-26, दिनांक: 02.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 **[वरिष्ठ डीईएन/सी/हावड़ा]** द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण :** (i) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17/ए/1 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (ii) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17/ए/टी के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (iii) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17/ए/6 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (iv) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 18 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। (v) एईएन/नबद्वीपधाम के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 12ए/1 के स्थान में नए सीमित ऊँचाई के सबवे का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 32,40,18,905.10, **बयाना राशि :** रु. 17,70,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 27.01.2026 को 14.00 बजे । निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-510/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कड़ाके की ठंड में इंसानियत की गर्माहट: डॉ. सूर्यनंद पोद्दार ने आदिवासी गांव में बांटे कंबल, छलक आए बुजुर्गों के आंसू

पोद्दार होमियो क्लीनिक की अनूठी पहल; ठंड से ठिठुरते असहाय लोगों को मिला सहारा और अपनापन

संवाददाता

साहिबगंज। जब हाड़ कंपाने वाली ठंड हड्डियों में सिहरन पैदा कर रही हो और सर्द रातें गरीब परिवारों के लिए किसी चुनौती से कम न हों, ऐसे में साहिबगंज के समाजसेवी और चिकित्सक डॉ. सूर्यनंद पोद्दार मानवता की एक नई मिसाल बनकर सामने आए हैं। सोमवार को 'पोद्दार होमियो क्लीनिक' की ओर से जिले के एक सुदूर आदिवासी गांव में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह वितरण केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं था, बल्कि संवेदनाओं से भरा एक सजीव दृश्य बन गया। जैसे ही ठंड से कांपते बुजुर्गों के हाथों में नया कंबल आया, उनकी नम आंखें बहुत कुछ कह गईं। कंबल की गर्माहट मिलते ही बुजुर्गों के चेहरे पर सुकून और बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान इस बात का प्रमाण थी कि समाज में आज भी परोपकार जिंदा है। ग्रामीणों के लिए यह कंबल केवल ठंड से बचने का साधन नहीं, बल्कि एक सहारा और भरोसे का एहसास था। इस भावुक क्षण पर डॉ. सूर्यनंद पोद्दार ने कहा, "पोद्दार होमियो क्लीनिक का यह निरंतर प्रयास रहता है कि हर साल कड़ाके की ठंड में हम अपने आदिवासी भाइयों और बहनों की मदद कर सकें। हम कंबल के साथ-साथ उन्हें आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराते हैं। इन जरूरतमंदों के चेहरे पर जो राहत दिखती है, उससे मिलने वाला आत्मिक सुकून ही मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।" इस कार्यक्रम में लगभग 10 अत्यंत वृद्ध और लाचार आदिवासी महिला-पुरुषों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से मनोज कुमार गुप्ता और वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. पोद्दार की इस मानवीय पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। उपस्थित लोगों का कहना था कि जब समाज का हर सक्षम व्यक्ति इस तरह की संवेदना और करुणा दिखाएगा, तभी कठिन से कठिन समय भी आसानी से कट सकेगा। कड़ाके की ठंड में जब इंसानियत की गर्माहट मिल जाए, तो सर्द रातें भी सहनीय हो जाती हैं। डॉ. सूर्यनंद पोद्दार का यह प्रयास साहिबगंज के लिए समाज सेवा की एक सशक्त और प्रेरणादायी मिसाल है।

झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) की बैठक संपन्न: 18 जनवरी को मोती झरना में होगा 'वन भोज', नेताओं का मनाया गया जन्मदिन

संवाददाता

साहिबगंज/बाकुडी। झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) की जिला स्तरीय बैठक सोमवार, 5 जनवरी को बाकुडी स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों और पिछले कार्यों की समीक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से बीते 21 दिसंबर 2025 को बरहरवा में आयोजित 'वार्षिक अधिवेशन' की सफलता पर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि अधिवेशन की ऐतिहासिक सफलता कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता का परिणाम है। इसका पूरा श्रेय संघ के समर्पित सदस्यों को दिया गया। नए साल के आगमन के उपलक्ष्य में संघ के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आगामी 18 जनवरी को साहिबगंज के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल मोती झरना में 'वन भोज' (पिकनिक) का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संघ के सदस्यों के बीच आपसी भाईचारा और समन्वय को और अधिक प्रगाढ़ करना है। बैठक का माहौल उस समय और भी खुशनुमा हो गया जब संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव एवं केंद्रीय सहायक मंत्री गणेश ठाकुर का जन्म उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित सदस्यों ने केक काटकर दोनों नेताओं को बधाई दी और उनके दीर्घायु होने की कामना की।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-132-25-26 (खुली), दिनांक 02.01.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **केस संख्या : ओ-एसी-टी-132-25-26, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में एटी वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति और एटी वेल्ड के निष्पादन के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु.3,60,24,015.28, **बयाना राशि :** रु. 3,30,100/-, **कार्य समाप्त करने की अवधि:** 18 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 27.01.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-294/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : ई-पेपर
www.sonvarshavani.com sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

शीतलहर के मद्देनज़र 6 से 8 जनवरी तक झारखंड के सभी स्कूल बंद

» विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार का निर्णय

पाकुड़। राज्य में लगातार बढ़ रही शीतलहर एवं अत्यधिक ठंड के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा सभी विद्यालयों को अस्थायी रूप से बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। जारी कार्यालय आदेश के अनुसार राज्य में संचालित सभी श्रेणी के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं निजी विद्यालयों में 06 जनवरी 2026 से 08 जनवरी 2026 तक प्री-नर्सरी/नर्सरी से कक्षा 12वीं तक की सभी कक्षाएँ स्थगित रहेंगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि उक्त अवधि में सभी सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी विद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए गैर- शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करेंगे। वहीं, यदि इस अवधि में किसी विद्यालय में प्री-बोर्ड अथवा अन्य परीक्षाओं का आयोजन प्रस्तावित है, तो उनके संचालन को लेकर संबंधित सक्षम प्राधिकारी अपने विवेकानुसार आवश्यक निर्णय लेंगे

बतख पालन से आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं हिरणपुर की आदिवासी महिला दुलारस किस्कू

» नववर्ष के अवसर पर 400 बतख बेचकर अर्जित की 2 लाख की आय

पाकुड़। जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बेलडीहा गांव की आदिवासी महिला दुलारस किस्कू ने सखी मंडल से जुड़कर मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। पारंपरिक कृषि पर निर्भर परिवार की सीमित आय को उन्होंने बतख पालन व्यवसाय के माध्यम से सशक्त आजीविका में बदल दिया। दुलारस किस्कू ने नवंबर माह में बतख के चूजों का पालन प्रारंभ किया और नववर्ष 2026 के अवसर पर 400 बतखों को 500 प्रति बतख की दर से बेचकर कुल 2,00,000 (दो लाख रुपये) की आय अर्जित की। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। संघर्ष से सफलता तक का सफर दुलारस किस्कू की सफलता की कहानी संघर्ष और निरंतर प्रयास की मिसाल है। उन्होंने मसीह सखी मंडल से जुड़कर ऋण के माध्यम से प्रारंभ में 50 बतख, 50 मुर्गी एवं 2 बकरियों से व्यवसाय की शुरुआत की। शुरुआती दौर में विपणन और संसाधनों से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। पहली खेप की बिक्री के बाद उन्होंने सखी मंडल से पुनः 20,000 का ऋण लेकर 500 बतखों का पालन प्रारंभ किया। शुरुआत में अस्थायी संरचना में व्यवसाय संचालित किया गया, परंतु आमदनी बढ़ने पर उन्होंने स्थायी तालाब का निर्माण कराया। इस पूरे सफर में उनके पति मनु बेसरा का भरपूर सहयोग मिला, जिससे व्यवसाय को निरंतर मजबूती मिली।आर्थिक सशक्तिकरण की ओर सशक्त कदम वर्तमान में दुलारस किस्कू 500 बतख, 400 मुर्गियों एवं देशी मुर्गियों का सफलतापूर्वक पालन कर रही हैं। दिसंबर माह में मुर्गियों की बिक्री से उन्होंने 80,000 की अतिरिक्त आय अर्जित की। बतख पालन से प्राप्त आय का उपयोग वे अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में कर रही हैं। उन्होंने पक्के मकान निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया है तथा अपने बच्चों को अच्छे विद्यालय में शिक्षा दिला रही हैं। इसके साथ ही वे सखी मंडल के माध्यम से मछली पालन भी कर रही हैं, जिससे उनकी आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित हो रहे हैं। जेएसएलपीएस से मिला सशक्त सहयोग दुलारस किस्कू ने ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत पालश झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा संचालित मसीह सखी मंडल से जुड़कर आजीविका गतिविधियों का भरपूर लाभ उठाया। उन्होंने बताया कि इस सफलता में उन्हें अपने पति के साथ-साथ जेएसएलपीएस एवं प्रशासन का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ। महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत दुलारस किस्कू की सफलता उन ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि सही मार्गदर्शन, सखी मंडल का सहयोग और कठिन परिश्रम के बल पर ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र की महिलाएं भी आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं।

लंगटा बाबा मंदिर खरगडीहा में साधु संतों एवं गरीब असहाय लोगों के बीच हुआ कंबल वितरण

गिरिडीह /जमुआ । जमुआ प्रखंड स्थित लंगटा बाबा मंदिर प्रत्येक वर्ष पौष पूर्णिमा (जनवरी माह) के दिन यहां बाबा का वार्षिक समाधि पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर रविवार की रात कुछ लोगो की मदद से इस बढ़ती ठंड में साधु संतों एवं असहाय जरूरतमंद लोगों के बीच कम्बल और बच्चों के बीच बिस्कुट बांटे। मंदिर परिसर और आसपास में रहने वाले साधु-संतों और महात्माओं को भी कंबल दिए गए ताकि वे ठंड से सुरक्षित रह सकें। श्रद्धालुओं ने बताया कि भीषण सर्दी में साधु-संतों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। उनका मानना था कि लंगटा बाबा की आराधना के साथ-साथ मानव सेवा का यह कार्य समाज को सकारात्मक संदेश देता है। कंबल वितरण के समय पूरा मंदिर परिसर "लंगटा बाबा की जय " के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर के पुजारियों ने इस पुनीत कार्य के लिए श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।इस कार्यक्रम में श्रावेश सेठ, शुभम गुप्ता, प्रेम प्रियदर्शी, संसार साव, सुमित साहा, आदर्श गुप्ता,रचित गुप्ता, अभिषेक साव , अक्षत वर्मा सफल बनाए।

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

» 2 लाख से अधिक आबादी की हुई स्क्रीनिंग
» 42 कुष्ठ रोगी चिन्हित, सभी का उपचार जारी

संवाददाता

पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुष्ठ रोगी खोज अभियान सहित कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में कुष्ठ रोगी खोज अभियान दिनांक 10 नवंबर 2025 से 26 नवंबर 2025 तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया। अभियान के राउंड-1 के अंतर्गत जिले की संपूर्ण आबादी की जांच के उद्देश्य से 1,240 टीमों का गठन किया गया, जिनके द्वारा 2,21,417 घरों का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान 2,281 संदिग्ध कुष्ठ मरीज चिन्हित किए गए। इसके पश्चात चिकित्सीय दल द्वारा सभी संदिग्ध मरीजों की गहन जांच की गई, जिसमें 42 कुष्ठ रोगियों की पुष्टि हुई। सभी चिन्हित मरीजों का वर्तमान में नियमित उपचार जारी है। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि इलाजरत कुष्ठ रोगियों को खान–पान हेतु सरकार द्वारा प्रदत्त सहायता राशि का भुगतान समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि उपचार के दौरान मरीजों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े बैठक में सिविल सर्जन ने कुष्ठ रोग के लक्षणों, समय पर पहचान एवं पूर्ण उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा भी कुष्ठ उन्मूलन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी साझा की गई। उपायुक्त ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि ग्रेड-2 कुष्ठ रोगियों को सेल्फ केयर किट एवं एमसीआर चप्पल निर्धारित समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे दिव्यांगता की रोकथाम एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि कुष्ठ रोग पूरी तरह से इलाज योग्य बीमारी है और समय पर पहचान, उपचार एवं जागरूकता के माध्यम से जिले को कुष्ठ मुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को समन्वय एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

जिले में आयोजित आयुष जांच शिविर में 224 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

पाकुड़ । आयुष विभाग, पाकुड़ की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयुष जांच शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 224 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। यह शिविर पाकुड़ प्रखंड के नबीनगर और नवादा, अमड़ापाड़ा प्रखंड के छोटापाहड़पुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के रोडगो और लिट्टीपाड़ा, पाकुड़िया प्रखंड के चौकीसला, महेशपुर प्रखंड के रोलाग्राम में आयोजित किए गए शिविर में उपस्थित चिकित्सकों डॉ मो अबुतालिब शेख, डॉ सौरभ विश्वास, डॉ अमरेश कुमार, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ राजेश यादव, डॉ विरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ अशोक मेहता* ने बताया कि जांच शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ एवं गठिया रोग, बच्चों से संबंधित रोगों आदि का निःशुल्क परीक्षण किया गया। साथ ही लाभुकों को मुफ्त दवा भी उपलब्ध कराई गई शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए और उन्होंने इस पहल की सराहना की

हिरणपुर प्रखण्ड के केन्दो ग्राम के कृषकों के लिए बंजर भूमि राईस फैलो विकास योजनान्तर्गत तालाब जीर्णोद्धार बना वरदान

संवाददाता

पाकुड़ । पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखण्ड अंतर्गत बरमसिया पंचायत के केन्दो ग्राम में बंजर भूमि राईस फैलो विकास योजनान्तर्गत कराए गए तालाब जीर्णोद्धार से कृषकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। भूमि संरक्षण विभाग, पाकुड़ द्वारा क्रियान्वित इस योजना से ग्राम के किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा के साथ-साथ अतिरिक्त आय के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। योजना के सफल क्रियान्वयन से केन्दो ग्राम के कृषकों में हर्ष का माहौल है। लाभान्वित कृषक बुधन बागती एवं अन्य कृषकों ने बताया कि तालाब के गहरीकरण से उनके स्वयं के खेतों के साथ- साथ आसपास के खेतों में भी सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। इसके फलस्वरूप अब वे खरीफ फसल के साथ-साथ रबी फसल जैसे गेहूँ, सरसों, मसूर आदि की खेती भीसफलतापूर्वक कर पा रहे हैं।कृषकों ने यह भी बताया कि तालाब में मछली का जीरा डाला गया है, जिससे मत्स्य पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय का स्रोत विकसित होगा। इससे न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि गांव में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह योजना जल संरक्षण, कृषि उत्पादन वृद्धि एवं ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है, जो किसानों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

संवाददाता

पाकुड़ । उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में पाकुड़ जिला ने कोटपा एक्ट–2003 के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी, स्वास्थ्य विभाग, नगर परिषद, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी एवं पुलिस विभाग के समन्वित प्रयासों से सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले उल्लंघनकर्ताओं से कुल 42,300 की वसूली की गई है, जो पूरे राज्य में प्रथम स्थान है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी पाकुड़ जिला इस श्रेणी में राज्य में प्रथम स्थान पर रहा था। बैठक के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी स्कूलों एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों के बीच तंबाकू निषेध को लेकर नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ, ताकि किशोर एवं युवा वर्ग को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा सके।इसके साथ ही सभी सार्वजनिक स्थलों पर आई.ई.सी. सामग्री अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया, जिससे आमजन में व्यापक जागरूकता उत्पन्न हो सके।उपायुक्त ने आगामी सात दिनों के भीतर प्रत्येक प्रखंड एवं नगर परिषद क्षेत्र को कोटपा एक्ट–2003

» कोटपा एक्ट–2003 के तहत वसूली में पाकुड़ जिला राज्य में प्रथम

के अंतर्गत न्यूनतम 2,000 की वसूली का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसे सख्ती एवं संवेदनशीलता के साथ लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है, जिसमें सभी विभागों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है

ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता

पाकुड़ ।उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन प्रोग्राम की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।* बैठक में जिले में ई-संजीवनी के माध्यम से प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति, उपलब्धियों एवं भविष्य की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने बताया कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जहाँ चिकित्सकों की भौतिक उपलब्धता संभव नहीं हो पाती है, वहाँ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सी.एच.ओ.) के माध्यम से ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन एप्लीकेशन द्वारा पंजीकृत हब के डॉक्टरों से ऑडियो-वीडियो कॉल के माध्यम से परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण जनता के लिए वरदान साबित हो रही है। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रतिदिन निर्धारित समय- सारणी के अनुसार रिम्स, रांची; एम्स, देवघर सहित अन्य विशेष हब से विशेषज्ञ चिकित्सक ऑनलाइन उपलब्ध रहते हैं और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण परामर्श प्रदान करते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक पाकुड़ जिले में कुल 48,232 ई-संजीवनी कंसल्टेशन पूर्ण किए जा चुके हैं, जिसके साथ जिला पूरे राज्य में चतुर्थ स्थान पर है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी सी.एच.ओ. प्रत्येक माह न्यूनतम 200 कंसल्टेशन तथा सभी चिकित्सक प्रत्येक माह कम से कम 500 कंसल्टेशन सुनिश्चित करें, ताकि ई-संजीवनी के प्रभावी क्रियान्वयन से पाकुड़ जिला को राज्य में प्रथम स्थान पर लाया जा सके। उन्होंने सिविल सर्जन एवं सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि ई-संजीवनी कार्यक्रम की साप्ताहिक समीक्षा अनिवार्य रूप से की जाए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिया कि छूटे हुए चिकित्सा पदाधिकारी

» ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ स्वास्थ्य सेवा का सशक्त माध्यम बन रहा ई-संजीवनी
» 48,232 कंसल्टेशन के साथ राज्य में चतुर्थ स्थान पर पाकुड़

एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों को भी हब से जोड़ा जाए, जिससे हब में डॉक्टरों की संख्या बढ़े और कंसल्टेशन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी कार्यक्रम डिजिटल इंडिया और सुलभ स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक मजबूत कदम है, जिसे और अधिक प्रभावी बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत कानगोई चेकपोस्ट पर चला रिफ्लेक्टिव टेप अभियान

संवाददाता

पाकुड़। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी जामताड़ा रवि आनंद के निर्देश पर सोमवार को मिहिजाम थाना क्षेत्र के कानगोई चेकपोस्ट के समीप रिफ्लेक्टिव टेप अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार ने किया अभियान के दौरान छोटे एवं बड़े सभी व्यावसायिक वाहनों की जांच की गई और जिन वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप नहीं लगा था, उनमें रिफ्लेक्टिव टेप लगाया गया। साथ ही वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप का नहीं होना भी है। उन्होंने चालकों को वाहन परिचालन के दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, सतर्कता बरतने और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिले को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए वाहन चालकों को यातायात नियमों की पूरी जानकारी होना और उसका पालन करना अत्यंत आवश्यक है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान इस तरह के जागरूकता और जांच अभियान आगे भी चलाए जाएंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। अभियान के दौरान जिला सड़क सुरक्षा टीम के कर्मी एवं पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

» "सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन" के संदेश के साथ सड़क सुरक्षा को मिला नया आयाम

संवाददाता

पाकुड़ ।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत पाकुड़ जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वीआईपी रोड में निःशुल्क नेत्र एवं व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ- साथ यह सुनिश्चित करना था कि सड़क पर चलने वाले वाहन शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सही दृष्टि वाले चालकों द्वारा संचालित हों इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद अमरेंद्र कुमार चौधरी, अंचलाधिकारी पाकुड़ अरविंद कुमार बेदिया, मोटरयान निरीक्षक अमित कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने स्वयं भी स्वास्थ्य जांच कराकर आम नागरिकों एवं चालकों को प्रोत्साहित किया।* शिविर के दौरान स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम द्वारा वाहन चालकों एवं उपस्थित नागरिकों का नेत्र परीक्षण, रक्तचाप, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, पल्स एवं कलर विज़न टेस्ट सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान लोगों को यह भी बताया गया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से गंभीर बीमारियों एवं सड़क दुर्घटनाओं से बचाव संभव है उपायुक्त मनीष कुमार* ने कहा कि "सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि शारीरिक फिटनेस और सजगता से भी जुड़ी है। एक छोटी-सी लापरवाही न केवल चालक बल्कि कई परिवारों के जीवन को प्रभावित कर सकती है।" उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और सही दृष्टि सुरक्षित वाहन संचालन की पहली शर्त है जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के.के सिंह* ने चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि आंखों की कमजोरी एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की अनदेखी अक्सर गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनती है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से नियमित जांच कराने की अपील की। बताया गया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के दौरान यह स्वास्थ्य जांच अभियान जिला सदर अस्पताल में भी नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। जांच के दौरान यदि किसी चालक की दृष्टि में कमी पाई जाती है, तो जिला प्रशासन की ओर से निःशुल्क चश्मा एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी

पाकुड़ में पढ़ने की संस्कृति को पुनर्जीवित करने की पहल

संवाददाता

» वीआईपी रोड पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन, हर रविवार लगेगा बुक स्टॉल
» रीडिंग क्लब गठन की घोषणा, साहित्य प्रेमियों को मिलेगा साझा मंच

पाकुड़ । पाकुड़ जिले में युवाओं एवं आम नागरिकों को पुस्तकों की दुनिया से पुनः जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के द्वारा वीआईपी रोड, सिदो-कान्हू पार्क के समीप पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस पहल के माध्यम से जिले में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने एवं साहित्यिक वातावरण विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है उपायुक्त मनीष कुमार ने पुस्तक प्रदर्शनी का जायजा लिया और आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में पुस्तकों से दूर होती जा रही पीढ़ी को पुनः पढ़ाई और ज्ञान की ओर लौटाना समय की आवश्यकता है। पुस्तकें न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, चिंतनशील सोच और जीवन मूल्यों को भी सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने जानकारी दी कि हर रविवार वीआईपी रोड पर नियमित रूप से बुक स्टॉल लगाए जाएंगे, ताकि लोगों को सहज रूप से पुस्तकों तक पहुँच मिल सके। इसके साथ ही पाकुड़ के पुस्तक एवं साहित्य प्रेमियों के लिए रीडिंग क्लब का गठन किया जाएगा, जहाँ लोग अपनी पसंदीदा पुस्तकों, लेखकों एवं साहित्यिक कृतियों पर चर्चा कर सकेंगे। उपायुक्त ने कहा कि यह पहल युवाओं में रीडिंग हैबिट विकसित करने, सकारात्मक संवाद की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा मानसिक एवं बौद्धिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी पणन सचिव, कृषि उत्पादन बाजार समिति, पाकुड़ संजय कच्छप ने कहा कि उपायुक्त के मार्गदर्शन में पाकुड़ में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी स्टॉल लोगों,विशेषकर युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पाठकों की निरंतर बढ़ती रुचि को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि अब यह बुक्स स्टॉल प्रत्येक रविवार को निःशुल्क पठन हेतु नियमित रूप से लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पाकुड़ में पुस्तक प्रेमियों के लिए एक रीडिंग क्लब शुरू करने की भी योजना बनाई जा रही है, जिससे युवाओं एवं आम नागरिकों के बीच पढ़ने- लिखने की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके और सकारात्मक बौद्धिक वातावरण का निर्माण हो। आगे की योजना के तहत मोबाइल लाइब्रेरी के माध्यम से जिले के सभी प्रखंडों में पुस्तक प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पुस्तकों की सहज पहुँच सुनिश्चित की जा सके। यह पहल पूरे जिले में पठन–संस्कृति को सुदृढ़ करने तथा ज्ञान आधारित समाज की मजबूत नींव तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
दुमका, मंगलवार 6 जनवरी 2026

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
ई-पेपर
www.sonvarshavani.com sonvarshavani.com/epaper

पुस्तकालय किसी भी शिक्षण संस्थान की आत्मा होती है, यहाँ से ज्ञान और अनुशासन का विकास होता है: रविंद्र नाथ महतो

संवाददाता

जामताड़ा/फतेहपुर। फतेहपुर स्थित डिग्री कॉलेज के शैक्षणिक सफर में सोमवार को एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। कॉलेज में नवनिर्मित आधुनिक पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, सिद्धो कानू मुर्मु विश्वविद्यालय (दुमका) के कुलपति डॉ. कुनूल कादिर और विश्वविद्यालय प्रशासन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस आधुनिक लाइब्रेरी के शुरू होने से कॉलेज के छात्र-छात्राओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्थानीय युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "पुस्तकें विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत आधारशिला होती हैं। पुस्तकालय किसी भी शिक्षण संस्थान की आत्मा है, जहाँ से ज्ञान, अनुशासन और सकारात्मक सोच का संचार होता है।" उन्होंने युवाओं से अपील की कि आज के डिजिटल और प्रतिस्पर्धात्मक दौर में वे पुस्तकों से जुड़ें, क्योंकि सही मार्गदर्शन ही उन्हें सफलता के शिखर तक ले जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण और शैक्षणिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में भी शहरों जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। फतेहपुर डिग्री कॉलेज में यह पुस्तकालय छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस नव-स्थापित पुस्तकालय को आधुनिक जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है। यहाँ विभिन्न विषयों की पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथः

्रतियोगी परीक्षाओं (UPSC, JPSC, Banking, SSC आदि) के लिए संदर्भ ग्रंथ।

देश-दुनिया की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाएं।

शांत और सुव्यवस्थित अध्ययन कक्ष (Reading Hall)।

अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण।

इस गरिमामय अवसर पर फतेहपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) प्रेम कुमार दास, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव परेश यादव, प्रखंड अध्यक्ष अशोक महतो, कॉलेज के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम बताया है।

जामताड़ाः सड़क सुरक्षा माह के तहत 'रिफ्लेक्टिव टेप' अभियान, दुर्घटना मुक्त जिले के लिए प्रशासन ने कसी कमर

संवाददाता

जामताड़ा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जामताड़ा जिले में 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026' का प्रभावी आगाज़ हो चुका है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद (भा०प्र०से०) के निर्देश पर सोमवार को जिला परिवहन पदाधिकारी (DTO) मुकेश कुमार के नेतृत्व में मिहिजाम थाना क्षेत्र के कानगोई चेकपोस्ट पर एक विशेष 'रिफ्लेक्टिव टेप कैंपेन' चलाया गया। अभियान के दौरान कानगोई चेकपोस्ट से गुजरने वाले सभी छोटे और बड़े व्यावसायिक (Commercial) वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जिन वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप नहीं लगे थे या खराब हो चुके थे, उनमें मौके पर ही नए रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। इस टेप का मुख्य उद्देश्य रात के अंधेरे या कोहरे के दौरान दूर से ही वाहन की दृश्यता सुनिश्चित करना है, ताकि पीछे से आने वाले वाहन सुरक्षित दूरी बनाए रख सकें। मौके पर मौजूद जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार ने चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि अक्सर देखा गया है कि रिफ्लेक्टिव टेप न होने के कारण रात में सड़क किनारे खड़े या धीमी गति से चल रहे वाहनों से टकराकर बड़ी दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने चालकों को हिदायत दी कि वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान रखें और सड़क सुरक्षा नियमों का अक्षरशः पालन करें। उन्होंने जोर देकर कहा, "हमारा लक्ष्य जामताड़ा जिले को दुर्घटना मुक्त बनाना है, और इसमें वाहन चालकों का सहयोग अनिवार्य है।" डीटीओ ने आगे बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यह अभियान पूरे जिले में निरंतर जारी रहेगा। आने वाले दिनों में विभिन्न माध्यमों से लोगों को यातायात नियमों, हेलमेट के उपयोग, सीट बेल्ट और ओवरस्पीडिंग के खतरों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने में जिला सड़क सुरक्षा टीम के सड़क अभियांत्रिकी विश्लेषक (Road Engineering Analyst) तौसीफ जलील, सहायक माज आलम, सतीश कुमार सिंह और स्थानीय पुलिस बल के जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

» उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर डीटीओ ने कानगोई चेकपोस्ट पर चलाया सघन जांच अभियान; व्यावसायिक वाहनों पर लगाए गए टेप

कार्यकर्ताओं को चुनावी समर के लिए किया गया सक्रिय; संगठन विस्तार और जनसंपर्क पर रहा मुख्य जोर

संवाददाता

जामताड़ा। आगामी नगर पंचायत चुनाव को देखते हुए जामताड़ा जिले के पोसोई में आम आदमी पार्टी (आप) की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं में नया जोश भरना और आगामी स्थानीय चुनावों के लिए ठोस रणनीति तैयार करना था। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के मुख्य प्रदेश कम्युनिकेशन भास्कर सुमन ने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव आम आदमी पार्टी के लिए झारखंड में एक नई पहचान बनाने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ चुनावी मैदान में उतरें। सुमन ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि हम जमीनी स्तर पर संगठन को इतना मजबूत करें कि पार्टी न केवल चुनाव लड़े, बल्कि अधिक से अधिक सीटों पर जीत दर्ज कर जनता की सेवा करे।" बैठक के दौरान झारखंड पर्यवेक्षक विधान चंद्र राय और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट किया कि पार्टी राज्य में एक सशक्त राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। बैठक में मुख्य रूप से वार्ड स्तर पर संगठन के विस्तार, घर-घर जाकर जनसंपर्क करने और जनता की समस्याओं को उठाने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस रणनीतिक बैठक में जामताड़ा जिला संयोजक सह जिला प्रभारी शत्रुघ्न पंडित, जिला प्रवक्ता जय राम राय, आनंद मंडल, पूर्व सचिव मनीष कर, मनीष चौधरी और जिला अल्पसंख्यक अध्यक्ष बबलू मिर्जा ने भी अपने विचार साझा किए। इनके अलावा बैठक में शरीफ अंसारी, सद्दाम अंसारी, शमीम अंसारी, जहीर अंसारी, रियाज खान, भादुर पंडित समेत पार्टी के भारी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के समापन पर सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एक स्वर में आगामी नगर पंचायत चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे वार्ड स्तर पर जाकर दिल्ली और पंजाब के 'विकास मॉडल' से लोगों को अवगत कराएंगे और जामताड़ा में बदलाव की नींव रखेंगे।

जामताड़ाः नगर निकाय चुनाव में विलंब के खिलाफ भाजपा का महाधरना; EVM और दलीय आधार पर चुनाव कराने की उठी मांग

संवाददाता

जामताड़ा। राज्य सरकार द्वारा नगर निकाय चुनाव कराने में की जा रही देरी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को जामताड़ा के गांधी चौक पर एकदिवसीय महाधरना का आयोजन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण के नेतृत्व में आयोजित इस महाधरना में पार्टी के दिग्गज नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर हुंकार भरी और अविलंब चुनाव कराने की मांग की।

» पूर्व मंत्री रणधीर सिंह बोले- "हार के डर से चुनाव टाल रही हेमंत सरकार, जनप्रतिनिधि न होने से बेलगाम हुई अफसरशाही"

महाधरना को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि झारखंड की वर्तमान गठबंधन सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है और नगर निकायों में जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अधिकारियों को खुली छूट दे दी गई है। सिंह ने कहा, "नगर निकाय क्षेत्रों में भाजपा का जनाधार मजबूत है, इसीलिए हेमंत सरकार हार के डर से जानबूझकर चुनाव टाल रही है। जनप्रतिनिधियों के अभाव में विकास कार्य ठप हैं और जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।" भाजपा ने इस महाधरना के माध्यम से स्पष्ट किया कि पार्टी 5 से 7 जनवरी तक पूरे राज्य के नगर निकायों में आंदोलन कर रही है। उनकी प्रमुख मांगें इस प्रकार हैंः

नगर निकाय चुनाव की तिथि की अविलंब घोषणा की जाए।

मतदान पूरी तरह से EVM (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के माध्यम से हो।

चुनाव दलीय आधार (पार्टी सिंबल पर) कराए जाएं।

वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र मंडल और पूर्व मंत्री सत्यानंद झा ने भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। वीरेंद्र मंडल ने कहा कि सरकार दलीय आधार पर चुनाव कराने से इसलिए डर रही है क्योंकि उसे अपनी हार सुनिश्चित दिख रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार बैलेट पेपर से या बिना दलीय आधार के चुनाव कराने की कोशिश करेगी, तो भाजपा अदालत का दरवाजा खटाखटाएगी। सत्यानंद झा ने कहा कि विकास को सही दिशा देने के लिए दलीय आधार पर चुनाव होना अनिवार्य है, ताकि धनबल की जगह विचारधारा की जीत हो। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रीना कुमारी ने कहा कि नगर निकायों में निर्वाचित बोर्ड न होने से शहर की सफाई, लाइट और अन्य बुनियादी योजनाएं ठप हो गई हैं। अधिकारी जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। इस महाधरना में मंच संचालन कार्यक्रम प्रभारी कमलेश मंडल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत ने किया। मौके पर मुख्य रूप सेः भाजयुमो प्रदेश महामंत्री मनीष दुबे, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता झा, जिला मंत्री सुजाता सिंह भैया, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश राय, जिला महामंत्री मितेश शाह, कार्यक्रम प्रभारी मोहन शर्मा, भाजपा नेता तरुण गुप्ता, सुनील हांसदा, विनोद मंडल, महेंद्र मंडल, विष्णु मंडल, जिला उपाध्यक्ष अभय सिंह, सुकुमार सरखेल, कार्यालय मंत्री प्रवीण मिश्रा, गीता देवी, राजेंद्र मंडल, जीत दुबे सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जामताड़ाः लादना डैम के तट पर मुखिया संघ और प्रखंड कर्मियों का मिलन समारोह, नए साल के संकल्प के साथ मनाया पिकनिक

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आपसी समन्वय और भाईचारे पर रहा जोर; विकास कार्यों को नई गति देने का लिया संकल्प

संवाददाता

जामताड़ा। नए साल के आगमन की खुशी में जामताड़ा मुखिया संघ और प्रखंड कार्यालय के कर्मियों ने सोमवार को एक विशेष मिलन समारोह का आयोजन किया। जिले के प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट लादना डैम के मनोरम वातावरण में आयोजित इस सामूहिक पिकनिक में मुखिया संघ के सदस्यों, प्रखंड कर्मियों और उनके परिवारों ने एक साथ मिलकर उल्लासपूर्वक नए वर्ष का स्वागत किया। पिकनिक के दौरान सभी ने प्रशासनिक और राजनीतिक व्यस्तताओं को किनारे रखकर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच मनोरंजन, आपसी संवाद और सौहार्दपूर्ण वातावरण का आनंद लिया। इस मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य जनप्रतिनिधियों और सरकारी कर्मियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना रहा। इस अवसर पर मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष देवीसन हांसदा ने संबोधित करते हुए कहा, "पूरे वर्ष मुखिया और प्रखंड कर्मी विकास कार्यों और जटिल प्रशासनिक जिम्मेदारियों में डूबे रहते हैं। ऐसे में नया साल हम सभी को एक साथ मिलने, आपसी संबंध मजबूत करने और मानसिक तनाव से दूर होकर आनंद लेने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के आयोजनों से आपसी समन्वय बढ़ता है, जिसका सीधा लाभ आने वाले समय में जिले के विकास कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन में मिलता है। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि नए साल 2026 में वे अधिक ऊर्जा के साथ क्षेत्र के विकास, आपसी सहयोग और जनहित से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करेंगे। पिकनिक में शामिल कर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने इसे एक यादगार अनुभव बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल मनोबल बढ़ता है, बल्कि सामूहिक रूप से काम करने की 'टीम भावना' भी मजबूत होती है। लादना डैम के शांत और खूबसूरत तट पर आयोजित यह कार्यक्रम बेहद शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के माहौल में संपन्न हुआ। इसमें प्रखंड के दर्जनों मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक और अन्य प्रखंड स्तरीय कर्मी सपरिवार उपस्थित रहे।

नाला डिग्री कॉलेज में 'सोहराय मिलन' की धूमः विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो हुए शामिल, दीं शुभकामनाएं

'हाथी लेकान सोहराय' पर्व प्रकृति और पशुधन के प्रति आभार का प्रतीकः स्पीकर रवींद्रनाथ महतो

संवाददाता

जामताड़ा। नाला डिग्री कॉलेज के मैदान में सोमवार को छात्र-छात्राओं द्वारा पारंपरिक 'सोहराय मिलन समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड विधानसभा अध्यक्ष सह स्थानीय विधायक रवींद्रनाथ महतो उपस्थित हुए। समारोह में आदिवासी संस्कृति की अनूठी झलक देखने को मिली, जहाँ छात्रों ने पारंपरिक परिधानों में पर्व की खुशियां साझा कीं। समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने छात्रों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने सोहराय पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "संथाल समाज में सोहराय को 'हाथी लेखन सोहराय' (हाथी जैसा बड़ा पर्व) कहा जाता है। यह पर्व हमारे पशुधन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। हमारे पूर्वजों ने कृषि कार्य में सहायक पशुओं को सम्मान देने और उनकी सेवा के लिए इस महान परंपरा की शुरुआत की थी।" उन्होंने युवाओं से अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिले के उप विकास आयुक्त (DDC) श्री निरंजन कुमार और कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुणमय दास उपस्थित रहे। देश मांझी वैसी के मुख्य सलाहकार सुनील हेंब्रम और जगदीश हेंब्रम ने भी सोहराय की सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार रखे। मिलन समारोह को सफल बनाने में छात्र नेताओं और विद्यार्थियों की मुख्य भूमिका रही। इस दौरान छात्र नेता अभिषेक हेंब्रम, दिनेश मुर्मू, विकास हेंब्रम, अरविंद हेंब्रम, साबरिया सोरेन, मुनिता किसको और विनीता सोरेन सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। मैदान में चारों ओर सोहराय के पारंपरिक गीतों और उल्लास का माहौल बना रहा। समारोह के समापन पर प्राचार्य डॉ. गुणमय दास ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटा हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

- कैनवास
- कांच के टूटे हुए टुकड़ें
- फैब्रिक पेंट
- ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा।
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

- कांच के टुकड़े
- ग्लू
- टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की मदद से कांच के टुकड़ों को चिपका लें।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से मंहगे और सजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

- गमला
- कांच के टुकड़े
- फ्रैबिक कलर्स
- ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रकिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलब्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते हैं। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया हैं। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है। इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अव्वल आने की इस होड़ में पेरेंट्स द्वारा बनाया गया दबाव उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चों को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंट्स बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोविज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एंग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह सब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डांट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलेगा नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दही, सूप, सलाद आदि बैस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दवाब न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हंसी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय सीमित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जबाव देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जबाव नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती हैं यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी के साथ मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक सटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप प्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग की मौत, इलाज के बाद घर लौटते समय रास्ते में तोड़ा दम

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर जिले के सहार थाना क्षेत्र के लोदीपुर हाता निवासी 60 वर्षीय श्रद्धा पासवान की मौत हो गई। वे एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के बाद जब परिजन उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर घर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों के अनुसार, यह हादसा 1 जनवरी को हुआ था। उस समय श्रद्धा पासवान खड़ाव चतर्भुज स्थित ब्राह्मण बाबा के पास पैदल जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि श्रद्धा पासवान सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत सहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई और उन्हें अरवल रेफर कर दिया। अरवल में भी हालत में कोई सुधार नहीं होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए आगे रेफर किया गया। इसके बाद परिजन उन्हें पटना स्थित पीएमसीएच लेकर पहुंचे, जहां कुछ दिनों तक उनका इलाज चला। इलाज के बाद जब उन्हें डिस्चार्ज कर घर ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में श्रद्धा पासवान की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने उनका पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में कराया। इधर, घटना की सूचना मिलने पर सहार थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने दोषी मोटरसाइकिल सवार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गंडक नदी किनारे दिखा 16 फीट का विशाल अजगर, वन विभाग ने समय रहते किया रेस्क्यू

वैशाली, एजेंसी। वैशाली जिले में गंडक नदी के रमदौली घाट पर एक विशाल अजगर देखे जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। अजगर दिखने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू कर लिया गया। अजगर के दिखाई देने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उसे देखने के लिए मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने पहली बार गंडक नदी में इतना बड़ा अजगर देखा है। सूचना मिलते ही वन विभाग ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार, अजगर की लंबाई करीब 15 से 16 फीट थी और उसका वजन भी काफी अधिक था। सुरक्षा के मद्देनज़र टीम ने मौके पर घेराबंदी की और लोगों को अजगर के पास जाने से रोकते हुए दूरी बनाए रखने की अपील की। वन विभाग की टीम ने विशेष उपकरणों की मदद से बेहद सावधानी के साथ अजगर को काबू में किया, ताकि उसे किसी तरह की चोट न पहुंचे। सफल रेस्क्यू के बाद अजगर को वन विभाग की गाड़ी से सुरक्षित वन क्षेत्र में ले जाकर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अजगर पूरी तरह स्वस्थ है और उसे कोई चोट नहीं आई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अजगर विषैला नहीं होता, लेकिन अपने बड़े आकार के कारण यह इंसानों के लिए खतरनाक हो सकता है। अजगर देखे जाने के बाद गंडक और गंगा घाट के आसपास बसे लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि कहीं गंगा नदी में ऐसे और अजगर तो नहीं हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले गंगा नदी में मगरमच्छ तो देखे हैं, लेकिन आज तक अजगर नहीं देखा था, जिस वजह से यह घटना इलाके में चर्चा का बड़ा विषय बनी हुई है।

बागमती एक्सप्रेस में फर्जी टीटीई गिरफ्तार, यात्रियों से कर रहा था अवैध वसूली

दरभंगा, एजेंसी। समस्तीपुर–बरौनी रेल खंड में बागमती एक्सप्रेस में टिकट जांच के नाम पर यात्रियों से अवैध वसूली करने वाले एक फर्जी टीटीई को यात्रियों की मदद से पकड़ लिया गया। यह घटना ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों के लिए एक चेतावनी के रूप में सामने आई है। पकड़े गए फर्जी टीटीई की पहचान बेगूसराय जिले के तेघड़ा थाना क्षेत्र निवासी हर्षवर्धन भारद्वाज उर्फ चुलबुल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार आरोपी बागमती एक्सप्रेस में यात्रा कर रहा था और इसी दौरान उसने 8 से 10 यात्रियों से टिकट जांच के बहाने रुपये वसूल लिए। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब समस्तीपुर रेल मंडल की ओर से पीछे से आ रही अधिकृत टिकट निरीक्षण टीम ट्रेन में पहुंची। टीम ने यात्रियों से टिकट दिखाने को कहा, तो यात्रियों ने बताया कि थोड़ी देर पहले एक टीटीई ने टिकट जांच की थी और उनसे पैसे लिए गए हैं। इस पर टीम में शामिल टीटीई टून टून राय को शक हुआ और उन्होंने बताए गए व्यक्ति की तलाश शुरू की। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ की गई, लेकिन वह अपनी पहचान और अधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं कर सका। कड़ाई से पूछताछ करने पर स्पष्ट हुआ कि वह रेलवे का कर्मचारी नहीं है और फर्जी तरीके से टीटीई बनकर यात्रियों से वसूली कर रहा था। इसके बाद आरोपी को मौके पर ही पकड़कर आरपीएफ समस्तीपुर के हवाले कर दिया गया। आरपीएफ समस्तीपुर ने टीटीई टून टून राय के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया और आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रेल पुलिस समस्तीपुर को सौंप दिया। रेल थाना अध्यक्ष बीरबल कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है।

10 दिनों में सरकारी जमीन को चिह्नित कर खाली कराने का आदेश

भागलपुर, एजेंसी। शहरी क्षेत्र में बेशकीमती सरकारी जमीन पर अतिक्रमणकारियों ने वर्षों से कब्जा जमा रखा है। इनमें रेलवे, नगर निगम, एनएच, पथ निर्माण विभाग और बिहार सरकार की जमीन शामिल है। हैरानी की बात यह कि लंबे समय से अतिक्रमण के बावजूद संबंधित विभाग ने अब तक इन जमीनों को खाली कराने की ठोस कार्ययोजना तक नहीं बनाई है।

यदि इन भूखंडों को चिह्नित कर अतिक्रमणमुक्त करा लिया जाए तो उसका व्यावसायिक उपयोग कर बड़े पैमाने पर राजस्व अर्जित किया जा सकता है, लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण न सिर्फ सरकारी संपत्ति का नुकसान हो रहा है, बल्कि अवैध बसावट लगातार बढ़ता जा रहा है।

वैसे अब लोगों को उम्मीद जगी है कि उपमुख्यमंत्री के संवाद कार्यक्रम के बाद जिला प्रशासन और संबंधित विभाग नींद से जागे और अतिक्रमण हटाने के लिए ठोस कदम उठाए।

भीखनपुर से बरारी तक रेलवे की जमीन पर बड़े पैमाने पर लोगों ने कब्जा कर रखा है। नगर निगम क्षेत्र में भी हालात कुछ अलग नहीं हैं। निगम की आधा दर्जन से अधिक जमीनों पर कॉलोनियां बस चुकी हैं। कई किलोमीटर लंबे हथिया नाला पर घर, शौचालय और पार्किंग एरिया तक बना लिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की जमीन पर भी अतिक्रमण का दायरा तेजी से बढ़ा है।

पथ निर्माण विभाग की ललमटिया चौक पर सड़क के 20 फीट हिस्से पर झोपड़ी बनीं है। बरारी में एनएच की जमीन पर अवैध कॉलोनी बसी है। बरारी और कंपनीबाग समेत कई इलाकों के तालाबों का निजी उपयोग किया जा रहा है। स्थिति यह है कि नगर निगम को खुद अपनी जमीनों की पूरी जानकारी नहीं है। जिसके कारण निगम अपनी ही जमीन पर अधिकार जताने में असमर्थ नजर आ रहा है।

नाथनगर के पीपरपांती में बेशकीमती जमीन पर धीरे-धीरे कब्जा बढ़ रहा है। यहां अब तक घेराबंदी नहीं की गई। कौआकोली में निगम की जमीन पर पूरी बस्ती बस चुकी है। कंपनीबाग में निगम के तालाब पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है। मंसूरगंज में निगम की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है।

नाथनगर के नसरतखानी मोहल्ले में नगर निगम की लगभग 2950 हेक्टेयर जमीन पर अवैध रूप से इंदिरा कॉलोनी बसा ली गई है। यहां 40 से अधिक लोगों ने अवैध रूप से मकान बना लिए हैं। दाउदवाट के पास निगम का 10 बीघा प्लॉट में पांच बीघा पर भूमिहीनों को बसाया गया था, जबकि शेष जमीन पर अतिक्रमण है।

अंचलों में सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण पर बुलडोजर नहीं चल रहा है। सन्हौला बाजार में एसएच-84 के दोनों ओर, सन्हौला हाट जाने वाले रास्ते, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आगे, मवेशी अस्पताल के आगे, बारी आदर्श इंटरस्तरीय विद्यालय सन्हौला के आगे खिरीडांर-जयखुट चौक व नहर पर अतिक्रमणकारियों ने कच्ची के साथ पक्की काम भी कर लिया है।

बिहपुर में सरकारी हाट के पास, बिहपुर मध्य पंचायत में सरकारी पोखर को स्थानीय लोगों द्वारा पूरी तरह से अतिक्रमण कर लिया गया है। घर व दुकान तक बनाया जा रहा है। इस संबंध में स्थानीय विधायक इ. शैलेंद्र ने पिछले सितंबर में प्रमंडलीय आयुक्त को पत्र भी लिखा था। कार्रवाई आजतक शून्य है।

शाहकुंड में जगरिया केशोपुर सरकारी सड़क किनारे सरकारी जमीन को अतिक्रमण कर दर्जनों लोगों ने झोपड़ी बना ली है। इसके अलावा भी शाहकुंड में दर्जनों जगह सरकारी भूमि पर लोगों द्वारा अतिक्रमण कर कब्जा जमाए हुए हैं। रंगरा प्रखंड अंतर्गत रंगरा चौंक, सरकारी अस्पताल, पंचायत भवन रंगरा, मध्य विद्यालय रंगरा, कोशकीपुर सहोड़ा के सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा है।

रंगरा चौक से गांव जाने के रास्ते में रोड के दोनों तरफ सरकारी जमीन का अतिक्रमण कर लिया गया है। अजगैवीनाथ धाम के मंदिर घाट, नमामि गंगे घाट, रेलवे स्टेशन के समीप एवं कासिमपुर में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लोग सैकड़ों कच्ची व पक्की घर बनाकर वर्षों से रह रहे हैं।

नवगछिया में भी गोपाल गोशाला की जमीन पर वर्षों से, पुनामा पंचायत व गोपालपुर प्रखंड के बुद्धूचक सहित कई प्रखंड के लोग गंगा व कोसी नदी कटाव से विस्थापित लोग एनएच-31 के किनारे रह रहे हैं। पीरपैंती से बटेश्वर स्थान तक स्थित रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण, किसनदासपुर में रानीदियारा के कटाव पीड़ितों को पांच साल पहले ही तबके जिलाधिकारी ने अस्थाई पुनर्वास के लिए जगह दी थी। अभी तक पुनर्वास नहीं कराया गया है। कटाव पीड़ित झोपड़ी, घर बनाकर रह रहे हैं।

इसके अलावा उक्त जमीन पर किसान भी कब्जा जमाए हुए हैं। सरकारी तालाब के मेढ़ पर जगह-जगह अतिक्रमण कर घर बनाकर रह रहे हैं। पीरपैंती प्रखंड के बाखरपुर, परसबन्ना, एकचारी सहित एक दर्जन से अधिक पंचायत में बिहार सरकार की जमीन अतिक्रमित हैं। नारायणपुर रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ भारत सरकार की जमीन पर लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है।

मुजफ्फरपुर में भीषण ठंड का कहर, पारा लुढ़का और स्कूल बंद, लोगों से अलर्ट रहने की अपील

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में भीषण ठंड और शीतलहर का दौर जारी है। लगातार पारे में गिरावट और पछुआ व बर्फीली हवाओं के चलते आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जिले में अब पारा 8.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जबकि अधिकतम तापमान घटकर 14 डिग्री सेल्सियस रह गया है। तापमान में यह बढ़ता-घटता अंतर ठंड के प्रभाव को और बढ़ा रहा है।

ठंड और बच्चों के स्वास्थ्य पर संभावित असर को देखते हुए जिला प्रशासन ने आठवीं तक के सभी स्कूलों को 7 जनवरी तक बंद करने का निर्णय लिया है। साथ ही प्रशासन ने मॉनिटरिंग के लिए कई अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। मौसम विज्ञान विभाग और पूसा मौसम विज्ञान केंद्र ने ठंड से राहत मिलने की संभावना कम होने और तापमान में और गिरावट के चलते लोगों को सतर्क रहने का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों में पूरे बिहार में पारा और गिर सकता है।

जिले में 5 से 8 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही पछुआ हवाओं ने ठंड को और बढ़ा दिया है। आम लोग अब अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा लेकर ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने शहर और आसपास के गांवों में अलाव की व्यवस्था तुरंत सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, सभी सरकारी अस्पताल, पीएचसी, सीएचसी और एपीएचसी केंद्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए सिविल सर्जन को विशेष निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे सरकार के निर्देशों का पालन करें और अत्यधिक ठंड से बचाव के लिए सावधानी बरतें। ठंड का असर जारी है, लोगों से सतर्क रहने की अपील।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की हुई मौत, पुलिस जांच में जुटी

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शनिवार शाम हुए दो सड़क हादसों में एक युवक और एक वृद्ध की मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद इलाके में शोक का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पहली घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नौवागढ़ी भगतचौकी के पास बरियारपुर-मुंगेर एनएच-80 पर शनिवार शाम करीब 6.30 बजे हुई। यहां दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक सवार युवक हरिओम कुमार (22) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान शामपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मण टोला सठबिग्घी निवासी दशरथ मंडल के पुत्र हरिओम कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हरिओम बाइक से मुंगेर की ओर जा रहा था, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिर पड़ा और उसके जबड़े में गंभीर चोट आई।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। लोगों और पुलिस की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल, मुंगेर भेजा गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर करने की तैयारी शुरू की, लेकिन इसी दौरान युवक की मौत हो गई। इस संबंध में मुफस्सिल थानाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी और घायल को तुरंत अस्पताल भेजा गया। मामले की जांच की जा रही है।

दूसरी घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के नया छावनी के पास शनिवार देर शाम की है। यहां सड़क किनारे खड़े एक वृद्ध को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। हादसे में वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। स्वजन उन्हें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नया छावनी निवासी 65 वर्षीय रामवृध शर्मा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रामवृध शर्मा सड़क किनारे टहल रहे थे, तभी भागलपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बरियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मुंगेर भेज दिया है।

सनातन आस्था का महासंगम, मोतिहारी में स्थापित होगा विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी में आस्था, श्रद्धा और सनातन संस्कृति से जुड़ा एक ऐतिहासिक पल आने वाला है। विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग अब तमिलनाडु के महाबलीपुरम से 45 दिनों की लंबी यात्रा पूरी कर जल्द ही मोतिहारी पहुंचने वाला है। इस विशाल शिवलिंग की स्थापना 17 जनवरी को कल्याणपुर प्रखंड के कैथवलिया गांव में बन रहे विराट रामायण मंदिर में की जाएगी। इसे लेकर इलाके के लोगों में काफी उत्साह और श्रद्धा का माहौल है।

यह पूरी घटना मोतिहारी जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित कैथवलिया गांव से जुड़ी है, जहां विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसी मंदिर में स्थापित किए जाने वाला यह ऐतिहासिक शिवलिंग 21 नवंबर को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से रवाना हुआ था, जो अब कुछ ही दिनों में मोतिहारी पहुंचने वाला है।

मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष ललन सिंह ने बताया कि विराट रामायण मंदिर आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति द्वारा कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर के प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी स्थल, शिवलिंग स्थल और गर्भगृह की पाइलिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

यह विराट मंदिर आकार में करीब 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। मंदिर परिसर में कुल 18 शिखर और 22 छोटे-बड़े मंदिर बनाए जाएंगे। मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट होगी। इस भव्य मंदिर का शिलान्यास 20 जून 2023 को किया गया था, जिसके बाद से निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर लगातार जारी है।

बताया गया है कि फिलहाल शिवलिंग की स्थापना की जाएगी, जबकि इसकी प्राण-प्रतिष्ठा बाद में विधि-विधान से की जाएगी। यह शिवलिंग 33 फीट लंबा और करीब 210 मीट्रिक टन वजनी है। इसे एक ही ब्लैक ग्रेनाइट मोनोलिथ पत्थर से तैयार किया गया है। तमिलनाडु के पट्टीकाडु गांव में इस शिवलिंग को तैयार करने में कारीगरों को पूरे 10 साल लगे। खास बात यह है कि इस विशाल शिवलिंग पर 1008 सहस्त्रलिंगम भी उकेरे गए हैं।

इस भारी-भरकम शिवलिंग को 96 चक्का वाले विशेष ट्रक के जरिए सड़क मार्ग से लाया जा रहा है, जो रास्ते भर लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। फिलहाल यह शिवलिंग बिहार के गोपालगंज तक पहुंच चुका है, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा विशेष पूजा-पाठ किया जा रहा है और भव्य स्वागत किया जा रहा है।

अररिया में पशुपालन पदाधिकारी फेसबुक पर आए लाइव

अररिया, एजेंसी। अररिया जिला प्रशासन के आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक लाइव सत्र का आयोजन किया गया। इसमें जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. राजीव कुमार सिंह ने पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और पशु चिकित्सा सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को विभागीय कार्यक्रमों से अवगत कराना और उन्हें इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना था। डॉ. सिंह ने बताया कि विभाग का एक प्रमुख कार्यक्रम पशुओं का टीकाकरण है, जो वर्ष में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें हेमोरेजिक सेप्टीसीमिया (एचएस) और ब्लैक क्वार्टर (बीक्यू) रोग के खिलाफ टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण है। यह टीकाकरण गलाघोंटू और लंगड़ी रोग के विरुद्ध प्रभावी है, जो पशुओं की मृत्यु का कारण बन सकते हैं। टीकाकरण के बाद पशु इन रोगों से पूरी तरह सुरक्षित हो जाते हैं।दूसरा प्रमुख टीकाकरण फुट एंड माउथ डिजीज (एफएमडी) यानी खुरहा-मुंहपका रोग के खिलाफ है। यह कार्यक्रम भी वर्ष में दो बार चलाया जाता है। इस रोग से ग्रसित पशुओं का दूध उत्पादन तेजी से गिर जाता है और यह पशुओं के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। डॉ. सिंह ने जोर दिया कि समय पर टीकाकरण से पशुपालकों की आर्थिक हानि रोकी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ब्रुसेलोसिस, पीपीआर (पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स) और अन्य रोगों के खिलाफ चलाए जा रहे टीकाकरण अभियानों की भी जानकारी दी।

सरकारी स्कूल : 3000 मास्टर ट्रेनर छात्राएं सिखाएंगी कराटे

पटना, एजेंसी। एजुकेशन रिपोर्टर7 पटना पटना जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को अब मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दूसरी छात्राएं ही देंगी। ये वे छात्राएं होंगी, जिन्हें पहले ही मास्टर ट्रेनर का खिताब दिया जा चुका है। मास्टर ट्रेनर बनी छात्राएं अपने-अपने स्कूलों और प्रखंड के अन्य स्कूलों में सप्ताह में एक दिन कराटे और आत्मरक्षा की ट्रेनिंग देंगी। अब तक जिले के 33 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की 3214 छात्राओं को मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

इनमें से 321 छात्राएं मास्टर ट्रेनर बनी हैं। ये छात्राएं अब कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के अलावा अन्य सरकारी स्कूलों में भी छात्राओं को ट्रेनिंग देंगी। जिन स्कूलों में मास्टर ट्रेनर छात्राएं हैं, वहां के प्रधानाध्यापक अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह में एक दिन ट्रेनिंग का समय तय करेंगे। दूसरे चरण में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की अन्य छात्राओं को भी ट्रेनिंग दी जा रही है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आत्मरक्षा में सक्षम बनाना है। हाई स्कूलों में ट्रेनिंग दे रहे ब्लैक बेल्ट धारी प्रशिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि हर सत्र दो घंटे का होगा। स्कूल में छुट्टी के दौरान भी प्रशिक्षण जारी रहेगा। मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण ले रही छात्राओं की सूची और फोटो जिला शिक्षा कार्यालय को देना अनिवार्य होगा। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के बाद अब हाई स्कूलों की छात्राओं को भी मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग दी जा रही है।

नालंदा में डिजिटल फसल सर्वे की डेट बढ़ी, अब 9 जनवरी के बाद होगी शुरुआत

नालंदा, एजेंसी।

नालंदा जिले में किसानों को राहत मिली है। रबी सीजन में होने वाले डिजिटल क्रॉप सर्वे की डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। पांच जनवरी से शुरू होने वाला सर्वे अब नौ जनवरी के बाद होगा। कृषि विभाग ने किसानों की फॉर्म रजिस्ट्री के लिए 6 से 9 जनवरी तक पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने के कारण यह निर्णय लिया है।

10 लाख से अधिक प्लॉटों का होगा सर्वेक्षण

जिले में इस बार रबी सीजन के दौरान कुल 10 लाख 47 हजार 500 कृषि भूखंडों का डिजिटल सर्वे किया जाना है। इस विशाल अभियान के लिए करीब 270 सर्वेयरों की नियुक्ति की गई है। इन सर्वेयरों में कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार, सहायक तकनीकी प्रबंधक (एटीएम) और प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (बीटीएम) शामिल हैं। सर्वे दल के सदस्यों को हर खेत तक पहुंचकर न केवल फसल की जानकारी एकत्र करनी होगी, बल्कि सिंचाई के लिए उपलब्ध संसाधनों का ब्योरा भी मोबाइल एप पर दर्ज करना होगा। यह डेटा कृषि योजनाओं को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

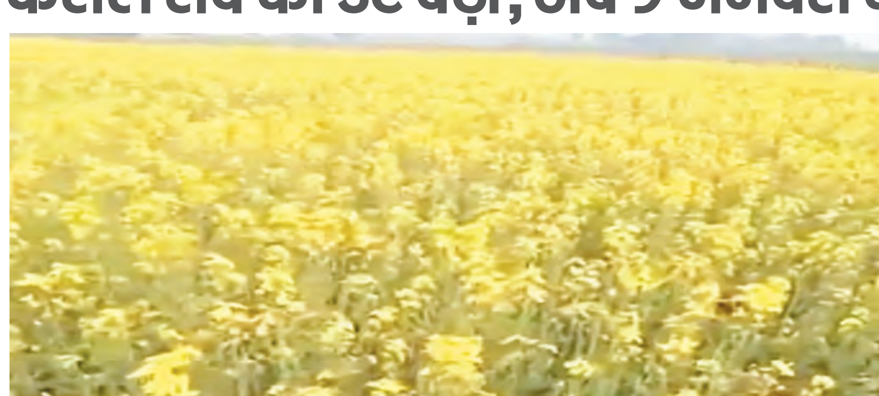

इस वर्ष डिजिटल क्रॉप सर्वे की कार्यप्रणाली में कई अहम परिवर्तन किए गए हैं। पहले जहां प्लॉटों का आवंटन जिला स्तर से होता था, वहीं अब यह जिम्मेदारी अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर स्थानांतरित कर दी गई है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी खुद सर्वेयरों का चयन करेंगे, उनकी आईडी बनाएंगे और क्षेत्रों का आवंटन करेंगे।

इस विकेंद्रीकरण से सर्वे प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही, अनुमंडल कृषि पदाधिकारियों को सर्वे के दौरान आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कृषि विभाग ने सर्वेयरों के लिए दैनिक लक्ष्य भी तय कर दिया है। प्रत्येक सर्वेयर को रोजाना 80 प्लॉटों का सर्वेक्षण पूरा करना होगा। वहीं, सुपरवाइजरों को सर्वेक्षित प्लॉटों का सत्यापन तीन दिनों के अंदर करना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था सर्वे की गुणवत्ता और गति दोनों सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हालांकि सर्वे की प्रक्रिया नौ जनवरी के बाद शुरू होगी, लेकिन प्लॉटों का आवंटन नौ जनवरी तक ही सर्वेयरों को कर दिया जाएगा, ताकि वे अपने कार्यक्षेत्र से परिचित हो सकें।

डिजिटल फसल सर्वे के माध्यम से हर मौसम में उगाई जाने वाली वास्तविक फसलों और उपलब्ध सिंचाई संसाधनों की प्रामाणिक जानकारी मिलती है। यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण पारदर्शी और सुलभ है। एक क्लिक पर यह जानना संभव हो जाता है कि किस गांव या इलाके में किस प्रकार की खेती हो रही है। यह डेटा कृषि विभाग को किसानों की जरूरतों के अनुरूप योजनाएं बनाने में मदद करता है। साथ ही, फसल बीमा, बीज वितरण, खाद-उर्वरक की आपूर्ति जैसी योजनाओं का सटीक क्रियान्वयन संभव होता है।

जिला स्तर पर टाउन हॉल में आठ दिन पूर्व ही सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस प्रशिक्षण में मोबाइल एप के उपयोग, डेटा संग्रहण की पद्धति और सर्वे की बारीकियों को समझाया गया था। जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नितेश कुमार ने बताया कि रबी सीजन में फसल सर्वे की सभी तैयारियां पूर्ण हैं और लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए हैं। फॉर्म रजिस्ट्री के विशेष शिविर की समाप्ति के बाद डिजिटल क्रॉप सर्वे तुरंत शुरू कर दिया जाएगा। किसानों से अपेक्षा की जा रही है कि वे सर्वेयरों को सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि उनके हित में बेहतर योजनाएं बनाई जा सकें।

विचार-मंथन

संपादकीय

अरावली सौ मीटर की ऊंचाई वाली परिभाषा को लेकर चिंता जताई

अरावली की ऊंचाई पर सुप्रीम कोर्ट की परिभाषा, क्या 100 मीटर की लकीर से खतरे में पड़ जाएगा पूरा इकोसिस्टम?दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत-शृंखलाओं में से एक अरावली पहाड़ियों के संरक्षण और बिना रोकटोक खनन से समूचे क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। हाल ही में अरावली पहाड़ियों की ऊंचाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नई परिभाषा सामने आने के बाद स्वाभाविक ही यह बहस तेज हो गई कि अगर इसे कसौटी बनाया गया, तो आने वाले वक्त में स्थानीय पारिस्थितिकी पर इसका क्या असर पड़ेगा। पर्यावरण विशेषज्ञों से लेकर आम जनता के स्तर पर सौ मीटर की ऊंचाई वाली परिभाषा को लेकर चिंता जताई गई और एक बड़े इलाके के पर्यावरण पर जोखिम की आशंका के मद्देनजर इसमें फिर से बदलाव की मांग की गई।अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने पहले के निर्देशों पर रोक लगा दी और कहा कि कुछ महत्त्वपूर्ण अस्पष्टता को दूर करने की जरूरत है। इसमें एक सवाल यह भी शामिल है कि क्या सौ मीटर की ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर का अंतर पर्यावरण संरक्षण के दायरे के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से को कम कर देगा। गौरतलब है कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान और वैज्ञानिक परिभाषा को मंजूरी दे दी थी। इसके अलावा, अरावली क्षेत्र में विशेषज्ञों की रपट आने तक नए खनन पट्टे देने पर रोक लगा दी गई थी। दरअसल, दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत-शृंखलाओं में से एक अरावली पहाड़ियों के संरक्षण और बिना रोकटोक खनन से समूचे क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। इसी संबंध में केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने सिफारिश की थी कि अरावली पहाड़ियों के संबंध में स्पष्ट और वैज्ञानिक परिभाषा बेहद जरूरी है। समिति ने यह भी कहा था कि अरावली जिलों में स्थित सौ मीटर या उससे अधिक की किसी भी भू-आकृति को पहाड़ी माना जाएगा।मगर सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी इसे स्वीकार्यता मिलने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर अरावली के जीवन को लेकर चिंता जताई गई और कई सवाल उठे। यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा गुजरात में सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पहाड़ियां कैसे एक जीवन-रेखा की भूमिका में खड़ी हैं।

आज देश के हर राज्य, हर जिले में ऐसी कहानियां मिल जाएंगी जहां किसी गैरसरकारी संगठन ने किसी गांव में जागरूकता शिविर लगाया और वहीं किसी ने उन्हें बताया कि गांव में एक बाल विवाह होने जा रहा है। कई बार खुद लड़कियां सामने आकर अपना बाल विवाह रुकवाने के लिए मदद मांगती हैं। और इस तरह से बाल विवाह रुकते हैं। और इन सभी कहानियों के पीछे नाम आता है जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों का यह नेटवर्क पिकेट रणनीति पर अमल करते हुए बाल विवाह की दृष्टि से संवेदनशील 451 जिलों में जमीन पर काम कर रहा है।

बाल विवाह मुक्त भारत की ओर बढ़ते कदम

(आदर्श सिंह)

भारत में सरकार और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) जैसे नागरिक समाज संगठनों के प्रयासों से बाल विवाह के खिलाफ एक मजबूत ईको-सिस्टम तैयार हुआ है।कानूनी हस्तक्षेप, जागरूकता और धर्मगुरुओं की भागीदारी से बाल विवाह की दर में भारी गिरावट आई है। अब बेटियां असहाय नहीं हैं, बल्कि वे खुद अपनी आवाज उठाकर अपना भविष्य सुरक्षित कर रही हैं। तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले के एक गांव की अपर्णा (बदला हुआ नाम) सिर्फ 15 साल की थी लेकिन उसके घर वालों ने उसकी शादी तय कर दी और सगाई की तैयारियां चल रही थीं। बच्ची ने मां-बाप से मिन्नतें की लेकिन वे फैसला बदलने को तैयार नहीं हुए। अपर्णा ने अपनी पीड़ा बयान करते हुए एक चिट्ठी लिखी और अपने दोस्तों को सौंप दिया। दोस्तों ने वो चिट्ठी जिले में बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे एक नागरिक समाज संगठन 'कंजर्वेशन ऑफ नेचर थ्रू रूरल अवेकनिंग' (सीओएनएआरई) और पुलिस को सौंप दी। तत्काल सीओएनएआरई, पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन के सदस्य उसके घर आए और माता-पिता से हलफनामा लिया कि वे 18 साल से पहले अपर्णा की शादी के बारे में सोचेंगे भी नहीं। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर में आधी रात को चाइल्ड हेल्पलाइन के पास फोन आया, अभी, इसी वक्त जिले के एक मैरिज हॉल में एक बाल विवाह हो रहा है। एक नाबालिग बच्ची की शादी 37 साल के आदमी से कराई जा रही थी। तुरंत गैरसरकारी संगठन शक्ति वाहिनी की विक्टिम सपोर्ट कोऑर्डिनेटर और बीडीओ के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले दूल्हा और उसका परिवार भाग चुके थे। फिर भी, दूल्हे, उसके पिता, पंडित और बिचौलिए के खिलाफ पीसीएमए के तहत एफआईआर दर्ज हुई। झारखंड के धनबाद के बाघमारा प्रखंड की दसवीं की छात्रा वंदना (बदला हुआ नाम) के घर वालों ने 26 साल के एक लड़के से उसका विवाह तय कर दिया। लेकिन बच्ची बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे एक गैरसरकारी संगठन झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट की पहल 'किशोरी मंडल' से जुड़ी थी। उसने संगठन को घटना की जानकारी दी और घर वालों से साफ कर दिया कि अगर उसकी जबरदस्ती शादी की गई तो वह थाने में शिकायत करेगी। ये सिर्फ कहानियां ही नहीं हैं बल्कि देश में आया एक बदलाव है जिसे देखने से हम चूक गए। वो बदलाव ये है कि आज हमने देश में एक ईको सिस्टम यानी वह परिवेश व तंत्र बना लिया है जहां आज कोई बेटी अकेली या असहाय नहीं होती। कानूनी उपायों से उसकी सुरक्षा से लेकर पुनर्वास तक का एक तंत्र विकसित हुआ है। आज बेटियों में यह हिम्मत आई है कि रिवाजों या परंपरा की ओट में किसी दोगुनी उम्र के आदमी से विवाह को चुपचाप स्वीकार कर लेने के बजाय आवाज उठा सकती हैं। यह सरकार के साथ मिलकर नागरिक समाज संगठनों की मेहनत है कि आज कोई बच्ची अपना बाल रोकने के लिए आवाज उठाए तो कोई शिक्षक, कोई धर्मगुरु, कोई पुलिस अफसर या कोई गैरसरकारी संगठन का सामुदायिक कार्यकर्ता उसकी मदद को तैयार रहता है। यदि स्मृतियों पर जोर डालें तो पता चलता है कि 2006 में देश में बाल विवाह की दर 47.4 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे- (2019-21) के आंकड़ों के अनुसार देश में बाल विवाह की दर 23.3 प्रतिशत थी। लेकिन नागरिक समाज संगठनों व सरकार के प्रयासों से अब बदलाव की रफ्तार तेज हो चुकी है। इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की पहल पर सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहैवियरल चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) की सितंबर 2025 में जारी रिपोर्ट 'टिपिंग प्वाइंट टू जीरो = एविडेंस टूवार्ड्स ए चाइल्ड मैरेज फ्री इंडिया' के अनुसार देश में लड़कियों की बाल विवाह की दर में 69 प्रतिशत जबकि लड़कों के बाल विवाह की दर में 72 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश के पांच राज्यों के 757 गांवों में किए गए इस सर्वे में महाराष्ट्र में शत प्रतिशत लोगों ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए जागरूकता को सबसे प्रभावी उपाय करार दिया तो बिहार में 99 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें बाल विवाह से जुड़े कानूनों के बारे में जानकारी है और यह उन्हें गैर सरकारी संगठनों से मिली। आज देश के हर राज्य, हर जिले में ऐसी कहानियां मिल जाएंगी जहां किसी गैरसरकारी संगठन ने किसी गांव में जागरूकता शिविर लगाया और वहीं किसी ने उन्हें बताया कि गांव में एक बाल विवाह होने जा रहा है। कई बार खुद लड़कियां सामने आकर अपना बाल विवाह रुकवाने के लिए मदद मांगती हैं। और इस तरह से बाल विवाह रुकते हैं। और इन सभी कहानियों के पीछे नाम आता है जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों का यह नेटवर्क पिकेट रणनीति पर अमल करते हुए बाल विवाह की दृष्टि से संवेदनशील 451 जिलों में जमीन पर काम कर रहा है। इसमें नीति, निवेश, क्षमता निर्माण, ज्ञान, तकनीक और ईको सिस्टम या एक ऐसे परिवेश का निर्माण, जो बाल विवाह को हतोत्साहित करे, शामिल हैं। सरकार व उसकी एजेंसियों के साथ करीबी तालमेल से काम करते हुए जेआरसी ने अप्रैल 2023 से अब तक 4,00,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। पढ़ाई छोड़ चुकी सात लाख से अधिक लड़कियों को पिछले एक साल में दोबारा स्कूलों में दाखिल कराया और आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील 19 लाख परिवार सरकारी योजनाओं से जोड़े गए। सबसे बड़ी बात ये है कि बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में सभी धर्मों के तीन लाख से भी अधिक धर्मगुरुओं को जोड़ा गया है। आज गांवों में मंदिरों-मस्जिदों के बाहर लगे बोर्ड या दीवारों पर लिखा देखा जा सकता है कि बाल विवाह गैरकानूनी है और यहां बाल विवाह संपन्न नहीं कराए जाते। जेआरसी ने अगले एक साल में एक लाख गांवों को बाल विवाह से मुक्त कराने का लक्ष्य रखा है और नेटवर्क की पहुंच के मद्देनजर यह संभव है। कानूनी हस्तक्षेप, बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रोत्साहन उपायों पर जोर, धर्मगुरुओं सहित पूरा समाज व पूरी सरकार का साथ मिलकर सुरक्षा से पहले रोकथाम, अभियोजन से पहले सुरक्षा और रोकथाम के लिए निवारक उपाय के तौर पर अभियोजन की नीति पर अमल ने आज एक ऐसे बाल संरक्षण तंत्र की नींव रखी है जहां अब कोई बच्चा न अकेला है और न असहाय है। यही 2025 का हासिल है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

जादू-टोने के शक में जलते घर, बुझती जिंदगियां

प्रगति के कई सोपान पार करने के बावजूद भारत में अंधविश्वास की जड़ें गहरी हैं। इस देश की यह ऐसी स्याह तस्वीर है, जिसकी आमतौर पर अनदेखी की जाती रही है। आए दिन जादू-टोने के अंधविश्वास में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी जाती है। यों देश के सभी हिस्सों से इस तरह की घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन पिछले कुछ समय के दौरान बिहार, झारखंड और असम में हुई ऐसी कई घटनाओं ने व्यापक चिंता पैदा की है। गौरतलब है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में मंगलवार रात हुई घटना ने एक बार फिर सबको झकझोर दिया है। वहां एक गांव के कुछ लोगों ने जादू-टोना किए जाने के संदेह में घर में घुस कर एक दंपति पर पहले धारदार हथियारों से हमला किया, फिर उनके घर में आग लगा दी। इससे पति-पत्नी की जल कर मौत हो गई।ग्रामीण इलाकों में जादू-टोने या डायन होने का आरोप लगा कर अक्सर महिलाओं को सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है और कई बार उन्हें मार भी दिया जाता है। हालांकि शहर भी अंधविश्वासों से मुक्त नहीं हैं। यह एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जो विकास के आधुनिक पैमानों को मुंह चिढ़ाती है, लेकिन इसके निवारण के लिए कभी ईमानदार इच्छाशक्ति नहीं दिखाई गई।हैरानी की बात यह है कि जिस दौर में देश और दुनिया तकनीक के क्षेत्र में चरम विकास के दौर में है, उसमें महज वहम या अंधविश्वास की वजह से कई लोग अपने परिवार के लोगों के बीमार होने पर डाक्टर से इलाज कराने के बजाय उसे किसी जादू-टोने का नतीजा मानते हैं। विकास के तमाम दावों के बीच यह हकीकत है कि देश में वैज्ञानिक चेतना के प्रसार को लेकर सरकारें कभी गंभीर नहीं रहीं। जबकि देश में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का दायित्व संवैधानिक तौर पर भी दर्ज है।

खेलों में वास्तविक लोकतंत्र स्थापित कर रहा क्रिकेट

(शैलेश चतुर्वेदी)

क्रिकेट का एक बड़ा चर्चित किस्सा है। जब कपिल देव नए-नए आए थे, उस दौर में कैंप में खाना 'सरकारी' होता था। कपिल देव ने तेज गेंदबाज होने के नाते ज्यादा और बेहतर खाने की मांग की, तो उन्हें मना करते हुए बताया गया कि इस देश में तेज गेंदबाज तो होते ही नहीं हैं। तब से लेकर बुधवार को आईपीएल की नीलामी तक क्रिकेट की दुनिया बदल चुकी है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने दो खिलाड़ियों- प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा को 14.2-14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। दिल्ली टीम ने आकिब नबी दार को 8.4 करोड़ रुपये में खरीदा। ये नाम इसलिए ले रहा हूं, क्योंकि आम जनता के लिए ये ज्यादा जाने-पहचाने नाम नहीं हैं। एक सीजन की यह रकम बताती है कि अनजान नाम भी कितना कमा सकते हैं। कपिल देव वाले 1977 के किस्से से लेकर 2025 तक क्रिकेट की दुनिया अलग मुकाम पर पहुंच गई है। पैसा आता है, तो उम्मीदें लाता है, भरोसा लाता है। क्रिकेट ने यही काम किया है। कपिल देव समेत कुछ खिलाड़ी तो छोटी जगहों से आते रहे हैं, लेकिन पिछले दो-तीन दशकों से वह तादाद जिस तरह बदली है, उसने माहौल बदल दिया है। महानगरों के खेल से छोटे शहरों, कस्बों, गांवों का खेल बनने का लंबा सफर क्रिकेट ने तय किया है। इस तरह उसने क्रिकेट को लोकतांत्रिक ढांचे में बांध दिया है। मोहम्मद सिराज से लेकर नटराजन, रिंकू सिंह, यशस्वी जायसवाल... पूरी फेहरिस्त है। एक समय था, जब परिवार के बड़े पूछते थे कि खेल तो ठीक है, पर घर चलाने के लिए क्या करोगे? अब अगर आप खेलते हैं और एक स्तर तक पहुंच जाते हैं, तो घर चलाने के लिए कोई समस्या नहीं आती। आईपीएल तो करोड़ों का खेल है। घरेलू क्रिकेट में भी ऐसे हालात हैं कि अगर राज्य टीम का हिस्सा बन गए, तो पैसों की कमी नहीं होगी। 80 के दशक का किस्सा है- एयरलाइंस में एक क्रिकेटर ने ग्राउंड ड्यूटी मांगी, तो उसे यह कहकर मना कर दिया गया कि प्राथमिकता हॉकी खिलाड़ी को दी जाएगी, क्रिकेटर को नहीं। क्रिकेट वहां से लेकर अगले 45-50 साल में इस जगह पहुंच गया है कि अब खिलाड़ियों को नौकरी की जरूरत ही नहीं है। जैसे नौकरी की जरूरत खत्म हुई है, वैसे ही छोटे कस्बों, गांवों से आने वाले खिलाड़ियों की मजबूरी भी खत्म हो गई है। अब बड़े शहर के संभ्रांत परिवार का बच्चा 'प्रिविलेज्ड' नहीं है, सबको समान अधिकार है। इसी ने क्रिकेट या यूं कहें कि खेलों में 'डेमोक्रेसी' लाने का काम किया है। यह महिला क्रिकेट में भी हुआ है। एक समय महिला और पुरुष क्रिकेट बोर्ड अलग-अलग थे। फिर 'मर्जर' हुआ। दिन बदले, फीस मिलनी शुरू हुई। महिलाओं के लिए लीग शुरू हुई। स्मृति मंधाना जैसी खिलाड़ी को 'ब्रैंड एंडोर्समेंट' से भी पैसे मिलने शुरू हुए। महिला क्रिकेट टीम पिछले दिनों वर्ल्ड चैंपियन बन गई। इस बदलाव में वक्त लगा। बीसीसीआई के पिछले कुछ अध्यक्षों ने इस बदलाव की जरूरत को महसूस किया, खासतौर पर जय शाह ने, जिनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट के लिए बहुत कुछ हुआ है। क्रिकेट की डेमोक्रेसी दूसरे खेलों में भी पहुंच रही है। इन खेलों में सरकार की बेहद अहमियत है। जिस तरह का सहयोग सरकार से मिल रहा है, वह अनदेखा और अनजाना है। साथ में 'पर्सनल टच' भी है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5965

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5964

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

आज का राशिफल

मेष
आज धन की बरसात होगी और खर्च भी अधिकांश होंगे। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे और किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा, लेकिन आपको कोई प्रॉपर्टी की डील थोड़ी सोच समझकर करनी होगी। सामाजिक आयोजनों में भी आप सम्मिलित हो सकते हैं। आप किसी को धन उधार देने से बचे और अपने खर्चों को लेकर एक बजट बनाकर चलें।

वृष
आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। भाग्य का भी आपको पूरा साथ मिलेगा। आपकी कुछ नई कोशिशें रंग लाएगी। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलने की आवश्यकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कर्क
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकटा होगा और किसी सरकारी मामले में आपको थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको अपने राजनीति से संबंधित कामों को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी होगी।

सिंह
आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा और आपको काम को लेकर मेहनत अधिक रहेगी। आपको अपने आसपास रह रहे लोग को पहचान कर चलने की आवश्यकता है।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आपकी बुद्धि से आपके काफी काम पूरे होंगे और जीवनसाथी की आप खूब केयर करेंगे। पुराने गिले शिकवे भी साल की शुरुआत के दिनों ही दूर होंगे और दोनों एक दूसरे के साथ वेकेशन पर भी जाने की प्लानिंग करेंगे।

कन्या
आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहने वाला है। आप अपने रुके हुए कामों को भी आसानी से पूरा कर सकेंगे। किसी परिवार के सदस्य को नौकरी से संबंधित कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने सहयोगियों से कोई बात सोच समझ कर बोलनी होगी।

तुला
आज का दिन आपके लिए लाभ दिलाने वाला रहेगा। यदि आपका कोई काम लंबे समय से पेंडिंग पड़ा था, तो उसे भी आप पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। कोई सरकारी काम आपका लटक सकता है, जो आपके लिए थोड़ा मुश्किले लेकर आ सकता है।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की आवश्यकता है। कुछ लोगों से मेलजोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। आपको अपने अधिकारियों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपका बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

मकर
आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में बढ़िया रहने वाला है, लेकिन आपको संतान की गलतियों को अनदेखा करने से बचना होगा। आपके पास पड़ोस में आज किसी पार्टी का जश्न हो सकता है, जिसमें आप मौज मस्ती करते नजर आएंगे। आपको बदलते मौसम का पूरा ध्यान रखना होगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत होगी।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए उन्नति पुर्ण रहने वाला है। नौकरी में आपको कोई मेहनत भरा काम मिलने से खुशी होगी। किसी सरकारी काम को लेकर यदि आप परेशान थे, तो उसके लिए भी आपको थोड़ा और इंतजार करना होगा। आप अपने किसी परिजन के घर मेल मिलाप करने जा सकते हैं। नए साल में आप कुछ नया ठानेंगे और परिवार के सदस्यों में एकजुटता बनी रहेगी। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा।

धनु
आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी, लेकिन आप वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करें। किसी काम को लेकर आपको जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे और उनके लिए कोई गिफ्ट भी लेकर आ सकते हैं।

मीन
आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आपको एक के बाद एक कई काम हाथ लगेंगे और आप अपनी इनकम को बढ़ाने पर भी पूरा ध्यान देंगे। भाग्य के दृष्टिकोण से आज दिन अच्छा रहने वाला है। कोई शारीरिक समस्या यदि आपको लंबे समय से घिरे हुए थी, तो वह भी दूर होते दिख रही है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है।

वर्ग पहेली 5965

संकेतः बाएं से दाएं
1. ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे (7)
6. इसे अंग्रेजी में शर्ट कहते है (3)
7. कृष्ण पक्ष को यह भी कहते है (2)
9. यह वैजयंती माला की पहली फिल्म थी नायक थे करण दीवान (1951)(3)
11. अर्धविकसित फूल (2)
13. भार से युक्त होना, अतीत होना (3)
15. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है (2)
18. स्मरण, स्मृति (2)
19. स्वास्थ्य, तंदुरूस्ती (3)
20. मंदगति से भ्रमण करना (4)
21. दस्तक करने से होने वाली आवाज (2)
23. नटखल, बैल (2)
25, म्यांमार इस देश का परिवर्तित नाम है (2)
26. मक्का शरीफ की तीर्थ यात्रा यह कहलाती है (2)

ऊपर से नीचे
1. सितारा की तरह एक अरेबियन वाद्य (3)
2. ये भारत के 9वें राष्ट्रपति थे इनका कार्यकाल 25 जुलाई 1992 से 25 जुलाई 1997 तक रहा (8)
3. अल्पता, न्यूनता, कसर (2)
4. प्रक्षालक, प्रक्षालनकर्मी (3)
5. आमोद-प्रमोद के लिए बनाई गई संस्था (2)
8. यह नसीरूद्दीन शाह की अभिनेत्री सास थी (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
10. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
12. ये भारत में उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश बनने वाली पहली महिला है (4)
14. घोर ध्वनि करना, बजाना (3)
16. विचलना, लपकना, लहराना (4)
17. कलाकारों द्वारा रंगमंच, रेडियो, दूरदर्शन आदि पर अभिनय प्रदर्शन करना (2)
22. प्रेम, अनुलाप, इच्छा, अपेक्षा (2)
24. जमा हुआ टुकड़ा (2)

वर्ग पहेली 5964 का हल

आ	बि	दा	सु	ल्ता	न		आ
का	ज	ल			म	ही	प
	ली			नौ	क	र	
स	घ	न			ह		त
ह	र	फ		ह	ला	ह	ल
म		र	सा	त	ल		ब
त	ह	त		भा		आ	गा
	नु		स	गी	ना		र

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' में शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

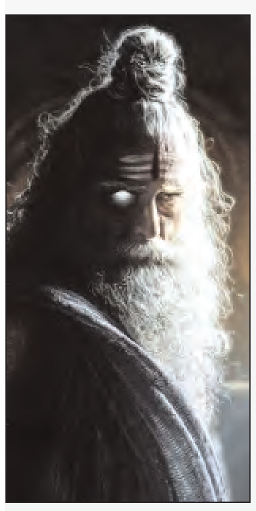

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरंधर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डांस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैये के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं। निर्देशक पूजा कोल्लुरु ने साल 2025 का शुक्रिया जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। इस पोस्ट में जो तस्वीर सबसे ज्यादा चर्चा में है वो पूजा और अक्षय खन्ना की ही है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक सामने आया था, जिसमें उन्हें पहचानना बिल्कुल मुश्किल हो रहा था। इस लुक के सामने आने के बाद से ही फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'महाकाली' में भूमि शेट्टी महाकाली के मुख्य किरदार में नजर आएंगी। अक्षय खन्ना के शामिल होने से फिल्म की और भी चर्चा हो रही है।

चित्रांगदा सिंह ने मना करने की अहमियत पर दिया जोर

फिल्म इंडस्ट्री में काम करना जितना चमक-दमक भरा दिखता है, उतना ही मुश्किल भी होता है। कौन सा प्रोजेक्ट करें और किसको रिजेक्ट करें, कई बार ये फैसले किसी कलाकार के पूरे करियर की दिशा तय कर देते हैं। इस मामले को लेकर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के दौरान ना कहना सीखना उनके लिए सबसे अहम सीखों में से एक रहा है। चित्रांगदा सिंह ने कहा, अगर कोई कलाकार बार-बार खराब काम करता है, तो उसकी पहचान और विश्वसनीयता धीरे-धीरे कम हो जाती है। ऐसे में कुछ चीजों के लिए ना कहना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह एक अभिनेता के रूप में आपकी इमेज को बचाए रख सकता है। खराब फिल्मों या कमजोर किरदारों को स्वीकार करने से कलाकार की छवि को नुकसान पहुंचता है।

उन्होंने कहा, ऐसा जरूरी नहीं कि हर बार मना किया गया फैसला सही ही हो। कई बार ऐसा होता है कि कोई अच्छा प्रोजेक्ट हाथ से निकल जाता है और बाद में एहसास होता है कि वह एक गलती थी। लेकिन कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब मैंने किसी फिल्म को मना किया और उस पर मुझे आज तक कोई पछतावा नहीं है। ऐसे फैसलों ने मुझे आत्मसंतोष दिया और करियर को एक सटीक दिशा दी।

इंटरव्यू में चित्रांगदा सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी भी अभिनेता के स्टारडम में पूरी टीम की बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, आखिरकार फिल्म सिर्फ एक अभिनेता से नहीं बनती, बल्कि निर्देशक, लेखक, एडिटर और पूरी क्रिएटिव टीम मिलकर उसे आकार देती है। निर्देशक का नजरिया, किरदार को देखने और दिखाने का तरीका, और एडिटिंग टेबल पर लिया गया फैसला, ये सभी चीजें किसी अभिनेता के प्रदर्शन को निखारने में मदद करती हैं।

उन्होंने कहा, अच्छे फिल्मकारों के साथ काम करने से अभिनेता खुद-ब-खुद बेहतर बनता जाता है। जब निर्देशक की सोच मजबूत होती है और कहानी को ईमानदारी से पेश किया जाता है, तो कलाकार को भी अपने किरदार में गहराई दिखाने का मौका मिलता है। इसी कारण मेरे लिए सिर्फ स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि फिल्म की गुणवत्ता और टीम की सोच ज्यादा मायने रखती है।

शादी के बाद क्रिएटिव पार्टनर बने सारा और कृष, शुरू किया प्रोडक्शन हाउस

हाल ही में शादी के बंधन में बंधे कृष पाठक और अभिनेत्री सारा खान अब प्रोफेशनल पार्टनर भी बन चुके हैं। दोनों अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर चुके हैं और साथ मिलकर कई क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। दोनों अभी एक फीचर फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। इसके अलावा, अलग-अलग जॉनर के चार गाने भी बना रहे हैं, जिसे रचनात्मक बनाने के लिए वे लगे हुए हैं। साथ ही लाइव शो के लिए वे कई शहरों में परफॉर्म भी कर रहे हैं। सारा ने बताया कि सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है एक्शन-कॉमेडी फिल्म, जिसकी शूटिंग फरवरी से शुरू होगी। यह फिल्म उनके अपने बैनर तले बनेगी और इसमें कई कलाकार होंगे। सारा और कृष खुद भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएंगे। अभिनेत्री ने खुशी जताते हुए बताया, मेरा पसंदीदा पार्ट यह है कि सबसे ज्यादा समय उस इंसान के साथ बिताती हूं, जिससे प्यार करती हूं। हालांकि, काम पर कभी-कभी हमारी असहमति भी होती है और हमारे बीच नोंकझोक भी होती है। मगर इसी से रिश्ते में गहराई भी आती है। एक-दूसरे का वह साइड देखना मजेदार लगता है। सारा ने बताया कि प्रोडक्शन हाउस बनाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि वे लाइफ पार्टनर हैं और पार्टनर के साथ काम करने का अनुभव भी शानदार है। उन्होंने कहा, हम इसी तरह अपनी जिंदगी के कई तार जोड़ते हुए साथ बना रहे हैं। हमें एक-दूसरे के काम करने का तरीका बहुत पसंद है, मैं कृष की क्रिएटिविटी की फैन हूं। वास्तव में कृष का दिमाग कमाल का है, उनके पास पहले से कई तैयार प्रोजेक्ट्स हैं।

गुल पनाग ने मिस इंडिया खिताब को बताया करियर के लिए बाधा

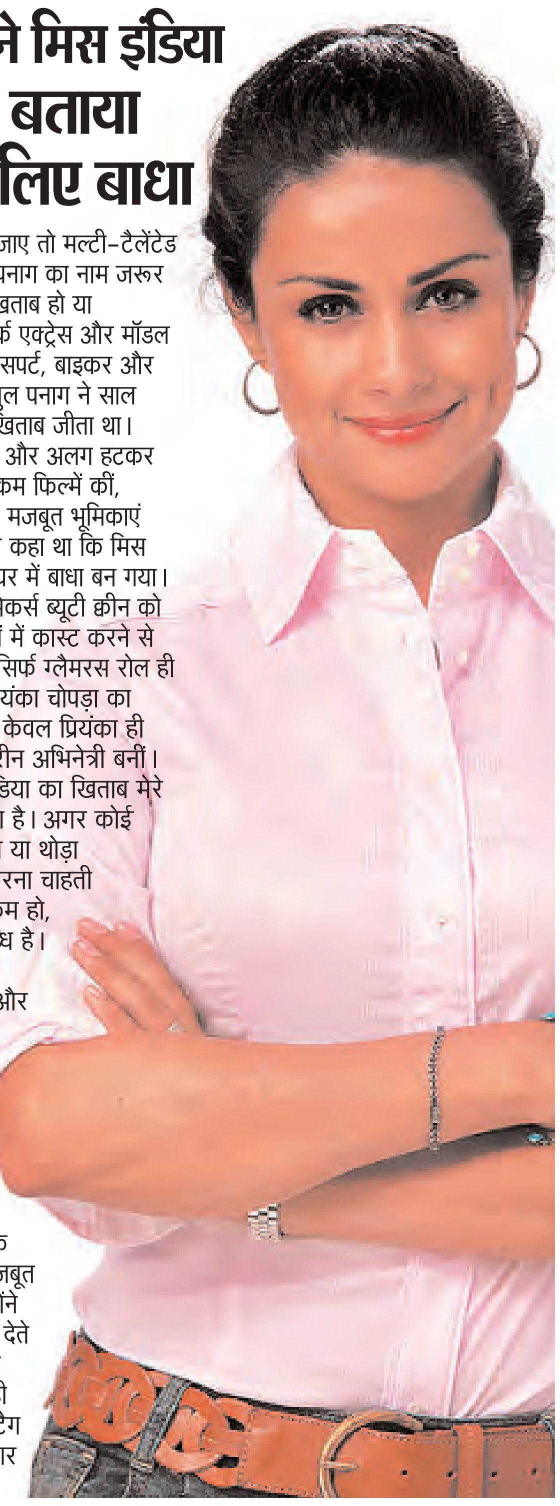

ब्यूटी विद ब्रेन की बात की जाए तो मल्टी-टैलेंटेड पर्सनैलिटी गुलकीरत कौर पनाग का नाम जरूर आता है। मिस इंडिया का खिताब हो या सर्टिफाइड पायलट गुल सिर्फ एक्ट्रेस और मॉडल ही नहीं, बल्कि फिटनेस एक्सपर्ट, बाइकर और सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। गुल पनाग ने साल 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। उनका नजरिया हमेशा स्पष्ट और अलग हटकर रहा है। बॉलीवुड में उन्होंने कम फिल्में कीं, लेकिन हर बार सार्थक और मजबूत भूमिकाएं चुनीं। एक इंटरव्यू में गुल ने कहा था कि मिस इंडिया का ताज उनके करियर में बाधा बन गया। उनका मानना है कि फिल्ममेकर्स ब्यूटी क्वीन को गंभीर और गहरी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। मेकर्स उन्हें सिर्फ ग्लैमरस रोल ही ऑफर करते हैं। गुल ने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहा कि केवल प्रियंका ही इस टैग को तोड़कर बेहतरीन अभिनेत्री बनीं। गुल ने बताया था, मिस इंडिया का खिताब मेरे लिए एक बाधा साबित हुआ है। अगर कोई एक्ट्रेस सिर्फ ग्लैमरस रोल या थोड़ा डांस करने वाली फिल्में करना चाहती है, जहां उसका योगदान कम हो, तो यह खिताब बड़ी उपलब्धि है। लेकिन अगर कोई गंभीर अभिनेत्री बनना चाहती है और सार्थक भूमिकाएं निभाना चाहती है, तो फिल्ममेकर्स मिस इंडिया को ऐसी भूमिकाओं में कास्ट करने से हिचकिचाते हैं। गुल का मानना है कि आजकल अच्छी और सार्थक फिल्में बन रही हैं, जिन्हें मजबूत एक्टर्स की जरूरत है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि सिर्फ प्रियंका ही हैं, जिन्होंने ब्यूटी क्वीन का टैग तोड़कर खुद को एक शानदार

'ओह माई गॉड' फेंचाइजी में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि ओह माई गॉड इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है। पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी। रानी मुखर्जी के जुड़ने से फिल्म को एक नई गंभीरता और ताजगी मिलने की उम्मीद की जा रही है। रानी लंबे समय से अपने सशक्त और कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में उनका इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना कहानी को और मजबूती दे सकता है। माना जा रहा है कि फिल्म में अक्षय और रानी के बीच का डायनामिक दर्शकों के लिए कुछ नया और प्रभावशाली लेकर आएगा।

कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं रानी

रानी मुखर्जी के जुड़ने से फिल्म को एक नई गंभीरता और ताजगी मिलने की उम्मीद की जा रही है। रानी लंबे समय से अपने सशक्त और कंटेंट-ड्रिवन किरदारों के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में उनका इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना कहानी को और मजबूती दे सकता है। माना जा रहा है कि फिल्म में अक्षय और रानी के बीच का डायनामिक दर्शकों के लिए कुछ नया और प्रभावशाली लेकर आएगा।

फ्रेंचाइजी के बारे में

ओह माई गॉड फ्रेंचाइजी ने हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। पहले भाग में जहां आस्था और पाखंड के बीच के फर्क को दिखाया गया था, वहीं दूसरे भाग में सामाजिक सोच और नैतिक सवालों को केंद्र में रखा गया। अब तीसरे भाग से भी दर्शकों को उसी तरह की सोच को झकझोरने वाली लेकिन मनोरंजक कहानी की उम्मीद है।

फुकरे सिर्फ फिल्म नहीं इमोशंस है

एक्टर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की जोड़ी हर किसी की फेवरेट मानी जाती है। फुकरे फ्रेंचाइजी के जरिए इन दोनों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। अब एक बार फिर से वरुण और पुलकित अपनी नई फिल्म के जरिए फैंस को गुदगुदाने के लिए आ रहे हैं, जिसका नाम है राहु केतु। कुछ दिन पहले फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था और अब मेकर्स की तरफ से इसका लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है।

लोग आपको और वरुण शर्मा को हनी और चूचा के किरदार में देखते हैं। उस इमेज को ब्रेक करना कितनी बड़ी बात है?

हम दोनों की बहुत बनती है। हमारी बॉन्डिंग अच्छी लगती है। लेकिन, ऐसा नहीं है कि इसे फॉर ग्रांटेड लें। मुझे इसके बारे में सब पता है। ऐसे में हमे अनलर्निंग सीखना बहुत जरूरी थी। हमें इस फिल्म में यह ध्यान रखना था कि हनी और चूचा की केमिस्ट्री न लाएं।

पुलकित क्या आपको लगता है कि आपकी जिंदगी में राहु केतू इसलिए आए, क्योंकि आपकी शादी हो गई?

वो तो मेरी जिंदगी में लक्ष्मी आई है।

फिल्म का नाम क्योंकि राहु केतू है, क्या आप एस्ट्रोलॉजी में यकीन रखते हैं? क्या आपने कभी ऐसा पढ़ा कि आज मेरी राशि में क्या लिखा है?

मैं ज्योतिष में यकीन रखता हूं या नहीं मुझे नहीं पता। लेकिन, अपनी मां में बहुत यकीन करता हूं। वह जो बोलती हैं, मैं कर लेता हूं। वह जिसके लिए हाथ जोड़ने को बोलती हूं, मैं खड़े होकर चुपचाप कर लेता हूं।

शादी के बाद भी फुकरे कैसे बने रह सकते हैं?

अपनी वाइफ का बेस्ट फ्रेंड बनकर रहिए। यकीन मानिए आप जिंदगीभर फुकरे ही बने रहेंगे। जब तक आप एक-दूसरे के बेस्ट फ्रेंड हैं तो उससे बेहतर कुछ नहीं। उसमें भी प्यार तो सोने पर सुहागा है। आप अपने बेस्ट फ्रेंड से प्यार कर रहे हैं।

वरुण, आपको और पुलकित को साथ में फिल्म करने के लिए काफी पैसे भी मिले। लेकिन आपने मना कर दिया?

यह काफी हद तक सच है। हमें लोगों ने काफी अप्रोच किया।

क्या फुकरे 4 भी पाइपलाइन में है?

जो आपका सवाल है, वही हमारा भी सवाल है। हम उम्मीद करते हैं कि फुकरे 4 जल्दी बने। वह अब फिल्म से ज्यादा इमोशन है।

वरुण, जब सिनेमा और ओटीटी की बात होती है। आप फ्यूचर कहां देखते हैं?

बहुत सारे नए माध्यम आ गए हैं। हर जगह फ्यूचर है। बहुत सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म बहुत सारा कंटेंट बना रहे हैं। टीवी, माइक्रो ड्रामा, मूवीज, कंटेंट क्रिएशन...इतना सारा कंटेंट है कंज्यूम करने के लिए तो उतना ही रोजगार भी है। मुझे याद है कि हम या तो फिल्मों के ऑडिशन देते थे, एड के देते या टेली फिल्म्स और टेलीविजन के। ओटीटी के आने से कितने सारे क्रू, टेक्नीशियन और एक्टर्स, कितने सारे लोगों को काम करने का मौका मिला है। सिनेमा और क्रिकेट दो ऐसी चीजें हैं जो लोगों की रगों में हैं। शनिवार और रविवार की सुबह बच्चों के साथ पार्क जाना होता है, शॉपिंग होती या फिल्म देखने जाना होता है।

आपनी फिल्म राहु केतू के बारे में क्या कहना चाहेंगे?

इस फिल्म में कहानी है, इमोशन है, ड्रामा है। इसमें पुलकित है, वरुण शर्मा हैं और शालिनी भी है। बहुत अतरंगी किरदार हैं। इससे बेस्ट फिल्म नहीं मिलेगी। बच्चों को इस फिल्म में बहुत मजा आएगा। 16 जनवरी 2026 को यह फिल्म रिलीज हो रही है। इस फिल्म को देखकर आपकी दिशा और दशा दोनों बदल जाएगी।

क्या सोशल मीडिया पर प्रेशर फील होता है?

सोशल मीडिया बहुत व्यापक दुनिया है। वहां प्रेशर फील होता है। अगर फील नहीं होता तो आपको फील कराया जाता है। मेरे जीवन का एक रूल है कि हम जब भी छुटटी पर जाते हैं तो हम अपना फोन ही नहीं लेकर जाते हैं, चाहें दोस्तों के साथ जाएं या परिवार के साथ। इस तरीके से छुट्टियां एंजॉय करना आसान हो गया है। लोगों का जीवन मोबाइल से शुरू होकर मोबाइल पर खत्म हो रहा है। इसमें परिवर्तन हमें ही करना होगा। बैलेंस करके चलना पड़ेगा। मैंने एक महीने के लिए एक चीज ट्राई की थी। सोने से एक घंटे पहले और उठने के एक घंटे बाद फोन नहीं देखूंगा। मैंने यह प्रयोग किया और मेरी लाइफ अच्छी हो गई।

उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने सड़कों पर हुजूम

काउंटर अटैक में भाजपा भी उतरी

देहरादून, एजेंसी। अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच और वीआईपी का नाम उजागर करने की मांग को लेकर उत्तराखंड में उग्र प्रदर्शन जारी है। विभिन्न संगठनों, राजनैतिक दलों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने रविवार को सीएम आवास कूच किया। इस दौरान कई बार लोगों की पुलिस के साथ नोकझोंक और धक्का मुक्की भी हुई। दूसरी तरफ काउंटर अटैक में भाजपा भी सड़क पर उतर आई है। कांग्रेस पार्टी पर अंकिता भंडारी प्रकरण में बेवजह की राजनीति का आरोप लगाया।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकार अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई को सौंपे। साथ ही वीआईपी का नाम उजागर कर उसे सख्त सजा दिलाई जाए। लोगों ने बढ़ती महिला हिंसा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ये आंदोलन पहले दिन से जनता ने ही लड़ा था। जनता के लड़ने की वजह से ही तीन लोग सलाखों के पीछे गए थे। अब चक्का जाम की जरूरत पड़ी तो पीछे नहीं हटना है।

पुलिस से नोंक-झोंक

रविवार को जब प्रदर्शनकारी सीएम आवास की ओर आगे बढ़े। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर आक्रोशित लोगों को आगे जाने से रोक दिया। इस दौरान लोगों की पुलिस से धक्का मुक्की हुई। कई लोग बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। इसके बाद विभिन्न संगठनों की ओर से सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रवासियों का नई दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन

दिल्ली के जंतर-मंतर पर रविवार को प्रवासी उत्तराखंडियों ने अंकिता भंडारी हत्याकांड के विरोध में धरना प्रदर्शन किया। विभिन्न संगठनों और विपक्षी दलों के नेताओं ने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार पर दोषियों और वीआईपी को बचाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता धीरेंद्र प्रताप और हरिपाल रावत सहित अन्य वक्ताओं ने दोटूक चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की देखरेख में सीबीआई को नहीं सौंपी गई, तो दिल्ली में भाजपा मुख्यालय का घेराव किया जाएगा।

अंकिता का अपमान बंद करे कांग्रेस: भाजपा

दूसरी तरफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी पर अंकिता भंडारी प्रकरण में बेवजह की राजनीति का आरोप लगाते हुए रविवार को लैंसडौन चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के आह्वान पर महानगर कार्यालय में भारी संख्या में जुटे कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में लैंसडौन चौक तक गए और नारेबाजी के साथ प्रदर्शन कर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल का पुतला फूंका। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि अंकिता भंडारी प्रकरण में राज्य सरकार ने प्रारंभ से ही गंभीरता दिखाते हुए विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है तथा मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच निरंतर जारी है।

कांग्रेस को सिर्फ राजनीतिक लाभ की चिंता

भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी तथ्यों को नजरअंदाज कर केवल राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से जनता के बीच भ्रम फैलाने का कार्य कर रही है, जो अत्यंत निंदनीय है। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट ने कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार और जांच एजेंसियां पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ कार्य कर रही हैं। राज्य मंत्री विनोद उनियाल ने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में सीबीआई जांच चाहती है, तो उसे न्यायालय के माध्यम से इसकी मांग करनी चाहिए। महानगर अध्यक्ष महिला सुमन सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया पर बयानबाजी राज्य की शांत वादियों को अशांत करने का प्रयास है।

शरद पवार नहीं बन पाएंगे इस बार सांसद? ओवैसी ने दिग्गज के भविष्य पर उठाए सवाल

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वरिष्ठ नेता शरद पवार के संसदीय भविष्य को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि पवार के पास दोबारा राज्यसभा में जाने के लिए जरूरी विधायक नहीं है। साथ ही उन्होंने दावा किया है कि आने वाले समय में इसे लेकर बड़ा 'तमाशा' होगा। एआईएमआईएम चीफ की तरफ से यह दावा ऐसे समय पर किया गया है, जब महाराष्ट्र में समेत कई बड़े निकायों के चुनाव होने हैं। पवार का कार्यकाल मार्च में खत्म हो रहा है।

ओवैसी ने कहा, 'पवार साहब का राज्यसभा टर्म कब तक का है मार्च तक। उसके पास उनके पास ताकत कहां है। उनके गठबंधन में इतने विधायक कहां हैं। अगर वह जाते हैं, तो कैसे जाएंगे। यह तो उनको पूछना चाहिए...। अगर वह दोबारा राज्यसभा जाएंगे पवार साहब तो कैसे जाएंगे? नंबर चाहिए न। तो पता चल जाएगा आपको। अभी तमाशा होगा देखिए।'

कई दिग्गजों का कार्यकाल पूरा होगा : इन राज्यसभा चुनावों का महत्व इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि इसमें कई नेताओं का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनमें केंद्र सरकार में मंत्री एवं विभिन्न दलों के प्रमुख नेता शामिल है। अगर मंत्री फिर से चुनकर नहीं आते हैं तो उनका सरकार में रहना मुश्किल हो जाएगा और अन्य प्रमुख नेताओं के लिए भी दिक्कतें बढ़ेगी।

जिन प्रमुख नेताओं कार्यकाल पूरा हो रहा है उनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, दिग्विजय सिंह, शरद पवार, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बी एल बर्मा, जॉर्ज कुरियन आदि शामिल है। इनके अलावा प्रेमचंद गुप्ता, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा, प्रियंका चतुर्वेदी, रामदास अठावले, रामगोपाल यादव, नीरज शेखर, राम जी, शक्ति सिंह गोहिल, अभिषेक मनु सिंघवी, थंबी दुरई, तिरुचि शिवा और मनोनीत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई शामिल है।

सबसे ज्यादा दस सीटें उत्तर प्रदेश में रिक्त होंगी : 2026 में जिन 72 सीटों के लिए चुनाव होंगे उनमें अप्रैल में 37 सीटों के लिए, जून में 23 सीटों के लिए, जुलाई में एक सीट के लिए और नवंबर में 11 सीटों के लिए चुनाव होने हैं। अप्रैल माह में जिन 37 सीटों के लिए चुनाव होंगे, उनमें असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल शामिल है, जबकि नवंबर में होने वाले 11 सीटों के चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश की 10 सीटें होगी। इसके अलावा जून में होने वाले 23 सीटों के चुनाव में आंध्र प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य हैं।

सभी चावल राशन कार्ड धारकों को 3000 रुपये नकद उपहार दिए जाएंगे :मुख्यमंत्री

पोंगल से पहले तमिलनाडु सरकार का ऐलान

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने नए साल की शुरुआत में ही राज्य के लाखों परिवारों को बड़ी राहत और खुशी देने वाली घोषणा की है। पोंगल त्योहार के अवसर पर सभी चावल राशन कार्ड धारकों को 3000 रुपये नकद उपहार दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार ने यह फैसला लिया है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को सीधा लाभ पहुंचेगा। इसके साथ ही पारंपरिक पोंगल हैम्पर, मुफ्त धोती-साड़ी और अन्य सामग्री भी वितरित की जाएगी। पिछले साल वित्तीय संकट के कारण यह नकद उपहार नहीं दिया गया था। माना जा रहा है कि चुनाव को देखते हुए सरकार ने इस तरह का फैसला लिया है।

क्या है सरकार का फैसला? : दरअसल, तमिलनाडु सरकार ने सभी चावल राशन कार्ड धारकों को पोंगल उपहार के रूप में 3000 रुपये नकद देने की घोषणा की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने सभी चावल राशन कार्ड धारकों को पोंगल उपहार के तौर पर 3000 रुपये नकद देने का ऐलान किया है। स्टालिन ने नकद राशि के अलावा पारंपरिक चार दिवसीय फसल उत्सव को मनाने के लिए कच्चा चावल, गुड़, मसाले और अन्य सामग्री वाली एक भरी हुई टोकरी भी वितरित करने की घोषणा की है।

महिला आईएएस के घर में सेक्स रैकेट का भंडाफोड

4 युवतियों के साथ 5 युवक गिरफ्तार

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के एक घर में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। यह मकान एक महिला आईएएस अधिकारी का बताया जा रहा है। मकान 15 हजार रुपए महीने के किराए पर लिया गया था। किराए पर मकान लेने वाले परिवार के साथ रहने की बात कही थी लेकिन उसने इसे देह व्यापार के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। मकान पर पुलिस के पहुंचते ही अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने वहां से चार युवतियों और पांच युवकों को पकड़ा है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में लोग दंग रह गए। मौके पर काफी भीड़ जुट गई थी।

मामला, प्रयागराज के कीड़गंज क्षेत्र का है। इस मकान में दिन भर युवकों और युवतियों के आने-जाने पर कुछ मोहल्लेवालों ने पुलिस से शिकायत की थी। इसके बाद ऐक्शन लिया गया। मकान मालकिन परिवार समेत बाहर रहती हैं। यह मकान उन्होंने किराए पर दे रखा है। रविवार की दोपहर करीब ढाई बजे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घर के दरवाजे पर दस्तक दी तो वहां अफरा-तफरी मच गई। पुलिस छापेमारी को देख आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। इस दौरान पुलिस ने चार युवतियों और पांच युवकों को मौके से आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। कमरे से कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला है। यह सब देखकर स्थानीय लोग हैरान रह गए। पुलिस सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पकड़ी गई युवतियों दो प्रयागराज, एक वाराणसी और एक पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल इस मामले में पुलिस ज्यादा कुछ बताने से बच रही है। पुलिस का कहना है कि सारी बातें सामने आने के बाद पूरी जानकारी दी जाएगी।

क्या बोली पुलिस

डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने बताया कि इस मकान में करीब तीन महीने से अनैतिक देह व्यापार चल रहा था। मोहल्लेवालों की शिकायत पर छापेमारी की गई। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अब आसानी से पास होगा घर का नक्शा

योगी सरकार ने नियमों में बदलाव के लिए बनाई 5 सदस्यीय कमेटी

लखनऊ, एजेंसी। नक्शा पास कराने या फिर भू-उपयोग को लेकर आने वाली बाधाएं दूर होने जा रही हैं। आवास विभाग द्वारा तैयार उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श जोनिंग रेगुलेशंस में संशोधन के लिए पांच सदस्यीय समिति बना दी गई है। समिति देखेगी कि इसमें क्या समस्या आ रही है और इसे दूर करने के लिए नियमों में बदलाव की क्या जरूरत है। समिति सात दिन में प्रमुख सचिव आवास पी. गुरु प्रसाद को अपनी रिपोर्ट देगी। इसके आधार पर कैबिनेट से प्रस्ताव पास कराया जाएगा।

शहरों में निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श जोनिंग रेगुलेशंस में व्यवस्था की गई है। इसके आधार पर आवासीय और व्यवसायिक भवनों के नक्शे विकास प्राधिकरणों द्वारा पास किए जाते हैं। आवास विभाग द्वारा पिछले वर्ष नई उपविधि बनाई गई है। इस उपविधि में कुछ खामियां रह गई हैं। इससे नक्शा पास कराने में बाधा आ रही है। इसीलिए शासन स्तर से पांच सदस्यीय समिति बनाते हुए रिपोर्ट देने को कहा गया है। समिति का अध्यक्ष लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को बनाया गया है। मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक सदस्य संयोजक बनाए गए हैं। इसके अलावा सीटीपी लखनऊ, कानपुर व गाजियाबाद, मुख्य वास्तुविद नियोजक आवास विकास परिषद और निदेशक आवास बंधु को सदस्य बनाया गया है। समिति उपविधि का अध्ययन करेगी और देखेगी कि इसमें क्या खामियां रह गई हैं। बताया जा रहा है कि बड़े भवनों के निर्माण की तो काफी राहत है, लेकिन छोटे भवनों के निर्माण के लिए नक्शा पास कराने के लिए कई नियम लगा दिए गए हैं।

भू-स्वामित्व नामांतरण व भू-उपयोग बदलने की प्रक्रिया होगी आसान: इसके अलावा यूपी सरकार भू-स्वामित्व नामांतरण व भू-उपयोग बदलने की प्रक्रिया को और आसान बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्टांप विभाग और राजस्व परिषद नामांतरण की धारा-34 और भू-उपयोग की धारा 80 की प्रक्रियाओं का ऑनलाइन सरलीकरण किया जा रहा है। राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर से इसे एकीकृत प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है। इसे फरवरी 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

विकास का एक भी काम दिखा दें तो चुनाव नहीं लड़ूंगा, शिंदे के उम्मीदवार को किसने दी चुनौती

ठाणे , एजेंसी। ठाणे महानगरपालिका चुनाव में बागी उम्मीदवार नितिन लांडगे ने शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के उम्मीदवार सिद्धार्थ पांडे को चुनौती दी है। लांडगे ने कहा कि अगर पांडे वार्ड नंबर 4 में अपने या अपने परिवार की ओर से किए गए किसी एक भी विकास कार्य को दिखा दें, तो वे तुरंत चुनावी दौड़ से हट जाएंगे। 15 जनवरी को होने वाले ठाणे चुनाव के लिए टिकट न मिलने पर लांडगे ने बगावत कर दी। उन्होंने पिछले सप्ताह युवा सेना की कोर कमिटी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और अब निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं। शिवसेना ने पूर्व पार्षद संजय पांडे के बेटे सिद्धार्थ पांडे को टिकट दिया, जिससे नाराज लांडगे ने स्वतंत्र उम्मीदवारी घोषित की। रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में लांडगे ने आरोप लगाया कि टिकट के लिए दबाव डाला गया और योग्यता व जमीनी काम की अनदेखी हुई। उन्होंने साफ किया कि उनकी लड़ाई शिवसेना या उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से नहीं, बल्कि थोपे गए उम्मीदवार से है, जिन्हें वे अभी भी गुरु मानते हैं।

नारियल चुनाव चिह्न पर क्या बोले: नितिन लांडगे ने क्षेत्र में युवाओं और निवासियों के लिए वर्षों से किए गए काम का दावा किया। लांडगे ने उन्हें मिला नारियल चुनाव चिह्न शुभ बताया और कहा कि हर राजनीतिक यात्रा नारियल चढ़ाने से शुरू होती है। मालूम हो कि संजय पांडे पूर्व भाजपा नेता हैं, जो 2014 में ओवला-माजीवाड़ा से लड़े थे। वह साल 2016 में शिवसेना में शामिल हुए और 2022 के विभाजन के बाद शिंदे गुट में रहे। इस तरह, महानगरपालिका चुनाव से पहले जुबानी जंग तेज होती जा रही है।

संभल में बिजली चोरी के खिलाफ बड़ा अभियान, सड़कों पर उतरे डीएम-एसपी

संभल , एजेंसी। यूपी के संभल में बिजली चोरी पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सोमवार तड़के बड़ी कार्रवाई की। सुबह करीब 4 बजे जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से व्यापक अभियान चलाया। यह कार्रवाई थाना रायसत्ती और नखासा क्षेत्र में की गई, जहां लंबे समय से बिजली चोरी की शिकायतें सामने आ रही थीं। तड़के शुरू हुए इस औचक अभियान में भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमला सड़कों पर उतरा। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। टीम ने संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी कर अवैध बिजली कनेक्शनों की गहन जांच की। इस दौरान कई स्थानों पर नियमों के खिलाफ लगाए गए कनेक्शन पाए गए, जिनकी जानकारी संबंधित विभाग को देते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

शिक्षा नीति में बड़े बदलाव करेगी सुक्खू सरकार

स्पेशल इंस्ट्रक्टर की होगी नियुक्ति

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को जानकारी दी है कि राज्य की शिक्षा नीति में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। सुक्खू ने बताया है कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अधीन लाए जा रहे सरकारी स्कूलों में गणित और अंग्रेजी के लिए स्पेशल इंस्ट्रक्टर नियुक्त किए जाएंगे।

सीएम रविवार को हमीरपुर के नादौन विधानसभा क्षेत्र के अपने एक दिन के दौरे पर थे। इस दौरान अमलेहर ग्राम पंचायत के अपने पैतृक गांव भवड़ां में उन्होंने लगभग 60 लाख रुपये की लागत से बने गुग्गा धाम और पार्क के उद्घाटन के बाद जनसभा को भी संबोधित किया। सुक्खू ने अपने संबोधन में जानकारी दी कि जल्द ही स्कूलों में स्पेशल इंस्ट्रक्टर की नियुक्ति की जाएगी।

सीएम ने इस दौरान बताया कि 'अमलैहड़ स्कूल को भी सीबीएसई का दर्जा मिल गया है। वहीं राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल का काम तेजी से चल रहा है और अगले साल से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। अमलैहड़ समेत राज्य के चार चुने हुए स्कूलों में मल्टीपल सब्जेक्ट सिस्टम लागू किया जाएगा, ताकि बच्चे अपनी पसंद के सब्जेक्ट चुन सकें।'

उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में पेयजल योजनाओं पर लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं और शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए यूवी टेक्नोलॉजी और ओजोनेशन प्रक्रिया अपनाई जा रही है। सीएम ने अपने इस दौरे के दौरान क्षेत्रवासियों की समस्या को भी सुना।

अपने पैतृक गांव भवड़ां पहुंकर मां से आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान सीएम सुक्खू से मिलकर परिवार काफी भावुक भी नजर आया। आधा घंटा घर मे रुकने के बाद वे शिमला के लिए रवाना हो गए जहां हिम एमएसएमई फेस्ट 2026 के तहत देश-विदेश से आए उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और उद्यमियों से संवाद किया।

गठबंधन का लालच देकर अंधेरे में रखा, शिवसेना शिंदे गुट का भाजपा पर आरोप

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उलझी राजनीति, लोकल चुनावों में और भी ज्यादा खिंचती नजर आ रही है। मुख्य तौर पर महायुति और महा विकास अघाड़ी दोनों ही आपसी तनातनी से जूझ रहे हैं। वर्तमान में पुणे में होने वाले लोकल बॉडी के चुनावों को लेकर शिवसेना शिंदे गुट ने भाजपा पर गुमराह करने का आरोप लगाया है।

शिवसेना की पुणे इकाई के प्रमुख धांगेकर ने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन की चर्चा की वजह से ही पार्टी सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़े होने में समर्थ नहीं हो पाई। उन्होंने कहा, 'मैं पहले दिन से कह रहा हूं कि भाजपा हमारे साथ गठबंधन नहीं करेगी। उन्हें लगता है कि पुणे में वह ही एकमात्र ताकतवर पार्टी हैं। दुर्भाग्य से हमारे पदाधिकारी गुमराह हो गए और भाजपा के जाल में फंस गए।'

घांगेकर ने कहा कि लंबी खिंचती गठबंधन की चर्चा और फिर असमंजस की स्थिति के बीच आखिरी समय तक भी सभी उम्मीदवार अपने फार्म जमा नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारे 110 उम्मीदवार मैदान में उतरने में कामयाब रहे।'

राज्य और केंद्र में सत्ता में एक साथ बैठीं दोनों पार्टियों के बीच स्थानीय स्तर पर ज्यादा तनाव देखने को मिल रहा है। अपनी आलोचना को एक कदम आगे बढ़ाते हुए धांगेकर ने भाजपा की पुणे इकाई पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि शहर में पार्टी को एक 'मंगलसूत्र चोर' चला रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी गुमराह किया है और यह सिर्फ पैसे और भ्रष्टाचार से चलता है। धांगेकर ने कहा, 'भाजपा में वफादार कार्यकर्ताओं के लिए कोई जगह नहीं है। पार्टी पर बाहर से आए नेताओं का दबदबा है। पुणे के लोग 'मंगलसूत्र चोर' का नेतृत्व स्वीकार नहीं करेंगे। शिवसेना ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सच में पुणे के लोगों का प्रतिनिधित्व करती है।'

दौसा : गोल्ड कप ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन, रुद्रांश पंचोली बने विजेता

दौसा, एजेंसी। जिला शतरंज संघ और कार्तिकेय चैस ऐकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में गोल्ड कप ओपन चैस टूर्नामेंट विज़न क्लासेज आगरा रोड में हुआ। टूर्नामेंट को रुद्रांश पंचोली ने अविजीत रहते हुये 6 में से 5.5 अंक बनाकर जीता। उन्हें चमचमाती ट्रॉफी और एक साइकिल ईनाम में मिली। दूसरे स्थान पर आशीष छीपा रहे उन्हें एक मिक्सर जूसर और ट्रॉफी दी गई, उन्होंने 5 अंक बनाये। तीसरे स्थान पर धनञ्जय राजमिश्र रहे। उन्हे प्रेशर कुकर और ट्रॉफी मिली। इस टूर्नामेंट में एक रनिंग ट्रॉफी भी रखी गई है। जिसे तीन बार जीतने वाले खिलाडी को वह ट्रॉफी दी जायेगी। पूर्व में कुछ खिलाडी इसे एक-एक बार जीत चुके है। अन्य विजेताओं को भी आकर्षक गिफ्ट हेम्पर ट्रॉफी के साथ दी गई। टूर्नामेंट में बेहतर परिणाम अर्जित करने वाले कार्तिकेय चैस ऐकेडमी के खिलाडी शिवांश शर्मा मिक्सर जूसर और ट्रॉफी जीतकर दूसरे स्थान पर रहे। युवराज मीना को कोल्ड वाटर कैंपर और ट्रॉफी हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे। दिव्यांश शर्मा को हॉट केस और ट्रॉफी ईनाम में मिली। इस टूर्नामेंट में 6 चक्र 20+10 के टाइम कंट्रोल से खेले गये। सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरुप मैडल दिया गया।अध्यक्ष कृष्णगोपाल शर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट में प्रविष्टि केवल दौसा जिले के खिलाड़ियों को ही दी गई।टूर्नामेंट के चीफ अर्बीटर मुकेश गुर्जर रहे। पारितोषक के.जी. शर्मा, गणेश जैमन, समता मीना, कार्तिकेय जोशी, कमलेश भादूका, पंकज मिश्र ने वितरित किए।

मुस्तफिज़ुर रहमान को आईपीएल से बाहर किए जाने पर बांग्लादेश नाराज़

- देश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक

ढाका, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान को टीम से बाहर करने के फैसले को लेकर बांग्लादेश में गहरा रोष देखने को मिल रहा है। इस फैसले से बांग्लादेशी क्रिकेट प्रशंसक दुखी, निराश और नाराज़ बताए जा रहे हैं। इन हालात के बीच बांग्लादेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बांग्लादेश के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अगले आदेश तक देश में सभी आईपीएल मैचों और उनसे जुड़े कार्यक्रमों का ब्रॉडकास्ट और टेलीकास्ट नहीं किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय मौजूदा हालात और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। गौरतलब है कि मुस्तफिज़ुर रहमान को केकेआर से रिलीज़ किए जाने का फैसला बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के निर्देशों के तहत लिया गया था।

जोकोविच का पीटीपीए से इस्तीफा

कहा- संगठन के साथ अब मेरे विचार और दृष्टिकोण मेल नहीं खाते

नई दिल्ली, एजेंसी । सर्बियाई के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने 'प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन' से पूरी तरह से दूरी बना ली है। इस संस्था की स्थापना उन्होंने ही की थी। जोकोविच का कहना है कि संगठन में पारदर्शिता और संचालन को लेकर लगातार समस्याएं थीं। जोकोविच और कनाडाई टेनिस खिलाड़ी वासेक पोस्पिसिल ने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन (पीटीपीए) की स्थापना एक नॉन-प्रॉफिट कॉर्पोरेशन के तौर पर की थी। ये प्रोफेशनल टेनिस के भविष्य को आकार देने में खिलाड़ियों की एक एकजुट, स्वतंत्र आवाज को सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। जोकोविच ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'काफी सोच-विचार के बाद, मैंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से पूरी तरह से अलग होने का फैसला किया है। यह फैसला पारदर्शिता, गवर्नेंस और जिस तरह से मेरी छवि को पेश किया गया है, उसे लेकर लगातार चिंताओं के बाद लिया गया है। पोस्ट में लिखा था, 'मुझे उस विजन पर गर्व है जो मैंने और वासेक ने पीटीपीए की स्थापना करते समय साझा

किया था, जिससे खिलाड़ियों को एक मजबूत, स्वतंत्र आवाज मिली - लेकिन यह साफ हो गया है कि मेरे मूल्य और दृष्टिकोण अब संगठन की मौजूदा दिशा से मेल नहीं खाते हैं। उन्होंने साफ किया कि अब वे अपने खेल, परिवार और टेनिस के विकास में अपने सिद्धांतों के अनुसार योगदान देने पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अपने टेनिस, अपने परिवार और खेल में ऐसे तरीकों से योगदान देने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखूंगा जो मेरे सिद्धांतों और ईमानदारी को दर्शाते हैं। मैं खिलाड़ियों और इसमें शामिल लोगों को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन मेरे लिए, यह अध्याय अब बंद हो गया है। मार्च 2025 में पीटीपीए और कई खिलाड़ियों ने एटीपी, डब्ल्यूटीए, आईटीएफ और आईटीआईए समेत अन्य संस्थाओं पर कानूनी कार्रवाई की थी, जिसे एटीपी और डब्ल्यूटीए ने खारिज कर दिया। उन पर कई एंटीट्रस्ट उल्लंघनों का आरोप लगाया गया। मुकदमे में कहा गया है कि खिलाड़ियों को अपनी मेहनत के अनुसार अधिक कमाई का अधिकार मिलना चाहिए। आरोप है कि चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों- विंबलडन, यूएस ओपन, फ्रेंच ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन, और अन्य पेशेवर टूर्नामेंटों का संचालन करने वाली संस्थाएं इनाम राशि पर सीमा तय करती हैं। इसके कारण खिलाड़ियों को मिलने वाली पुरस्कार राशि सीमित रह जाती है। साथ ही, इन संस्थाओं की नीतियों के चलते खिलाड़ी मैदान के बाहर भी अपनी कमाई बढ़ाने के अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। दूसरी ओर, एटीपी और डब्ल्यूटीए ने इन सभी आरोपों को सख्ती से खारिज किया है।

जिम्बाब्वे को विश्व क्रिकेट में और सम्मान दिलाने में वर्ल्ड कप की होगी अहम भूमिका : सिकंदर रजा

केपटाउन, एजेंसी। कप्तान सिकंदर रजा का मानना है कि खराब दौर से जूझ रही जिम्बाब्वे टीम आगामी टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन के जरिये विश्व क्रिकेट में फिर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती है। जिम्बाब्वे को सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में ग्रुप बी में पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के साथ रखा गया है जबकि आयरलैंड और ओमान भी इसी ग्रुप में हैं । पार्ल रॉयल्स और एमआई केपटाउन के बीच रविवार के मैच के बाद एसए20 द्वारा कराई गई बातचीत में रजा ने कहा, 'विश्व कप हर क्रिकेटर के जीवन में अहम है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जिम्बाब्वे को विश्व क्रिकेट में और सम्मान पाना है तो विश्व कप की भूमिका अहम होगी। रजा ने

एमआई केपटाउन पर सात विकेट से मिली जीत में रॉयल्स के लिये चार विकेट लिये । उन्होंने कहा ,'' हम ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं कि अपना सिर ऊंचा रखकर लौट सके और अपने देशवासियों को भी गर्व महसूस करने का मौका दें ।'' उन्होंने कहा, 'नतीजे हमारे हाथ में नहीं हैं लेकिन हम उनके बारे में ज्यादा चिंता नहीं करते । हमारा फोकस अच्छा क्रिकेट खेलने पर है और ऐसा करने पर नतीजे मिलेंगे।

फुटबॉल की सबसे बड़ी जंग

क्या फीफा विश्वकप 2026 में भिड़ सकते हैं मेसी-रोनाल्डो? खेल नहीं, विरासत होगी दांव पर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि शायद फुटबॉल के सबसे महान प्रतिद्वंद्विता का आखिरी अध्याय हो। मेसी बनाम रोनाल्डो, यह मुकाबला गोलों से कहीं आगे, विरासत और इतिहास की लड़ाई है। चाहे वे फाइनल में आमने-सामने हों या उससे पहले, एक बात तय है कि दुनिया की निगाहें एक बार फिर ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम पर टिकी होंगी, शायद आखिरी बार। लियोनल मेसी बनाम क्रिस्टियानो रोनाल्डो, सिर्फ ये नाम ही स्टेडियम खचाखच भर देने और करोड़ों फैंस को टीवी स्क्रीन से चिपका देने के लिए काफी हैं। यह प्रतिद्वंद्विता 2008 में आकार लेने लगी और 2009 में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में अपने पहले शिखर पर पहुंची, जहां बार्सिलोना ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया और मेसी ने बाजी मारी। इसके बाद जब रोनाल्डो रियल मैड्रिड पहुंचे, तो एल क्लासिको फुटबॉल का सबसे बड़ा मंच बन गया। 2018 तक दोनों खिलाड़ी लगभग हर सीजन आमने-सामने आए, कई बार एक ही साल में तीन से ज्यादा मुकाबले हुए। इस दौर में दोनों ने एक-दूसरे को लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया और फुटबॉल को कला, ताकत और गोलों की बारिश का संगम बना दिया। मेसी और रोनाल्डो ने मिलकर एक दशक से ज्यादा समय तक विश्व फुटबॉल पर राज किया।मेसी ने सात बैलन डी'ओर जीते, जबकि रोनाल्डो के नाम पांच बैलन डी'ओर हैं। यह आंकड़े सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धियां

नहीं, बल्कि उस दौर की पहचान हैं जब फुटबॉल दो ध्रुवों के इर्द-गिर्द घूमता था।आज दोनों यूरोपीय फुटबॉल की पारंपरिक चमक से दूर हैं, मेसी अमेरिका में इंटर मियामी के लिए खेल रहे हैं, जबकि रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल नास्त्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। आमतौर पर ऐसे बदलाव को करियर के ढलान के रूप में देखा जाता है, लेकिन इन दोनों ने उम्र को चुनौती देते हुए यह साबित किया कि क्लास स्थायी होती है।

क्या अर्जेंटीना और पुर्तगाल को अब भी इनकी जरूरत है?

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी और रोनाल्डो अब भी अपनी-अपनी टीमों की रीढ़ बने हुए हैं। मेसी ने 2023 में आठ मैचों में आठ गोल किए, 2024 में 11 मैचों में छह गोल दागे और उसी साल अर्जेंटीना को दूसरा कोपा अमेरिका जिताने में मदद की। 2025 में उन्होंने पांच मैचों में तीन गोल जोड़े। वहीं, रोनाल्डो ने 2023 में पुर्तगाल के लिए नौ मैचों में 10 गोल किए, 2024 में 12 मैचों में सात गोल जड़े और 2025 में नौ मुकाबलों में आठ गोल कर अपनी निरंतरता बनाए रखी। युवा सितारों के उभरने के बावजूद दोनों सुपरस्टार अब भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

क्या 2026 आखिरी विश्व कप होगा?

अब नजरें फीफा वर्ल्ड कप 2026 पर टिकी हैं, जो शायद वह आखिरी मंच हो सकता है, जहां दोनों दिग्गज एक साथ किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में दिखें। मेसी अपने वर्ल्ड कप भविष्य को लेकर रहस्य बनाए हुए हैं, जबकि रोनाल्डो साफ कह चुके हैं कि संन्यास दूर नहीं। ऐसे में 2026 को एक युग के अंत के रूप में देखा जा रहा है।

विजय हजारे ट्रॉफी:

चोटिल शार्दुल ठाकुर बाहर, श्रेयस अय्यर बने मुंबई के नए कप्तान

मुंबई, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को शेष विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबलों के लिए मुंबई टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। नियमित कप्तान शार्दुल ठाकुर चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, जिसके बाद मुंबई चयन समिति ने यह फैसला लिया। शार्दुल ठाकुर की चोट की प्रकृति का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें आराम की सलाह दी गई है। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता संजय पाटिल ने बताया, 'शार्दुल चोटिल हैं और उन्हें विश्राम की सलाह दी गई है। हमारे पास शिवम दुबे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी उपलब्ध हैं, लेकिन शेष मैचों के लिए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है।'

लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर खुद भी लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट रहे हैं। अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे के दौरान उन्हें स्प्लीन में गंभीर चोट और आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके चलते वह लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे।

फिटनेस पर निर्भर रहेगी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धता

फिटनेस के अधीन अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी टीम इंडिया में शामिल किया गया है। यह सीरीज 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होगी, जबकि अन्य दो मुकाबले 14 जनवरी (राजकोट) और 18 जनवरी (इंदौर) में खेले जाएंगे। अय्यर फिलहाल भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं।

ग्रुप मैचों में करेंगे मुंबई का नेतृत्व

मुंबई क्रिकेट संघ के सचिव डॉ. उन्मेष खानविलकर ने आधिकारिक बयान में कहा, 'शार्दुल ठाकुर चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं। उनकी अनुपस्थिति में श्रेयस अय्यर मुंबई टीम की कप्तानी संभालेंगे।' अय्यर मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ ग्रुप ष्ट मैच में टीम की अगुआई करेंगे, इसके बाद 8 जनवरी को मुंबई का सामना पंजाब से होगा।

एशेज सिडनी टेस्ट:

जो रूट का शतक फीका, दूसरे दिन हेड की नाबाद 91 से ऑस्ट्रेलिया की वापसी

एशेज 2025-26 के पांचवें टेस्ट के दूसरे दिन जो रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक जड़ते हुए एक बार फिर इंग्लैंड को संभालने की कोशिश की, लेकिन दिन का खेल खत्म होते-होते मुकाबले की दिशा बदल गई। रूट की 160 रन की शानदार पारी के बावजूद इंग्लैंड की टीम सिडनी टेस्ट पर अपनी पकड़ बनाए रखने में नाकाम रही। तीसरे सत्र में ट्रैविस हेड की आक्रामक बल्लेबाजी ने इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया।

इंग्लैंड 384 पर सिमटी, रूट को नहीं मिला साथ

दिन की शुरुआत इंग्लैंड ने 211/3 से की, लेकिन हैरी ब्रूक जल्दी आउट हो गए। ब्रूक ने 97 गेंदों में 84 रन बनाए और रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 171 रन की अहम साझेदारी की। कप्तान बेन स्टोक्स बल्ले से नाकाम रहे और मिशेल स्टार्क की गेंद पर बिना खाता खोले आउट हुए। यह 14वीं बार था जब स्टार्क ने स्टोक्स को आउट किया। जेमी स्मिथ ने 46 रन बनाए, जबकि विल जैक्स और ब्रायडन कार्स बड़ी पारी नहीं खेल सके। रूट 242 गेंदों में 160 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की पूरी टीम 97.3 ओवर में 384 रन पर ढेर हो गई।

हेड का तूफान, ऑस्ट्रेलिया ने तेज़ी से घटाया अंतर

जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत में जेक वेदराल्ड को स्टोक्स ने आउट किया, लेकिन दूसरे छोर से ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। हेड ने सिर्फ 55 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उनके साथ मार्नस लाबुशेन ने 48 रन बनाए और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी हुई। लाबुशेन को स्टोक्स ने आउट किया, लेकिन हेड का आक्रमण जारी रहा।

बारिश ने रोका खेल, हेड 91 पर नाबाद

माइकल नेसर नाइटवॉचमैन के रूप में क्रीज पर आए और एक गेंद हाथ पर लगने के बाद उन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट भी लेना पड़ा। खराब रोशनी और बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल आगे नहीं बढ़ सका। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 166 रन बना लिए थे। ट्रैविस हेड 87 गेंदों में 91 रन बनाकर नाबाद लौटे, जिसमें 15 चौके शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया अब भी 218 रन पीछे है, लेकिन उनके पास आगे मजबूत बल्लेबाजी क्रम मौजूद है।

आंख दिखा रहा था पाकिस्तानी गेंदबाज, कीरोन पोलार्ड ने उतार दी गर्मी!

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कीरोन पोलार्ड की पहचान एक खतरनाक बल्लेबाज के रूप में की जाती है. अगर पोलार्ड लय में हों, तो दुनिया के किसी भी गेंदबाज को अपने सामने नहीं टिकने देते हैं. मैदान पर पोलार्ड सिर्फ बल्लेबाजी ही नहीं, बल्कि अपने गर्म तेवर के लिए भी जाने जाते हैं. पोलार्ड को बिल्कुल पसंद नहीं कि कोई गेंदबाज उनके ध्यान को भंग करे. ऐसा ही कुछ इंटरनेशनल टी20 लीग के चौथे सीजन के फाइनल में देखने को मिला, जब डेजर्ट वाइपर के तेज गेंदबाज नसीम शाह से उनकी भिड़ंत हो गई.

ILT20 के फाइनल में पोलार्ड और नसीम के बीच हुई झड़प

इंटरनेशनल टी20 लीग के फाइनल मुकाबले में एमआई एमिरेट्स के कप्तान कीरोन पोलार्ड अपने लय में नहीं दिख रहे थे और उनके सामने गेंदबाजी करते हुए डेजर्ट वाइपर के तेज गेंदबाज नसीम शाह बार-बार आंख दिखा रहे थे. इसके तुरंत बाद, कीरोन पोलार्ड ने अपना गुस्से वाला रूप दिखाते हुए पाकिस्तानी गेंदबाज को वार्निंग दे डाली. जिसके बाद, नसीम भी कहां मानने वाले थे, चले गए पोलार्ड से भिड़ने, लेकिन एमआई के कप्तान ने जैसे ही आंख दिखाई पाकिस्तानी गेंदबाज की गर्मी उतर गई.इसके बाद, अंपायर ने दोनों खिलाड़ियों को शांत कराते हुए अलग कराया, तब जाकर खेल आगे बढ़ सका.

फाइनल में कैसी रही थी नसीम शाह की गेंदबाजी?

नसीम शाह ने ILT20 के फाइनल मुकाबले में दमदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में महज 18 रन देकर 3 विकेट अपने नाम करने में सफल रहे. इसमें पोलार्ड का भी विकेट शामिल है. पोलार्ड एमआई एमिरेट्स के लिए खेलते हुए 28 गेंद में 28 रन बनाकर आउट हुए. नसीम शाह की इस दमदार प्रदर्शन के चलते डेजर्ट वाइपर की टीम फाइनल मुकाबले में खिताबी जीतने में सफल रही.

बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ वह गलत है, बीसीबी के भारत से टी20 WC शिफ्ट करने के अनुरोध पर बोले हरभजन

दुबई : पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के मैचों को सुरक्षा कारणों से भारत से हटाकर दूसरी जगहों पर करवाने की औपचारिक रिक्वेस्ट पर कमेंट किया है। हरभजन ने कहा कि भारत सभी टीमों का स्वागत करता है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय जमीन पर खेलना है या नहीं, यह आखिर में बांग्लादेश का फैसला होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे इस बात पर जोर दिया कि ICC को उनके अनुरोध पर फैसला लेना होगा। बीसीबी ने 2026 टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न आने का कारण बांग्लादेश टीम की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को बताया, जिसे भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट करने वाले हैं। हरभजन सिंह ने् ह्व से बात करते हुए कहा, 'पिछले कुछ दिनों में हुई अलग-अलग घटनाओं के कारण बांग्लादेश भारत नहीं आना चाहता। बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ वह गलत है। उनके अनुरोध पर फैसला लेना होगा। हम भारत में सभी का स्वागत करते हैं, लेकिन वे (बांग्लादेश) यहां आना चाहते हैं या नहीं, यह उनकी मर्जी है।' यह घटनाक्रम कोलकाता नाइट राइडर्स की उस घोषणा के बाद हुआ है जिसमें उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुए अत्याचारों के संबंध में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश के जवाब में बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को केकेआर ने अपनी IPL 2026 टीम से हटा दिया था। केकेआर का यह फैसला BCCI सचिव देवाजीत सैकिया के बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने कहा था कि शीर्ष क्रिकेट बोर्ड ने IPL फ्रेंचाइजी को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 'हाल के घटनाक्रमों के कारण' रिलीज करने का निर्देश दिया था। मुस्तफिजुर को पिछले साल मिनी ऑक्शन में केकेआर ने IPL 2026 सीजन के लिए चुना था। तीन बार की चैंपियन टीम ने इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

न्यूज बाइट्स

क्षेत्र को अपराध मुक्त करना उनकी पहली प्राथमिकता

हंसडीहा (दुमका) (नि. सं.)। सरैयाहाट संवाददाता। हंसडीहा थाने में नए थाना प्रभारी के रूप में सोमवार को अजीत कुमार यादव ने पदभार ग्रहण किया। पत्रकारों के साथ मारपीट के बाद निवर्तमान थाना प्रभारी ताराचंद के निलंबन के बाद एसआई जिम्मी हांसदा को तत्काल प्रभाव दिया गया था। जिसके बाद तालझारी के थाना प्रभारी को स्थानांतरित करते हुए हंसडीहा की कमान सौंपी गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए थाना प्रभारी अजीत कुमार यादव ने कहा कि लोगों के सहयोग से क्षेत्र में अमन चैन कायम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और पब्लिक के बीच मधुर संबंध स्थापित करने की कोशिश की जाएगी। जनता किसी भी वक्त अपनी समस्याएं लेकर थाना आ सकती है। यथासंभव पुलिस की ओर से मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में आस पास के थाना में रह चुके हैं इसलिए कार्य करने में परेशानी नहीं होगी। साथ उन्होंने बताया कि क्षेत्र में किसी भी तरह के अवैध कारोबार को चलने नहीं दिया जाएगा। अपराधियों पर विशेष ध्यान पुलिस देगी, किसी भी तरह के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र को अपराध मुक्त करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

मीट–मुर्गा दुकानों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी

दुमका (नि. सं.)। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने मीट एवं मुर्गा दुकानों के संचालन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत मीट अथवा मुर्गा दुकान चलाने के लिए खाद्य अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) या पंजीकरण अनिवार्य है। बिना वैध लाइसेंस/पंजीकरण के दुकान संचालन दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा मांस दुकानों के लिए निर्धारित नियमों का पालन सभी दुकानदारों को करना होगा। लाइसेंस या पंजीकरण से पूर्व संबंधित स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है। खुले में मांस काटकर या लटकाकर बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार मीट की दुकान सब्जी या मछली की दुकान के पास नहीं होनी चाहिए। धार्मिक स्थलों से न्यूनतम 50 मीटर की दूरी अनिवार्य है, जबकि यदि दुकान धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने हो तो यह दूरी कम से कम 100 मीटर होनी चाहिए। दुकान का दरवाजा स्वतः बंद होने वाला तथा काले शीशे से युक्त होना चाहिए। मीट दुकान की ऊँचाई न्यूनतम 3 मीटर और वातानुकूलित दुकान की स्थिति में 2.5 मीटर निर्धारित की गई है। दीवारों पर फर्श से 5 फीट तक धोने योग्य टाइल्स या पॉलिश्ड मैटेरियल तथा फर्श नॉन-स्लिप होना चाहिए। मांस काटने में उपयोग होने वाले चाकू एवं औजार स्टेनलेस स्टील के होने चाहिए। दुकान के बाहर साइन बोर्ड पर स्पष्ट रूप से यह अंकित होना चाहिए कि किस प्रकार का मांस बेचा जा रहा है। दुकान में पर्याप्त रोशनी, स्वच्छ पेयजल, क्रॉस वेंटिलेशन और मक्खीरोधी व्यवस्था अनिवार्य होगी। 48 घंटे से अधिक समय तक मांस के भंडारण की स्थिति में 4 से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान बनाए रखने के लिए डिस्प्ले या फ्रीजिंग कैबिनेट होना जरूरी है। इसके अलावा, परिसर एवं उपकरणों की सफाई के लिए 82 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान वाले गर्म पानी की व्यवस्था, पशु अपशिष्ट के समुचित निपटान, पैडलयुक्त ढक्कन वाले कूड़ेदान तथा कीट-नाशक उपायों और कर्मचारियों के वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण से संबंधित प्रमाण पत्र दुकान में सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा।

दिनदहाड़े हत्या से दहला दुमका

ई-रिक्शा चालक की पीट-पीटकर हत्या

आरोपियों की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग को लेकर एनएच-114ए जाम, घंटों ठप रहा आवागमन

निज संवाददाता | शिकारीपाड़ा (दुमका)

शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित चौक पर सोमवार की सुबह ई-रिक्शा चालक की हत्या के विरोध में ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर एनएच-114 ए (दुमका–रामपुरहाट मार्ग) को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी हत्या में शामिल सभी आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। सड़क जाम के कारण यात्री वाहनों और मालवाहक वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मामला शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के शिमला ढाका गांव से जुड़ा है, जहां दो पक्षों के बीच लंबे समय से जमीन विवाद चल रहा था। रविवार को इस विवाद को सुलझाने के लिए एक पक्ष के लोग ई-रिक्शा चालक सफारुद्दीन मियां के रिक्शा से थाना जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में दूसरे पक्ष के लोगों ने ई-रिक्शा को रोक लिया और चालक से इस बात को लेकर उलझ गए कि वह दूसरे पक्ष के लोगों को अपने रिक्शा में क्यों बैठाकर ले जा रहा है। विवाद बढ़ने पर आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने ई-रिक्शा चालक सफारुद्दीन मियां की लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल चालक को इलाज के लिए शिकारीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर उसे शाम में दुमका मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए वर्धमान रेफर कर दिया। इलाज के दौरान वर्धमान में उसकी मौत हो गई।

सोमवार की सुबह जैसे ही शव गांव पहुंचा, परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने शव को लेकर शिकारीपाड़ा थाना से कुछ ही दूरी पर स्थित बीच चौक पहुंचकर सड़क जाम कर दिया। मृतक के भगिना मोइन अंसारी ने बताया कि दोषियों की जल्द गिरफ्तारी हो और मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि मृतक की छह पुत्रियां हैं, जिनके भरण-पोषण की चिंता अब परिवार पर आ गई है। मोइन अंसारी ने करीम मियां, कोबाद मियां, जलील अंसारी, अब्दुल मियां, रमजान अंसारी और बशीर मियां को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित लकड़ा मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही रविवार की रात छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक पदाधिकारियों के पहुंचने के बाद मृतक के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

इधर, सड़क जाम के कारण तारापीठ जाने वाले श्रद्धालुओं के कई वाहन भी फंसे रहे, जिससे मार्ग पर घंटों अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्रशासन द्वारा जाम हटाने और स्थिति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने की बाबा बासुकीनाथ की पूजा-अर्चना

निज संवाददाता | दुमका

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार सोमवार को विश्वप्रसिद्ध बासुकीनाथ धाम पहुँचे। यहां उन्होंने सपरिवार वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधानपूर्वक बाबा बासुकीनाथ की पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक कर देश व समाज के कल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में पूजा के दौरान आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। पूजा-अर्चना के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने बासुकीनाथ धाम के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी दी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के आगमन को लेकर मंदिर परिसर एवं आसपास सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी, निर्वाचन विभाग से जुड़े पदाधिकारी तथा मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य भी मौके पर उपस्थित रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में वीसी के जरिए प्रखंड व अंचल अधिकारियों की समीक्षा बैठक

निज संवाददाता | दुमका

उपायुक्त की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शीतलहर से बचाव, कंबल वितरण, अलाव व्यवस्था, पेयजल, धान अधिप्राप्ति, रोजगार एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। दुमका/बैठक में जानकारी दी गई कि सभी प्रखंडों को कंबल प्राप्त हो चुका है। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में कंबल वितरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर आगामी दो दिनों के भीतर पूर्ण किया जाए तथा पंचायत स्तर पर जरूरतमंद एवं असहाय व्यक्तियों तक कंबल पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शीतलहर को देखते हुए सभी अंचलों में अलाव की समुचित एवं सतत व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। "आपनार आतो कामी" कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय जागरूकता एवं रोजगार शिविरों के आयोजन की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं, स्वरोजगार, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ना है, ताकि लोग अपने क्षेत्र में ही रहकर आत्मनिर्भर बन सकें।

उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत 17 जनवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। पेयजल से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने सभी खराब चापानलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। धान अधिप्राप्ति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रखंडों में अधिप्राप्ति केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा लाभुकों को ससमय भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिन प्रखंडों में धान अधिप्राप्ति की प्रगति कम पाई गई है, वहां संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को लैम्पस का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। विशेष रूप से जरमुंडी, शिकारीपाड़ा, मसलिया, गोपीकांदर एवं रानेश्वर प्रखंडों के उन लैम्पस, जहां धान अधिप्राप्ति कम हो रही है, वहां नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रगति बढ़ाने पर बल दिया गया। उन्होंने बताया कि धान अधिप्राप्ति के उपरांत लाभुकों को एकमुश्त राशि का भुगतान किया जा रहा है। बैठक के दौरान विभिन्न प्रखंडों में प्रमाण पत्रों से संबंधित लंबित आवेदनों तथा नए राशन कार्ड से जुड़े आवेदनों का निष्पादन नियमानुसार एवं समयबद्ध तरीके से करने का निर्देश दिया गया। सड़क सुरक्षा के तहत सभी प्रखंडों में पंचायत स्तर पर सड़क सुरक्षा शपथ कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया। साथ ही सभी प्रखंडों में समन्वय समिति की बैठक प्रत्येक माह की 15 तारीख तक अनिवार्य रूप से आयोजित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को चेक पोस्ट का नियमित निरीक्षण करने तथा निरीक्षण प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

निज संवाददाता | दुमका

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, ठंड से बचाव की व्यवस्थाओं तथा नागरिक सुविधाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। नगर परिषद दुमका के कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी स्ट्रीट लाइट हर हाल में कार्यरत रहें, इसे सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जिन दुकानों द्वारा डस्टबिन नहीं रखा जा रहा है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जाए। उपायुक्त ने रैन बसेरा की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि वहां ठहरने वाले लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कंबल वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि शेष कंबल वितरण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं नियमित रूप से संचालित करने का निर्देश दिया।

नगर पंचायत बासुकीनाथ के कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने स्ट्रीट लाइट की मैपिंग कर सभी खराब स्ट्रीट लाइट को अविलंब दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से फॉगिंग कराने पर जोर दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि बासुकीनाथ क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट का कार्य किया जा रहा है। इस पर उपायुक्त ने कहा कि पूरे बासुकीनाथ क्षेत्र में रोशनी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने आकर्षक एवं रंगीन लाइटों के अधिष्ठापन का भी निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए समन्वय के साथ कार्य करने तथा शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करने का निर्देश दिया।

रामगढ़ प्रखंड में सोहराय आंतंग दारम कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़ (दुमका) (नि. सं.)। रामगढ़ प्रखंड परिसर मे सोमवार को सोहराय आंतंग दारम कार्यक्रम आयोजित किया गया।यह कार्यक्रम ग्राम प्रधान मांझी संगठन, संप द्वारा आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रुप मे प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेन्द्र सिन्हा मौजूद रहे। सर्वप्रथम प्रखंड कार्यालय के मुख्य द्वार से रीति रिवाज व पारंपरिक वेशभूषा में मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेन्द्र सिन्हा का स्वागत किया गया।कार्यक्रम का संचालन कर रहे संचालनकर्ता ने बताया कि सोहराय पर्व संताल आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व है। सोहराय पर 5 दिन तक मनाया जाता है।बताया कि हम सभी मिलजुल कर इस सोहराय पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए समाज में भाईचारा बनाए रखेंगे।कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि महापर्व सोहराय मनाया जाता है। प्रकृति के साथ आपके सामंजस्य व संतुलन को दर्शाता है। भाईचारा व शांति का संदेश महापर्व सोहराय के द्वारा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विगत कई वर्षों से रामगढ़ प्रखंड परिसर में आप लोगों के द्वारा सोहराय पर्व मनाया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर दुमका की सड़कों पर उतरी प्रभात फेरी

निज संवाददाता | दुमका

सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को दुमका में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी की शुरुआत नेशनल स्कूल परिसर से हुई, जो टॉवर चौक, टीन बाजार चौक, वीर कुंवर सिंह चौक से होते हुए जिला परिवहन कार्यालय, दुमका के पास आकर संपन्न हुई।

प्रभात फेरी के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर सड़क सुरक्षा से जुड़े नारे लगाए। लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरती प्रभात फेरी ने आम नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया और सड़क सुरक्षा को लेकर सकारात्मक माहौल बनाया।

इस अवसर पर जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जन-जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। नियमों का पालन कर ही सड़क हादसों को रोका जा सकता है और ऐसे आयोजन लोगों को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित यातायात के प्रति प्रेरित करना और सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा। प्रभात फेरी के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

एसकेएमयू दुमका में रेव्ह जेरेमिया फिलिप्स की 214वीं जयंती पर विद्वानों का भव्य सम्मान समारोह

निज संवाददाता | दुमका

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के स्नातकोत्तर संताली विभाग द्वारा सोमवार को संताली भाषा के महान साहित्यकार, शोधार्थी एवं विद्वान रेव्ह जेरेमिया फिलिप्स की 214वीं जयंती तथा भारतीय संविधान का संताली भाषा में अनुवाद करने वाले विद्वानों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील टुडू ने की, जबकि मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के मानविकी संकायाध्यक्ष एवं संताल परगना महिला महाविद्यालय, दुमका के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार गुप्ता रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय संविधान के संताली अनुवाद से जुड़ी प्रमुख विदुषी डॉ. मेरी मारग्रेट टुडू प्राचार्या, मॉडल कॉलेज, विजयीपुर, डॉ. ईश्वर मरांडी सहायक प्राध्यापक, एसपी महिला कॉलेज, दुमका एवं प्रो. तनुश्री सिंह मुर्मू सहायक प्राध्यापक, वर्धमान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक संताली रीति-रिवाजों के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत मंदार की थाप, लोटा-पानी एवं पारंपरिक सम्मान विधि से किया गया। इसके पश्चात वीर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू एवं रेव्ह जेरेमिया फिलिप्स के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया।

स्वागत भाषण में डॉ. सुशील टुडू ने कहा कि रेव्ह जेरेमिया फिलिप्स का योगदान केवल भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के माध्यम से संताल समाज को नई पहचान दी। डॉ. अमित मुर्मू ने फिलिप्स के जीवन, संघर्ष और साहित्यिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।[प्रो. तनुश्री सिंह मुर्मू ने कहा कि भारतीय संविधान का संताली भाषा में अनुवाद ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे संताली भाषी समाज को अपने अधिकारों को समझने में सीधा लाभ मिलेगा। डॉ. ईश्वर मरांडी ने फिलिप्स को संताली भाषा के महानतम विद्वानों में से एक बताते हुए कहा कि एक विदेशी मिशनरी होते हुए भी उनका संताली भाषा और संस्कृति के प्रति समर्पण अतुलनीय था।

डॉ. मेरी मारग्रेट टुडू ने कहा कि संविधान का संताली अनुवाद पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है और अब युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे संताली भाषा को और आगे ले जाएं। उन्होंने संताली साहित्य के अधिकाधिक अनुवाद और सृजन की आवश्यकता पर भी बल दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. बसंत कुमार गुप्ता ने अपने प्रेरक संबोधन में रेव्ह जेरेमिया फिलिप्स को "संताली भाषा का पाणिनि" बताते हुए कहा कि 1852 में प्रकाशित उनकी पुस्तक "एन इंट्रोडक्शन टू दि संताली लैंग्वेज" आज भी संताली भाषा की आधारशिला मानी जाती है। उन्होंने बताया कि फिलिप्स ने भाषा के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक योगदान दिया।

कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान के संताली भाषा में अनुवाद से जुड़े सभी विद्वानों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. निर्मल मुर्मू ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शर्मिला सोरेन ने दिया। इस अवसर पर संताली विभाग के शोधार्थी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डालसा ने नशा जागरूकता एवं स्वस्थ जीवन शैली को लेकर पैदल जागरूकता तथा साईकल रैली का आयोजन

निज संवाददाता | दुमका

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका, सुधांशु कुमार शशि के आदेश पर नशा जागरूकता एवं स्वस्थ जीवन मार्गदर्शन :नशा मुक्त भारतः के तहत सोमवार को शहर के मुख्य स्थान के साथ-साथ विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायत में नशा मुक्ति हेतु पैदल जागरूकता यात्रा के साथ साइकिल द्वारा जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

आयोजित रैली का मुख्य उद्देश्य "जीवन को हां कहे, नशे को ना करें" पर आधारित है। जिसमें लोगों को इस विषय पर जागरूक किया गया कि नशा मुक्त भारत तभी संभव है जब परिवार, विद्यालय, स्वास्थ्य सेवाएं, प्रशासन और समाज मिलकर कार्य करें। माता-पिता का मार्गदर्शन, शिक्षकों की भूमिका और समुदाय का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

नशा जागरुकता और स्वस्थ जीवन मार्गदर्शन मिलकर एक सशक्त, स्वस्थ और जिम्मेदार समाज का निर्माण करते हैं। आयोजित कार्यक्रम के दौरान पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा कहा गया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से "जीवन को हां कहे, नशे को ना करें" का संदेश अपनाने पर जोर दिया। इस संबंध में उनके द्वारा पंपलेट का भी वितरण किया गया।

सतीश स्मृति मंच के 18 वें सम्मेलन की तैयारियों को लेकर हुई अहम बैठक

निज संवाददाता | दुमका

सतीश स्मृति मंच, दुमका के 18 वें वार्षिक सम्मेलन की तैयारियों को लेकर ग्रांट इस्टेट स्थित 'सतीश चौरा' में दिन रविवार को देवघर से पधारे गीतकार साहित्यकार सर्वेश्वर दत्त द्वारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर देवघर से ही वरिष्ठ कवि / साहित्यकार शंकर मोहन झा, अनिल कुमार झा तथा युवा कवि सागर मिश्र सहित मंच के स्थाई अध्यक्ष गीतकार/ गजलकार कमलाकांत प्रसाद सिन्हा, सचिव कुंदन कुमार झा, अरुण कुमार सिन्हा, डॉ यू एस आनंद, राजीव नयन तिवारी, अशोक सिंह, डॉ अमरेन्द्र सुमन, विद्यापति झा, केशव सिन्हा, डॉ अंजनी शरण, कश्यप नंदन, पवन मिश्रा, धर्मेंद्र पांडे, डॉ मधुर सिंह, नवीन चंद्र ठाकुर, डॉ मनोज कुमार घोष इत्यादि उपस्थित थे। इस बैठक में "सतीश स्मृति सम्मान समारोह सह काव्यांजलि–2026" की रूपरेखा, आयोजन की तिथि, प्रबंधन, स्वरूप व सहभागिता को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

रविवार का दिन मंच के लिए इसलिए भी यादगार रहा क्योंकि देवघर से दुमका पहुंचे उपरोक्त साहित्यकारों की गरिमामयी उपस्थिति ने एक अतिरिक्त ऊर्जा के साथ बैठक को ऊँचाई प्रदान की। साथ ही लंबे अंतराल के बाद साहित्यिक पत्रिका अपूर्व्या के संपादक डॉ. यू. एस. आनन्द की सहभागिता ने सभी साहित्य प्रेमियों को उत्साहित किया। बैठक के दौरान जहां एक ओर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थागत एवं रचनात्मक पहलुओं पर गहन चर्चा हुई, वहीं दूसरी ओर उपस्थित कवियों ने अपनी-अपनी कविताओं का पाठ कर माहौल को साहित्यिक उल्लास से भर दिया। काव्यपाठ के दौरान भाव, विचार और संवेदना की ऐसी अविरल धारा बही कि 'सतीश चौरा' का वातावरण पूर्णतः साहित्य के रंग में रंग गया।

नव गोपाल माल की स्मृति में गम्हरिया हाट में शोक सभा

दुमका (नि. सं.)। विगत 31 दिसंबर की शाम सड़क दुर्घटना में मारे गए पारा शिक्षक सह सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला परिषद सदस्य सुलोचना देवी के पति स्वर्गीय नव गोपाल माल की आत्मा की शांति के लिए सोमवार को गम्हरिया हाट के हटिया परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। खेतौरी समाज द्वारा आयोजित शोक सभा में खेतौरी समाज के साथ-साथ अन्य समाजों के लोग भी शामिल थे। शोक सभा में शामिल लोगों ने दिवंगत नव गोपाल माल के स्मृति में 2 मिनट का मौन रखा तथा उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि समर्पित कर मृतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।